फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 66 प्रभात जयपुर, सोमवार 6 अक्टूबर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Too Explicit, But Not Shunned Anymore

Intensely amorous love verses set in the Carnatic mode, padams and javalis are returning to the spotlight after decades

Home Remedies

Courage In A Twig

When the Vanara Queens first saw Sita: A Moment of Compassion and Courage

काफी नि:शक्त सी है, नि:शक्त सर्टिफिकेट बांटने की प्रक्रिया सरकार में ....(1)

दूसरी ओर इन सर्टिफिकेट के सही होने का महत्व और बहुत इसलिए भी बढ़ गया, क्योंकि ''प्रमाणित'' निःशक्तता के आधार पर यह निश्चित होता है कि, अब सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिलेगा या नहीं, और आरक्षण का कितना लाभ मिलेगा

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान में नि:शक्तजनों को सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया पर काफी सवाल उठ रहे है। क्योंकि 'प्रमाणित'' नि:शक्तता के आधार पर यह निश्चित होता है कि, अब सरकारी नौकरियों में आरक्षण मिलेगा या नहीं, और आरक्षण का कितना लाभ मिलेगा। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार में दी गई सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं, इस वजह से अब उन अभ्यर्थियों के दिव्यांगता सर्टिफिकेट की जांच भी लाजमी है, जिन्होंने सरकारी नौकरियां पाई हैं। इस मामले में राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने अगस्त माह में परिपत्र जारी कर सभी दिव्यांगता सर्टिफिकेट की जांच के आदेश भी दिए हैं।

- **प्रदेश में मूक-बधिर कोटे से सरकारी नौकरी पाने वाले अभ्यर्थियों की जांच नियमानुसार ''ऑडियोलॉजिस्ट'' द्वारा की जानी चाहिए। परंतु राज्य के सबसे बड़े सवाई मानसिंह अस्पताल में यह जांच ई.एन.टी. सर्जन द्वारा की जा रही है। हैरानी की बात है कि एस.एम.एस. अस्पताल में मरीजों को दिव्यांगता सर्टिफिकेट जारी करने वाले बोर्ड में भी एक भी सदस्य ऑडियोलॉजिस्ट नहीं है।**
- **सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में भी सिर्फ दो टैस्ट ''बेरा व पी.टी.ए.'' के आधार पर ही दिव्यांगता प्रतिशत तय किया जा रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यहां भी जांच व सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया गलत और अधूरी है। इस कारण कई ऐसे मरीजों को सर्टिफिकेट नहीं मिल रहे हैं, जो वाकई पीड़ित हैं। कई ऐसे मरीजों को सर्टिफिकेट मिले हैं, जिन्हें ''श्रवण एवं वाणी विकलांगता'' है ही नहीं।**

परंतु इस जांच के दौरान भी यह सामने आया है कि, प्रदेश के सबसे बड़े

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज दिल्ली जाएंगे

जयपुर, 5 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के विकास कार्यों के लिए सोमवार को नई दिल्ली दौरे के तहत केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। शर्मा प्रदेश की विद्युत क्षमता में वृद्धि और नवीन ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिए केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली पावर सेक्टर की बैठक में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री राज्य में सार्वजनिक बुनियादी ढ ांचे के विकास और रखरखाव के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात व चर्चा करेंगे। इसके पश्चात शर्मा जनवरी 2026 में आयोजित होने वाले राजस्थान डिजिफेस्ट और टीआईई ग्लोबल समिट का पूर्वावलोकन करेंगे।

- **वे केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में पावर सैक्टर की बैठक में भाग लेंगे।**

तत्पश्चात वे राजस्थान के आर्थिक विकास को गति देने और विभिन्न परियोजनाओं के बजट के संबंध में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा राज्य के विभिन्न वर्गों एवं क्षेत्रों के चहुंमुखी विकास के लिए अन्य केन्द्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात कर बातचीत करेंगे।

केन्द्र सरकार ने दवा फैक्ट्रियों की जाँच के आदेश दिये

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कफ सिरप से बच्चों की मौत पर सख्त रूख अपनाया

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में केंद्र सरकार ने सख्त फैसला लिया है। रविवार को इस मामले में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की बैठक के बाद स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए।

- **औषधि नियंत्रक अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि जहाँ नियम का पालन होता नज़र नहीं आये, उस फैक्ट्री का लायसैंस रद्द किया जाए।**

पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि देश के सभी जिले में मौजूद दवा फैक्ट्रियों की जांच होगी। जहां से नियम का पालन होता नजर नहीं आया, उस फैक्ट्री का लाइसेंस रद्द किया जाएगा। हेल्थ सेक्रेटरी ने राज्यों से तत्काल इस मामले में संज्ञान लेने के लिए कहा है।

इस बैठक में देश भर के 200 से भी ज्यादा स्वास्थ्य अधिकारी शामिल थे। इन सभी के सामने केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में नाराज़गी जताई। उन्होंने शेड्यूल एम अधिनियम के तहत सभी मानकों की जांच करने के लिए औषधि नियंत्रक अधिकारियों को आदेश दिया।

रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में डेढ़ घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में खांसी की दवाओं की गुणवत्ता और उनके विवेकपूर्ण उपयोग की समीक्षा हुई। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक में खांसी की दवाओं की गुणवत्ता और उनके सही व सुरक्षित उपयोग को लेकर चर्चा की।

बैठक में राज्यों को निर्देश दिया गया कि वे खांसी की दवाओं का सही उपयोग सुनिश्चित करें, खासतौर पर बच्चों में, क्योंकि अधिकांश मामलों में साधारण खांसी अपने आप ठीक हो जाती है और उसके लिए दवा की जरूरत नहीं होती। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह भी सलाह दी गई कि वे निगरानी को और मज़बूत करें।

देश के ड्रग कंट्रोलर डॉ राजीव सिंह रघुवंशी ने कहा कि हर बच्चे की मौत के लिए कफ सिरप ज़िम्मेदार नहीं। हालाँकि राजस्थान में चार में से दो और मध्य प्रदेश में लगभग 10 बच्चों की मौत कफ सिरप में मौजूद घातक रसायन की वजह से हुई।

तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि जांच के दौरान कफ सिरप निर्माता फैक्ट्री में कई तरह की अनदेखी पाई गई। बाजार में बैंच भेजने से पहले होने वाली जांच तक नहीं की गई। शेड्यूल एम को लेकर भी नियमों की ख़ामियां पाई गईं।

दिवाली व छठ पर 1,800 अतिरिक्त उड़ानों की तैयारी

नयी दिल्ली, 05 अक्टूबर। इस साल दीपावली और छठ पर विमान सेवा कंपनियां लगभग 1,800 अतिरिक्त उड़ानों का परिचालन करेंगी।

इंडिगो 42 मार्गों पर 730 और एयर इंडिया तथा एयर इंडिया समूह 20 मार्गों पर 786 अतिरिक्त उड़ानों का परिचालन करेगी। स्पाइसजेट 38 मार्गों पर 546 अतिरिक्त उड़ान भरेगी।

- **विमान कंपनियों ने नागर विमानन महानिदेशालय को जानकारी दी।**

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को बताया कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के साथ एक बैठक के बाद विमान सेवा कम्पनियों ने यह जानकारी दी है। अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य त्योहारों के दौरान किराये को नियंत्रित रखने के उपाय ढूँढ़ना था। मंत्रालय ने डीजीसीए को हवाई किरायों पर नजर रखने, विशेष रूप से त्योहारों के दौरान, तथा कीमतों में वृद्धि होने पर उचित कदम उठाने का अधिकार दिया है। मंत्रालय ने बताया कि डीजीसीए त्योहारों के दौरान यात्रियों के हितों की रक्षा के लिए एयरलाइन किराए और उड़ान क्षमताओं पर कड़ी निगरानी रखेगा।

एंड्रॉयड चार्जर से पहलगाम हमले का मददगार पकड़ा गया

जम्मू-कश्मीर, 05 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा पिछले महीने गिरफ्तार किए गए मोहम्मद यूसुफ कटारी ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों से चार बार मुलाकात की थी और उन्हें एक 'एंड्रॉइड' फोन का चार्जर दिया था तथा इसी एक महत्वपूर्ण सबूत के आधार पर वह पकड़ा गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कटारी को पहलगाम में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले सुलेमान उर्फ आसिफ, जिबरान और हमजा अफगानी को महत्वपूर्ण रसद सहायता प्रदान करने के आरोप में सितंबर के अंतिम सप्ताह में गिरफ्तार किया गया था।

- **मददगार यूसुफ कटारी पहलगाम के तीन आतंकवादियों से पहाड़ियों में 4 बार मिला था।**

अधिकारियों के अनुसार, कटारी (26) ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह श्रीनगर शहर के बाहर जबरवान पहाड़ियों में इन तीनों लोगों से चार बार मिला था। कई सप्ताह की जांच के बाद उसकी गिरफ्तारी हुई। यह सफलता 'ऑपरेशन महादेव' के स्थल से प्राप्त सामग्री के गहन फॉरेंसिक विश्लेषण के बाद मिली।

'ऑपरेशन महादेव' जुलाई में शुरू किया गया आतंकवाद-रोधी अभियान था। इस अभियान के दौरान पहलगाम नरसंहार में शामिल तीन आतंकवादियों को श्रीनगर के बाहरी इलाके में जबरवान रेंज की तलहटी में ढेर कर दिया गया था। पुलिस ने 'एंड्रॉयड' मोबाइल फोन के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए चार्जर की पड़ताल के बाद कटारी को जांच के दायरे में लिया। यह चार्जर ऑपरेशन के दौरान बरामद कई वस्तुओं में से एक था। श्रीनगर पुलिस ने आखिरकार चार्जर के असली मालिक का पता लगाया और उसने फोन को एक डीलर को बेचने की पुष्टि की। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस कटारी तक पहुंच गई। अधिकारियों ने बताया कि कटारी कथित तौर पर खानाबदोश छात्रों को पढ़ाता था और वह आतंकवादी समूह के लिए एक प्रमुख संसाधन था। माना जाता है कि उसने हमलावरों को चार्जर मुहैया कराने और दुर्गम इलाकों में उनका मार्गदर्शन करने जैसी मदद की।

आप पार्टी ने उद्योगपति को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया

चंडीगढ़ , 05 अक्टूबर। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक बड़ी घोषणा की है। पार्टी ने उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को पंजाब में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। यह उपचुनाव 24 अक्टूबर को होगा। दरअसल यह सीट आप नेता संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। अरोड़ा ने पंजाब विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद उच्च सदन से इस्तीफा दे दिया था। अरोड़ा का राज्यसभा सदस्य के तौर पर कार्यकाल नौ अप्रैल, 2028 को समाप्त होना था। वर्तमान में मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब कैबिनेट में वह मंत्री के रूप में कार्यरत हैं।

- **पंजाब में राज्यसभा की एक सीट के लिए उपचुनाव 24 अक्टूबर को होंगे।**

आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को एक बयान में कहा कि राजनीतिक मामलों की समिति पंजाब विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा राज्यसभा के चुनाव के लिए राजिंदर गुप्ता को उम्मीदवार के रूप में नामित करने की घोषणा करती है। ट्राइडेंट समूह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दार्जिलिंग व सिक्किम में भारी वर्षा से तबाही

दूदिया आयरन ब्रिज ढहा, सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग हाईवे बंद हुआ

दार्जिलिंग, 05 अक्टूबर। उत्तर बंगाल और सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग जिलों में पुल टूटने, भूस्खलन और बाढ़ से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि कई लोग लापता हैं। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। इस मूसलाधार बारिश से सबसे ज्यादा नुकसान दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और सिक्किम में हुआ है। बारिश के चलते मिरिक और सुकिया इलाके में कई जगह भूस्खलन हुआ है। दार्जिलिंग जिले के मिरिक में लैंडस्लाइड से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। सड़कों पर कई जगह मलबा जम गया है और यातायात पूरी तरह बाधित है। सिक्किम से संपर्क टूट गया है।

- **अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोग लापता हैं। लगातार बारिश व फिसलन भरी सड़कों के कारण राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है।**

जिले के कस्बों और पर्यटन स्थलों मिरिक और कुर्सेओंग को जोड़ने वाला दुदिया आयरन ब्रिज भी भरभराकर ढह गया है। भारी बारिश की वजह से फिलहाल सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग स्टेट हाईवे-12 पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन दलों ने राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन लगातार बारिश और फिसलन भरी सड़कों के कारण राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है। प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी रास्तों और नदी किनारों से दूर रहने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पिछले 12 घंटों से हो रही लगातार तेज बारिश ने पूरे राज्य में तबाही मचा दी है। इस भारी बारिश की वजह से कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग अभी भी लापता हैं। वे सोमवार को उत्तर बंगाल दौरे पर आएंगी। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ने दार्जिलिंग आपदा पर गहरा दुख जताया है। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा दार्जिलिंग-सिलीगुड़ी रोड पर हुआ, जो पूर्वोत्तर राज्यों और उत्तर बंगाल को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। पुल ढ हने का कारण बेहद तीव्र बारिश और पहाड़ी ढ लानों में मिट्टी खिसकना बताया जा रहा है। कुछ हिस्से में सड़क धंसने और मिट्टी के मलबे ने मार्ग को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया है।

भारी बारिश के कारण बालासन नदी पर दूधिया स्थित लोहे का पुल बह गया, जिससे सिलीगुड़ी और मिरिक का संपर्क टूट गया। पुल के ध्वस्त होने से वाहन आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय लोग दहशत में हैं। पुलिस मौके पर हालात पर नजर बनाए हुए है। नेशनल हाईवे 717ई पर पेडोंग और रिशिखोला के बीच भूस्खलन से सिलीगुड़ी और सिक्किम को जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग बंद हो गया हैय इसके अलावा हुसैन खोला और एनएच-110 (कर्सियांग के पास) में भी भूस्खलन की खबर है। लगातार बारिश के कारण सड़क से मलबा हटाने का काम बेहद मुश्किल हो रहा है।

कप सिरप से बच्चों की मौत के खिलाफ भोपाल में प्रदर्शन

भोपाल, 5 अक्टूबर। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में जहरीली कफ सिरप से मासूम बच्चों की दर्दनाक मौतों के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस ने राजधानी भोपाल में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी के नेतृत्व में कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर हाथों में कफ सिरप की बोतलों के पोस्टर और उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग लिखी तख्तियां लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने 12 बच्चों के खिलौनों को बीजेपी के गमछे से फांसी पर लटकाकर प्रतीकात्मक रूप से सरकार की संवेदनहीनता और प्रशासनिक विफलता को उजागर किया।

- **एनएसयूआई ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला का इस्तीफा मांगा।**

कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि सरकार और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही इस हादसे की मुख्य वजह है। उन्होंने कहा कि, सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नामांकन से पहले तक आपत्ति कर सकते हैं'

पटना, 05 सितंबर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट किया है कि नामांकन की अंतिम तारीख से 10 दिन पहले तक पात्र मतदाता अपने नाम जोड़ने या गलत नाम हटवाने के लिये दावा या आपत्ति दर्ज कर सकते हैं।

पटना में दो दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और आम मतदाताओं से अपील की है कि वे इस अवसर का उपयोग करें।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार ने कहा कि अगर किसी योग्य मतदाता का नाम छूट गया है या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में है तो संबंधित व्यक्ति या राजनीतिक दल निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) के समक्ष दावा या आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि, 'नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले तक सूची में संशोधन संभव है। एक बार नामांकन समाप्त हो जाने के बाद से लेकर चुनाव खत्म होने तक मतदाता सूची स्थिर (फ्रीज) कर दी जाती है।'

- **मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने समीक्षा के बाद बिहार में घोषणा की।**

मुख्य निर्वाचन आयुक्त कुमार ने जानकारी दी कि एक सितंबर को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी। उस दौरान ज्यादा दावे या आपत्तियां नहीं आईं, लेकिन कई लोगों ने अपने नाम कटवाने की अर्जी जरूर दी थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया पूर्णत: पारदर्शी थी और सभी को अपनी आपत्तियां दर्ज करने की स्वतंत्रता दी गई थी।

'पीओके हमारे घर का कमरा है, उसे वापस लेना ही होगा'

भागवत ने कहा, पीओके केवल भौगोलिक नहीं, भावनात्मक मुद्दा भी है

सतना, 05 अक्टूबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत के घर का एक कमला बताया, जिस पर अजनबी लोग कब्जा कर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि यह कमरा भारत का हिस्सा है और इसे एक दिन वापस लेना ही होगा।

मध्यप्रदेश के सतना में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, ''पूरा भारत एक घर है। लेकिन हमार घर का एक कमरा, जहां हमारी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे थे उसे किसी ने कब्जा लिया है। एक दिन हमें उसे वापस लेना ही होगा।''

कार्यक्रम में मौजूद सिंधी समाज के लोगों का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा, ''बहुत से सिंधी भाई बैठे हैं, मुझे बहुत खुशी है। वे पाकिस्तान नहीं गए थे, बल्कि अखंड भारत में ही थे। हालात ने हमें यहां लाकर बैठा दिया, वरना हमारा वह घर और यह घर अलग नहीं है।''

- **आरएसएस के प्रमुख भागवत ने कहा कि एक चतुर अंग्रेज ने हमारे हाथ से आध्यात्मिकता का दर्पण छीन कर भौतिकवाद का टूटा हुआ दर्पण थमा दिया। तब से हम खुद को अलग-अलग मानने लगे और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने लगे।**

उन्होंने कहा कि पीओके हमारे ही घर का हिस्सा है जो अब पराए लोगों के कब्जे में है और यह भारत के लिए सिर्फ एक भौगोलिक नहीं, बल्कि भावनात्मक मुद्दा भी है। भागवत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पीओके में पाकिस्तान शासन के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं।

इस अवसर पर उन्होंने अखंड भारत की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा, ''जो लोग अपना घर और मकान वहां छोड़कर आए हैं, कल वापस लेकर फिर से डेरा डालना है। आज हम लोगों की स्थिति ऐसी है कि हम एक टूटा हुआ आईना देखकर अपने आपको अलग मान रहे हैं। एकता चाहिए... झगड़ा क्यों है? चाहे हम अपने आप को किसी भी भाषा या संप्रदाय का कहें लेकिन यह सत्य है कि हम सब एक हैं। हम सब लोग हिन्दू हैं।'' भागवत ने कहा कि एक चतुर अंग्रेज यहां आया, हमसे लड़ाई की, हमें हराकर हम पर राज किया। उन्होंने कहा, ''उसने हमारे हाथ से आध्यात्मिकता का दर्पण छीन लिया और उसकी जगह भौतिकवाद का टूटा हुआ दर्पण थमा दिया। तब से हम खुद को अलग-अलग मानने लगे और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने लगे।

उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि बंटवारे के समय सिंधी समुदाय के लोग पाकिस्तान नहीं गए, बल्कि वे अविभाजित भारत आए। भागवत ने कहा कि नयी पीढ़ी को इस दिशा में विचार करना चाहिए। संघ प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भीषण हिंसा हुई, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई।

पीओके में पिछले तीन दिनों में 10 लोगों की मौत हो चुकी है और 100 से अधिक घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा हिंसा धीरकोट में हुई, जहां चार प्रदर्शनकारियों को गोली मार दी गई। अन्य मौतें मुजफ्फराबाद, दादयाल (मीरपुर) और चमयाती (कोहाला) में दर्ज हुईं।

पीओके के लोग आर्थिक राहत और राजनीतिक सुधारों की मांग कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे पाकिस्तान का झूठ बेनकाब हुआ है, जो 1947 से यह दावा करता रहा है कि पीओके के लोग भारत के खिलाफ हैं।

चक्रवाती तूफान के कारण मछुआरे समुद्र में नहीं जायें

नयी दिल्ली, 05 अक्टूबर। उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य अरब सागर में बना भीषण चक्रवाती तूफान ''शक्ति'' पिछले छह घंटों के दौरान आठ किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी।

- **मौसम विभाग ने सौराष्ट्र-कच्छ व निकटवर्ती समुद्री क्षेत्र में 6-7 अक्टूबर के लिए चेतावनी दी।**

मौसम विभाग ने कहा है कि तूफान ''शक्ति'' के मद्देनजर छह अक्टूबर तक पूर्वोत्तर अरब सागर तथा सौराष्ट्र और कच्छ के तटों पर 35 से 45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की गति से हवायें चलने की संभावना है। इसके साथ ही समंदर की स्थिति छह अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व अरब सागर और सौराष्ट्र और कच्छ के तटों पर बहुत उग्र रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि इस दौरान उत्तर-पश्चिम एवं इससे सटे पश्चिम-मध्य अरब सागर के ऊपर 105 से 115 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवायें चल रही है, जो 125 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक बढ़ जायेगी। मौसम विभाग ने मछुआरों को चेतावनी देते हुए कहा कि छह अक्टूबर तक उत्तर-पूर्वी अरब सागर एवं सौराष्ट्र-कच्छ तटों के साथ एवं निकटवर्ती समुद्री क्षेत्रों में और सात अक्टूबर तक पश्चिम-मध्य एवं उत्तर-पश्चिम अरब सागर में समुद्र में नाव लेकर नहीं जायें।

विचार बिन्दु

शासन के समर्थक को जनता पसंद नहीं करती और जनता के पक्षपाती को शासन। इन दोनो का प्रिय कार्यकर्ता दुर्लभ है। –पंचतंत्र

तबादलों का यथार्थ!

सितंबर 2025 में राजस्थान सरकार के माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने एक आदेश ज़ारी करके राज्य के 4527 प्रधानाचार्यों के तबादले कर दिए। निदेशालय इससे एक माह पहले 500 प्रधानाचार्यों के तबादले और कर चुका था। इस तरह एक माह की अवधि में लगभग पांच हज़ार प्रधानाचार्यों को इधर से उधर कर देने का कीर्तिमान सरकार ने कायम किया। निश्चय ही इस सूची में कुछ प्रधानाचार्य ऐसे होंगे जिन्होंने ख़ुद अपना तबादला चाहा होगा, लेकिन विभिन्न समाचार माध्यमों में हुई चर्चाओं को प्रामाणिक मानें तो अधिकांश प्रधानाचार्यों को उनकी इच्छा के विरुद्ध इधर से उधर किया गया है। विभिन्न आलोचनाओं के जवाब में सरकार ने हमेशा की तरह इन तबादलों का आधार प्रशासनिक बता कर अपना दायित्व पूरा कर लिया है।

सरकारी प्रक्रिया से जो परिचित हैं वे जानते हैं कि सरकार जब किसी का तबादला करती है तो उसे योगकाल (जॉइनिंग टाइम), असुविधा भत्ता और यात्रा व्यय देना होता है। परिवार के यात्रा व्यय के अतिरिक्त घर गृहस्थी का सामान ले जाने के लिए भी खर्चा दिया जाता है। अगर बहुत मोटा अनुमान लगाएं तो एक तबादले पर सरकार को औसतन एक लाख रुपया खर्च करना होता है। गणना आप कर लें कि पांच हज़ार तबादलों पर सरकार को कितना खर्च करना पड़ा होगा। कहना अनावश्यक है कि यह पैसा अंततः आम नागरिक की जेब से गया है।

मैं सोचना चाहता हूं कि ऐसी कौन-सी प्रशासनिक वजहें होंगी जिनके कारण पांच हज़ार प्रधानाचार्यों को इधर से उधर किया गया है। सामान्यतः सरकार में माना जाता है कि एक व्यक्ति को एक ही जगह लम्बे समय तक जमे नहीं रहने देना चाहिए, क्योंकि दीर्घ अवधि में वहां उसके ऐसे रिश्ते बन जाते हैं जो प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में बाधक होते हैं। यह बात प्रशासनिक पदों के लिए जितनी सही है शैक्षिक पदों के लिए उतनी सही नहीं है। फिर भी अगर मान लें कि यह बात सब पर लागू होती है तो एक व्यवस्था ऐसी बनाई जा सकती है कि कोई भी व्यक्ति एक ही स्थान पर इतने समय से अधिक पदस्थापित न रहे। इतने समय, मान लीजिए तीन या चार बरस। इसके अलावा, अगर किसी का कार्य संतोषप्रद न हो तो उसे समय से पहले हटाकर अन्यत्र भेज दिया जाए। वैसे सवाल यह भी है कि एक व्यक्ति अगर एक स्थान पर ठीक से काम नहीं कर रहा है तो क्यों और कैसे वह दूसरे स्थान पर ठीक काम कर लेगा। उसको दंड देकर किसी नई जगह पर भेज कर उसके काम से प्रभावित होने वालों को दंड देना कहां का न्याय है? तबादले को दंड के रूप में प्रयुक्त करना किसी भी तर्क से उचित नहीं है। फिर, एक श्रेणी ऐसे कर्मचारियों की भी हो सकती है जो किसी ख़ास जगह पर पदस्थापित रहने में असुविधा महसूस कर रहे हैं और चाहते हैं कि उन्हें उनकी इच्छित जगह पर भेज दिया जाए। निश्चय ही सरकार को ऐसे लोगों की पुकार सुननी चाहिए। अगर कर्मचारी संतुष्ट होगा तो वह अपना कर्तव्य निर्वहन अधिक अच्छी तरह से करेगा। लेकिन यह भी देखा जाना चाहिए कि वह जहां जाना चाह रहा है वहां उसके लिए स्थान रिक्त है या नहीं। यह तो ग़लत होगा कि उसे सुविधा देने के लिए किसी और को वहां से उठाकर कहीं और पटक दिया जाए।

अब तक मैं तबादलों पर प्रशासनिक दृष्टि से बात कर रहा हूं। यह तस्वीर का एक पहलू है। तस्वीर का दूसरा पहलू राजनीतिक है। अब यह कोई रहस्य नहीं है कि हमारे राज्य में सारे के सारे तबादले राजनीतिक आधार पर होते हैं। शुरू-शुरू में नेता लोग अपनी ज़रूरत भर के तबादले ख़ुद करते थे, शेष तबादले प्रशासनिक अमला अपने मानदंडों के आधार पर कर लिया करता था। आहिस्ता-आहिस्ता तबादलों का पूरा अधिकार नौकरशाही के हाथों से फिसल कर नेताओं के हाथों में आ गया है। और वे जैसा चाहते हैं, नौकरशाही वैसा करके, अपना चेहरा बचाने के लिए प्रशासनिक कारणों की ओट लेती है। ये प्रशासनिक कारण अमूर्त होते हैं। कोई तबादला नीति बनाई ही नहीं जाती है। और अगर कहीं थोड़ी बहुत होती भी है तो उसे निष्प्रभावी करने के लिए अनेक गलियां निकाल ली जाती हैं। आजकल साल में साढ़े ग्यारह महीने तबादलों पर बैन रहता है लेकिन पतली गली से उस अवधि में भी तबादले हो जाते हैं। तबादले न हों तो प्रतिनियुक्ति हो जाती है। जो समर्थ हैं वे अपनी पूरी ज़िंदगी प्रतिनियुक्ति पर ही गुज़ार लेते हैं। मुझे अपने विभाग की जानकारी है जहां कुछेक महापुरुषों ने बिना एक भी दिन किसी कॉलेज में पढ़ाए अपनी नौकरी ससम्मानप्रतिनियुक्ति पर ही पूरी कर ली। यह परंपरा अब भी ज़ारी है। अभी ही मेरे विभाग के कुछ लोगों को लेकर एक ख़बर अखबारों में थी।

> **अब किसी को इस बात की परवाह नहीं है कि सरकारी काम ढंग से हो रहा है या नहीं। इस बात की तो ख़ैर परवाह छोड़ ही दीजिए कि लोक सेवक की किसी सुविधा असुविधा की किसी को परवाह है या नहीं। साल में साढ़े ग्यारह माह तबादलों पर प्रतिबंध और जब यह प्रतिबंध हटे तब भी इस बात की कोई आश्वस्ति नहीं कि आपकी बात सुन ली जाएगी। होगा वही जो मंज़ूरे ख़ुदा यानी मंज़ूरे नेता होगा।**

असल में कर्मचारी चाहता है कि वह अपने मनपसंद स्थान पर पदस्थापित रहे। मनपसंद स्थान उसका गृह स्थान हो सकता है, कोई बड़ा और सुविधाजनक शहर हो सकता है या कोई ऐसा पद हो सकता है जिसे आम बोलचाल की भाषा में मलाईदार पद कहा जाता है। कुछ लोग वास्तव में अपने या अपने किसी परिजन के स्वास्थ्य विषयक कारणों से भी किसी ख़ास जगह पदस्थापित रहना चाहते हैं। इस सुविधा की आड़ में लोग अनावश्यक सुविधाएं जुटाने से भी नहीं चूकते हैं। मुझे एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी है जो कैंसर से पीड़ित था और इसलिए उसने किसी कॉलेज में पढ़ाने की बजाय स्वयं को जयपुर में कार्यालय में पदस्थापित करवा रखा था। यहां तक तो ठीक है। लेकिन क्योंकि कार्यालय में ग्रीष्मावकाश नहीं होता है, जैसे ही गर्मी की छुट्टियां होने को होती, वह स्वयं को किसी कॉलेज में पदस्थापित करवा लेता, दो माह के ग्रीष्मावकाश का लाभ लेता और जैसे ही छुट्टियां ख़त्म होने को होती, फिर से कार्यालय में आ जाता। जब उसकी इस चालाकी पर रोक लगाने का प्रयास हुआ तो उसके चाहने वालों ने मानवीयता की दुहाई देना शुरु कर दिया। ऐसे अनगिनत उदाहरण मिल जाएंगे। यह सब प्रशासनिक की बजाय राजनीतिक आधार पर होने लगा है। और राजनीति नियमों और व्यवस्थाओं की बजाय वफ़ादारी की परवाह करती है। अगर आप हमारे हैं तो आप जो चाहें वह ले लीजिए, और अगर आप हमारे नहीं हैं तो फिर भुगतिये! यह खेल पूरे राज्य में, और शायद अन्य राज्यों में भी चल रहा है।

अब किसी को इस बात की परवाह नहीं है कि सरकारी काम ढंग से हो रहा है या नहीं। इस बात की तो ख़ैर परवाह छोड़ ही दीजिए कि लोक सेवक की किसी सुविधा असुविधा की किसी को परवाह है या नहीं। साल में साढ़े ग्यारह माह तबादलों पर प्रतिबंध और जब यह प्रतिबंध हटे तब भी इस बात की कोई आश्वस्ति नहीं कि आपकी बात सुन ली जाएगी। होगा वही जो मंज़ूरे ख़ुदा यानी मंज़ूरे नेता होगा। कोई कर्मचारी अगर चाहे कि सीधे सरल तरीके से उसकी बात सुन ली जाएगी और उसे वांछित राहत मिल जाएगी, तो उसे निराश ही होना पड़ेगा। मुझे अपने सेवा काल का एक प्रकरण भुलाए नहीं भूलता है। एक महिला यह गुज़ारिश लेकर आई थी कि उसका तबादला उसके वर्तमान पदस्थापन स्थान से अन्यत्र कहीं भी कर दिया जाए, क्योंकि वह अपने ससुराल वालों से बहुत त्रस्त थी। अब यह कोई नामुमकिन मांग नहीं थी। अगर सरकार संवेदनशील होती तो उसकी बात सुन लेती। क्या हुआ यह बताने की ज़रूरत नहीं है। अगर में ही जवाब छिपा हुआ है। एक तरफ ऐसी असंवेदनशीलता और दूसरी तरफ एक ही झटके में पांच हज़ार प्रधानाचार्यों के तबादले। किसी को न तो सरकारी खर्च की परवाह और न इस बात की कि पूरे राज्य के शिक्षा तंत्र पर इस तुग़लकी फ़रमान का क्या असर पड़ेगा। जिन लोगों को अनावश्यक रूप से अनचाही जगहों पर फेंका गया है क्या वे मन लगाकर अपना काम करेंगे? लेकिन काम की और व्यय भार की परवाह है ही किसको? अपना राजनीतिक वर्चस्वप्रदर्शित करना है सो कर दिया!

हमारे राजनेताओं ने अपने स्वार्थों के लिए पूरे के पूरे प्रशासनिक तंत्र को लुंज पुंज करके रख दिया है। कर्मचारी त्रस्त हों, उनकी बला से। काम ठप्प हो जाए, उनकी बला से। बस, उनका इक़बाल बुलंद रहे! यह सरकार जाएगी, किसी अन्य दल की सरकार आएगी, वह भी ऐसा ही करेगी। आखिर यह सरकार भी तो पिछली सरकारों के बताए मार्ग पर चल रही है! कुछ कर्मचारी थाली के बैंगन की तरह लुढ़क कर इधर से उधर चले जाएंगे। जो ऐसा नहीं कर पाएंगे, रोते रहेंगे!

–अतिथि संपादक,
दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

झूट फरेब पर सत्य, अधर्म पर धर्म एवं अहंकार पर करुणा की विजय का पर्व दशहरा

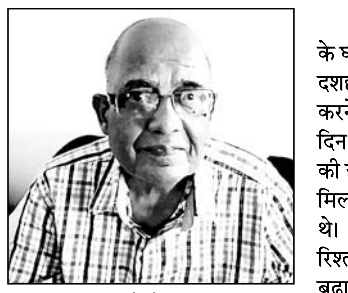

डॉ. जे.के. गर्ग

रावण समस्त वेदों एवं वेदान्त का ज्ञाता और अत्याधिक बलशाली सम्राट सोने की लंका का स्वामी था। रावण क्रोधी और अहंकारी शासक होते हुए भी महान महान शिव भक्त था जिसे देवों के देव महादेव ने अनेको वरदान दिए थे। रावण खुद को भगवान विष्णु का दुश्मन मानता था। रावण के पिता विश्रवा ऋषी थे एवं माता राक्षस कुल की थी, इसलिए रावण में एक ब्राह्मण के समान ज्ञान एवं राक्षस के समान अपार शक्ति थी जिसे प्राप्त कर रावण के अंदर अहंकार कूट कूट कर भरा हुआ था। रावण के विधर्मी कृत्यों और अत्याचारों को नष्ट करने के लिए भगवान विष्णु मर्यादा पुरुषोत्तम राम के रूप में अवतरित हुए। दशहरा का दूसरा मतलब भगवान राम के द्वारा रावण के दसों सिर जो दस पापों और दस तामसी आदतों के सूचक हैं यानि काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी इन सभी को समूल नष्ट करने का पर्व है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत की ख़ुशी में मनाया जाने वाला पर्व हैं। दशहरा असत्य पर सत्य अधर्म पर धर्म एवं अहंकार पर करुणा की विजय की जीत की जश्न के रूप में मनाया जाने वाला त्यौहार हैं।

किसानो के लिए यह नयी फसलों के घर आने का जश्न हैं उनके लिये यह दशहरा परिश्रम से प्राप्त नई फसल प्राप्त करने का पर्व है। पुरातन काल में इस दिन औजारों एवम हथियारों की पूजा की जाती थी, क्यूंकि वे दशहरा युद्ध में मिली जीत के जश्न के तौर पर देखते थे। वास्तव में विजयादशमी आपसी रिश्तो को मजबूत करने एवम भाईचारा बढ़ाने के लिए होता हैं, जिसमे मनुष्य अपने मन में भरे घृणा एवम बैर के मेल को साफ़ करने का संकल्प लेता हैं।

राम ने आश्विन शुक्ल दशमी के दिन रावण को पराजित करके उसका का वध किया था इसलिए प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल को विजयादशमी के रूप सनातन धर्मी मनाते हैं। विजयदशमी को हम अन्याय पर न्याय की विजय सौहार्द की अहंकार की पराजय दिन के रूप में मनाते है। ध्यान रखें कि विजयदशमी मात्र इस बात का प्रतीक नहीं है कि अन्याय पर न्याय अथवा बुराई पर अच्छाई की विजय हुई थी किन्तु वास्तविकता में विजया दशमी का दिन हमें बुराई में भी अच्छाई ढूँढने का अवसर है। रावण वध के बाद स्वयं भगवान राम ने अपने छोटे भाई लक्ष्मण को रावण के पास जाकर रावण से राजनीति सीखने और गूढ़ ज्ञान प्राप्त करने का आदेश दिया था। रावण ने लक्ष्मणजी को तीन सीख दी पहली शत्रु को कभी छोटा नहीं समझना चाहिए दुसरी शुभ कार्य जितनी हो जल्दी कर देना चाहिये तीसरा अपने जीवन का कोई राज किसी को भी नहीं बतलाना चाहिये रावण ने लक्ष्मणजी को कहा कि यहां भी मैं चूक गया क्योंकि विभीषण मेरी मृत्यु का राज जानता था, ये मेरे जीवन की सबसे बड़ी गलती थी।

आईये आज हम सभी विजयादशमी को मनाये तामसी प्रवत्तियो पर सात्विक प्रव्रत्तियों के विजय दिवस के रूप में (जीवन में काम, क्रोध, लोभ, मद मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी को त्याग कर स्नेह प्रेम और विनम्रता अपनाने के पर्व के रूप में मनायें। सच्चाई तो यही है कि रावण की राम के हाथों पराजय उसके अहंकार के कारण ही हुयी थी। तुलसीदासजी भी रावण के अहंकार को उसकी पराजय और म्रत्यु का मुख्य कारण बताते है। अहंकार ने ही रावण को जनमानस की नजरों में पराजित योद्धा और बुराईयों का प्रतीक बना दिया है। रावण-कुंभकर्ण-मेघनाद के पुतलों को जलाते वक्त कुछ ही क्षणों के लिये हमारे मन में भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपना कर सभी प्रकार दुष्कर्मों एवं तामसिक प्रव्रत्तियों यानी काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा एवं चोरी को त्यागने का विचार आता है, किन्तु हमारा यह विचार श्मशानी वैराग्य की तरह ही क्षणिक होता है क्योंकि कुछ ही समय बाद हम सभी अपने सांसारिकता के प्रपंचों में तल्लीन हो कर तामसिक प्रवृत्तियों के चंगुल में फंस जाते हैं। काश अगर हम हम इस सात्विक सोच को हमेशा के लिए अमली जामा पहना पाते तो हमारा जीवन एक अलग ही किस्म का बन जाता और हमारे समाज में झूठ, फरेब, धोखाधडी, लूट, चोरी-चकारी, हिंसा, मारपीट, अपहरण-बलात्कार की भयावह घटनायें घटित ही नहीं हो।

जरा सोचिये और चिंतन मनन कीजिये कि क्या ऐसा हो रहा है? अगर नहीं तो रावण-कुंभकर्ण-मेघनाद के पुतलों को जलाने और भव्य राम लीलाओं को देखने एवं श्री राम की कसमें खाने का क्या औचित्य है? क्यों हम लाखों करोड़ो रूपये पुतले बनाकर उन्हें जलाने में व्यर्थ खर्च करते हैं? क्यों हमारे मन में काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह, आलस्य की जड़ें दिन प्रति दिन मजबूत बनती जा रही है? क्यों हम पर निंदा करने में सबसे आगे रहते हैं? क्यों हमारी बहन- बेटियां अपहरणकर्ताओं के हाथों रोजाना बेइज्जत होती है? क्यों भ्रष्टाचार का विषाणु हममें आत्मसात हो गया है? क्यों हमारी कथनी और कथनी में अंतर बढ़ता ही जा रहा है? क्यों हमारी जुबान पर राम किन्तु बगल में छुरी होती है? क्यों जरा सी सत्ता मिलते ही हम अहंकारी बन जाते हैं? कहते हैं कि देवता वो होते हैं जो कभी भी गलतीयां नहीं करते हैं, वहीं मनुष्य वें होते हैं जो दूसरों की गलतीयों से सीखकर खुद वैसी गलतीयां नहीं करते हैं, वहीं मूढ़ व्यक्ति वो होता है जो बार-बार गलतीयां करता है, उन्हें दोहराता है और अपने को सुधारने का कोई प्रयास भी नहीं करता है।

अतः आज हम सभी अपने सच्चे मन से स्वयं से यह वादा करें कि अपने भारत को प्रगतिशील, उन्नत, सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने हेतु परस्पर स्नेह, सौहार्द, सामंजस्य स्थापित करने हेतु क्रोध, अभिमान, लालच- लोभ, मद, मोह, अहंकार, हिंसा चोरी-डकेती, ईर्ष्या-डाह का परित्याग कर आपस में सद्भावनापूर्ण सम्बन्ध बना कर रहेगें। एक-दूसरे की मदद करेगें। बहन बेटियों के सम्मान की रक्षा करेगें। अगर ऐसा हो पाया तो सही अर्थों में हम श्री राम के आदर्शों को अंगीकार कर विजयदशमी के पर्व को सार्थक बना सकेंगे।

हम सभी को इन तामसिक आदतों के विनाशकारी नतीजों के बारे में आत्ममंथन करना होगा। लोभ-लालच के वशीभूत होकर रावण ने भगवान शिवजी से अपने लिए सोने की लंका मांग ली एवं लंकापति बन स्वयं को सर्वश्रेष्ठ, शक्तिशाली मान अवांछित कार्यों में लिप्त होने लगा। रावण की इर्ष्या-डाह-जलन की प्रव्रत्ति की वजह से उसके हितेषी भी मन ही मन उससे दूरी बनाने लगे। इसी वजह से रावण का सगा भाई विभीषन रावण को छोड़ कर राम का शरणार्थी बन गया। आज भी इर्ष्या-जलन की वजह आदमी बेवजह यह सोचकर दुखी रहता है कि मेरा पड़ोसी, मेरे रिश्तेदार, मेरे दोस्त मुझसे ज्यादा सुखी कैसे और क्यों हैं?

पीठ पीछे किसी की निंदा कर हम अपना ही अहित करते हैं और दूसरों को अपना दुश्मन बनाते है। रावण की परनिंदा की आदत भी उसकी पराजय का कारण बनी। रावण का अभिमान ही उसके पतन का कारण बना। हम हमारे अभिमान-घमंड की वजह से दूसरों के स्वाभिमान को ठेंस पहुंचाते हैं। कहावत है कि घमंडी का सिर हमेशा नीचा ही रहता है। हमने कल के बादशाह को कंगाल बनते हुए देखा है। पवनपुत्र हनुमानजी ने लंकापति रावण के वैभव को देख कर कहा कि अगर रावण में अधर्म अधिक बलवान नहीं होता तो वह देवलोक का भी स्वामी बन जाता।सच्चाई तो यही है कि विजयादशमी का पर्व मनाना तभी सार्थक होगा जब हम अपनी दिनचर्या एवं जीवन में से सभी प्रकार के पापों यानि काम, क्रोध, लोभ, मोह मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा, अधर्म और चोरी को छोड़ने का संकल्प लेकर उसे मूर्त रूप देगें और तभी सही मायनों में राम राज्य स्थापित हो सकेगा। राम राज्य की स्थापना मात्र मंदिरों में माथा टेकने और राम राम के नाम को जपने से नहीं होगा वरन राम के दुवारा स्थापित मानवीय आदर्शों को मूर्त रूप देने से होगा।

–डॉ. जे.के. गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

अल्बानिया का एआई मिनिस्टर भ्रष्टाचार के विरुद्ध डिज़िटल क्रांति की शुरुआत

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

अल्बानिया, बाल्कन प्रायद्वीप का एक छोटा सा देश, जो यूरोपीय संघ में शामिल होने के लिए प्रयासरत है लेकिन सरकारी कामकाज में फैला भ्रष्टाचार इसमें अड़चन बन रहा है, ऐसे में दुनिया को आश्चर्य में डालते हुए 11 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री एडी रामा ने अपनी चौथी सरकार में डिएला नामक एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मंत्री को नियुक्त किया कर दिया। यह अपने आप में दुनिया का पहला ऐसा उदाहरण है। डिएला, जिसका अर्थ अल्बानियाई भाषा में सूर्य या सूर्योदय है, सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया की जिम्मेदारी संभालेगी। इसका उद्देश्य सरकारी टेंडरों में व्याप्त भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करना है। यह कदम अल्बानिया की भ्रष्टाचार-ग्रस्त छवि को सुधारने और ईयू सदस्यता की राह प्रशस्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी प्रयास है। अल्बानिया लंबे समय से भ्रष्टाचार के दलदल में फंसा हुआ है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार, 2024 में देश का भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक सीपीआई स्कोर 37 था, जो वैश्विक औसत से काफी नीचे है। सरकारी टेंडर, ड्रग तस्करी, हथियारों की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मुद्दे यहां आम हैं। ईयू सदस्यता के लिए 2027 तक भ्रष्टाचार नियंत्रण एक प्रमुख शर्त है। प्रधानमंत्री रामा, जो 2013 से सत्ता में हैं, ने कई साहसिक कदम उठाए हैं।लेकिन डिएला का आगमन उन सबसे कहीं आगे है। प्रधानमंत्री रामा का मानना है कि डिएला पब्लिक प्रोक्योरमेंट सिस्टम को 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार-मुक्त बना देगी। यह प्रक्रिया तेज, कुशल और पूर्ण रूप से जवाबदेह होगी।

डिएला का सफर जनवरी 2025 से शुरू होता है। अल्बानिया की राष्ट्रीय सूचना सोसाइटी एजेंसी एकेसएचआई ने माइक्रोसॉफ्ट के एज़्योर और ओपनएआई के बड़े भाषा मॉडल्स एलएलएम का उपयोग कर इसे ई-आल्बानिया पोर्टल पर वर्चुअल असिस्टेंट के रूप में लॉन्च किया। प्रारंभिक संस्करण डिएला 1.0 एक टेक्स्ट-आधारित चैटबॉट था, जो नागरिकों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करता था। सितंबर 2025 में अपडेटेड डिएला 2.0 में वॉइस इंटरैक्शन और एक एनिमेटेड अवतार जोड़ा गया, जो पारंपरिक ज़ाद्रिमा परिधान में एक महिला का प्रतिनिधित्व करता है। अल्बानियाई अभिनेत्री अनिला बिशा ने इसका चेहरा और आवाज प्रदान की है, जो दिसंबर 2025 तक वैध है। डिएला ने अब तक 36,000 से अधिक दस्तावेज जारी किए और लगभग 1,000 सेवाएं प्रदान की, जिससे 9,72,000 से अधिक अनुरोधों का निपटारा हुआ।

मंत्री के रूप में डिएला की भूमिका सार्वजनिक खरीद को पारदर्शी बनाने पर केंद्रित है। पारंपरिक प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप और पक्षपात आम है, जहां टेंडर राजनीतिक अभिजात वर्ग के हाथों में रहते हैं। डिएला एआई का उपयोग कर बोली लगाने वाली कंपनियों के मानदंडों की जांच करेगी, डेटा विश्लेषण से अनियमितताओं का पता लगाएगी और निर्णय प्रक्रिया को स्वचालित करेगी। रामा के अनुसार, यह मॉडल चैटजीपीटी और जेमिनी जैसे एलएलएम पर आधारित है, लेकिन सार्वजनिक खरीद के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया। डिएला ने 18 सितंबर 2025 को अल्बानियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा, "मैं लोगों को बदलने के लिए यहां नहीं हूं, बल्कि उनकी सहायता के लिए हूं।" भाषण में डिएला ने भरोसा दिलाया कि वह कर्तव्य, जवाबदेही, पारदर्शिता और गैर-भेदभावपूर्ण सेवा के लिए संकल्पित है और उसका कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या हित भी नहीं हैं। यह नियुक्ति अल्बानिया की व्यापक डिजिटल रणनीति का हिस्सा है। 2024 में, देश ने एआई का उपयोग कर 2.5 लाख से अधिक ईयू दस्तावेजों और कानूनों का अनुवाद किया। वहां पर ड्रोन और सैटेलाइट्स के माध्यम से क्षेत्रीय निगरानी भी एआई पर निर्भर है। रामा ने ओपनएआई की पूर्व सीटीओ मिरा मुर्ति जो स्वयं अल्बानियाई मूल की हैं से भी परामर्श लिया है। वैश्विक भ्रष्टाचार विरोधी विशेषज्ञ डॉ. आंदी होक्सहाज का मानना है कि एआई बोली शर्तों की स्पष्ट जांच से भ्रष्टाचार कम कर सकता है। इससे अल्बानिया लीपफ्रॉग रणनीति अपना सकता है, जहां यह विकसित देशों को पीछे छोड़ते हुए सीधे उन्नत तकनीक पर पहुंच सकता है।

हालांकि, यह कदम विवादों से घिरा है। अल्बानियाई विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता गजमेंट बर्धी ने इसे 'प्रोपगैंडा फैंटेसी' और "सरकारी चोरी छिपाने का वर्चुअल पर्दा" बताया। नैतिक आलोचक कहते हैं कि एआई भ्रष्टाचार का समाधान नहीं है, क्योंकि इसका निर्णय डेटा पर निर्भर करता है, जो मानवीय पूर्वाग्रहों से प्रभावित हो सकता है। हालांकि संवैधानिक बाध्यताओं की बात करें तो एक कैबिनेट मंत्री को एक निश्चित न्यूनतम आयु का मानसिक रूप से सक्षम नागरिक होना चाहिए, जो डिएला पूरी नहीं करती। वहीं जवाबदेही की कमी, प्रक्रिया में हस्तक्षेप और साइबर सुरक्षा जोखिम प्रमुख खतरे हैं। मानव संकटों में एआई स्वामित्व नहीं ले सकता, और तकनीक के आधिपत्य से लोकतांत्रिक बहस की गुंजाइश भी कम हो जाती है। वैश्विक संदर्भ में, डिएला अद्वितीय है। यूके में हम्फ्री और फ्रांस में अल्बर्ट जैसे डिजिटल असिस्टेंट हैं लेकिन निर्णय लेने की शक्ति एआई को सौंपना अभूतपूर्व है।

मानव बनाम मशीन की बहस के बीच अल्बानिया का यह प्रयोग अन्य विकासशील देशों के लिए मॉडल हो सकता है, जहां भ्रष्टाचार शासन का सबसे बड़ा बाधक है। डिएला यदि सफल हुई, तो यह भ्रष्टाचार-मुक्त शासन का प्रतीक बनेगी लेकिन असफलता मानवीय पर्यवेक्षण की अनदेखी का सबक देगी। वैश्विक स्तर पर एआई का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 खत्म होने तक वैश्विक स्तर पर 1.36 अरब से अधिक एआई-सक्षम उपकरण होंगे। लेकिन अंततः, तकनीक मानव मूल्यों की दासी है। अल्बानिया का यह प्रयोग न केवल बाल्कन, बल्कि वैश्विक शासन को नया आयाम दे सकता है।

(लेखक स्वतंत्र चिंतक है)
–डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

अजमेर की सोनिया ने शिक्षा को प्राथमिकता दी, सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह का पंजीयन कराया

भीलवाड़ा, (निसं)। सकल जाट समाज द्वारा राजस्थान मेवाड़ जाट महासभा भीलवाड़ा के तत्वावधान में आयोजित होने वाले तृतीय जाट सामूहिक विवाह सम्मेलन में शिक्षा की जागरूकता का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। अजमेर जिले के ग्राम पांडोलाई निवासी महादेव गढ़वाल की पुत्री सोनिया गढ़वाल ने शादी के ढोंग और दिखावे को त्याग कर, अपने विवाह का पंजीयन कराया है। यह सामूहिक विवाह आगामी एक नवंबर को हरणी महादेव, भीलवाड़ा में आयोजित होगा।

सोनिया ने यह निर्णय अपने गुरुदेव महावीर लामरोड और फूफासा रघुनाथ मांड्या की प्रेरणा से लिया है। सोनिया का मानना है कि सामूहिक विवाह में शादी करने से ढोंग और दिखावे में कमी आएगी, जिससे पिता पर पड़ने वाले लाखों रुपये के अनावश्यक बोझ से मुक्ति मिलेगी।

> ■ **सोनिया ने कहा कि पिता अपनी बेटी की शादी में लाखों रुपए खर्च करते हैं और लोग कमियां निकाल कर चले जाते हैं, इससे बेहतर है कि मैं अपनी शादी का पैसा अपनी शिक्षा पर खर्च करूं और एक शिक्षिका बनकर समाज की बेटियों को शिक्षित व जागरूक करूं**

अपनी प्रेरणा बताते हुए सोनिया ने कहा कि पिता अपनी बेटी की शादी में लाखों रुपए खर्च करते हैं और लोग कमियां निकाल कर चले जाते हैं। इससे बेहतर है कि मैं अपनी शादी का पैसा अपनी शिक्षा पर खर्च करूं और एक शिक्षिका बनकर समाज की बेटियों को शिक्षित व जागरूक करूं। दो जोड़ों का पंजीयन ठीठोड़ी तहसील जहाजपुर व लसाड़िया शाहपुरा में हुआ। सोनिया गढ़वाल ने समाज की सभी शादी योग्य बहनों से भी अपील की है कि वे सामूहिक विवाह में शादी के लिए प्रेरित हों, ताकि सामाज में शिक्षा और सादगी को बढ़ावा मिल सके।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 6 अक्टूबर, 2025

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 4:02 तक, वृद्धि योग हदन 1:13 तक, वणिज करण दिन 12:24 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मीन, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 12:24 से रात्रि 10:51 तक रहेगी। आज चान्द पूर्णिमा व्रत, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्रत, पंचक है। आज कुबेर और लक्ष्मी पूजा (बंगाल में) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:53 तक, शुभ 9:20 से 10:48 तक, चर 1:42 से 5:10 तक, लाभ-अमृत 3:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:25, सूर्यास्त 6:05

मेष
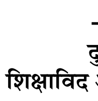
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृष
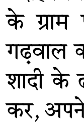
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। चलते व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
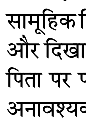
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
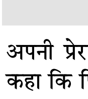
धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह
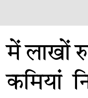
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कन्या
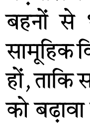
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

वृश्चिक
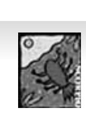
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

धनु
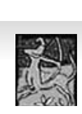
घर-अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। आज व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
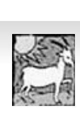
आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ
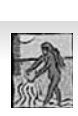
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

राजस्थान में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अलख

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया ए.बी.आर.एस.एम. के 9वें अधिवेशन का उद्घाटन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं, जो अपने ज्ञान और मूल्यों से समाज को दिशा देते हैं। वे रविवार को जयपुर के जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के 9वें अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि महासंघ ने शिक्षा को राष्ट्रीयता और भारतीय दर्शन से जोड़ते हुए युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति और चारित्रिक मूल्यों का विकास किया है। यह संगठन 'राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक, और शिक्षक के हित में समाज' के त्रिसूत्रीय सिद्धांत को साकार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार कर रही है। परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 91 हजार युवाओ को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और पांच वर्षों में 4 लाख युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के 9वें अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

शर्मा ने कहा कि सरकार ने लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए कॉलेजों में पूरी तरह से शुल्क माफ किया है। साथ ही वंचित वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाएं भी दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विदेशी भाषाओं की पढ़ाई के लिए प्रदेश में भाषायी विद्यालय खोले जाएंगे जिससे युवाओं को वैश्विक अवसर मिल सकें। इसके अलावा अब तक 10 लाख 51 हजार साइकिलें और 88 हजार 724 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट्स वितरित किए गए हैं।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि महासंघ से जुड़े शिक्षक देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में देशभर में तीसरे स्थान पर आ गया है और सरकार सरकारी विद्यालयों में निजी स्कूलों से बेहतर शिक्षा देने के लिए लगातार प्रयासरत है।

■ **शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और पारदर्शिता को मिल रही नई दिशा : भजनलाल शर्मा**

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता ने कहा कि संगठन केवल शिक्षक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का अहम स्तंभ बन चुका है। अधिवेशन के दौरान मुख्यमंत्री ने 'शिक्षक-राष्ट्र के लिए' स्मारिका, कैलेंडर और 'शैक्षिक मंथन विकसित भारत-2047' पुस्तिका का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम, शिक्षा जगत के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उठे पत्रकार सुरक्षा और सुविधाओं के मुद्दे

इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की दो दिवसीय बैठक शनिवार को जयपुर में संपन्न हुई।

जयपुर। इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी की दो दिवसीय बैठक शनिवार को जयपुर में संपन्न हुई। दो दिवसीय इस बैठक में देश के 28 राज्यों के वरिष्ठ, युवा और महिला पत्रकारों ने हिस्सा लिया और पत्रकारों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने और रेलवे में पत्रकारों को छूट देने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही, देशभर की यूनियन इकाइयों ने पत्रकारों की पेंशन, अधिस्वीकरण, मजीठिया वेज बोर्ड लागू करने और नियमों को सरलीकरण करने जैसी समस्याओं पर विस्तृत ब्यौरा पेश किया।

राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, कैबिनेट मंत्री झाबर सिंह खर्रा और राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी स्वागत सत्र के विशेष अतिथि रहे। के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी ने यूनियन की राज्यों की इकाइयों के साथ विस्तार से चर्चा की।

राष्ट्रीय महासचिव बलविंदर सिंह जम्मू, पूर्व अध्यक्ष एवं स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य एसएन सिन्हा ने पत्रकारों की समस्याओं और उनके समाधान के सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में ने मैग्जीन नियमित प्रकाशित करने का निर्णय भी लिया, जिसमें सभी राज्यों की इकाइयों द्वारा किए गए कार्य प्रकाशित किए जाएंगे।कार्यक्रम में राजस्थान पत्रकार परिषद के गिरिराज अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष रोहित सोनी, प्रदेश महासचिव रमेश यादव, एलएल शर्मा, पिंकसिटी के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़ और रोशनलाल शर्मा ने सभी अतिथियों और पत्रकारों का स्वागत किया।

नकली दवा के कारण हो रही मौत पर कांग्रेस का विरोध-प्रदर्शन

सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने खाचरियावास के नेतृत्व में निकाला जुलूस

जयपुर। नकली दवा के कारण हो रही मौत के विरोध में र्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ रविवार को अपने निवास स्थान से स्वास्थ्य भवन सचिवालय तक पैदल मार्च निकाला और जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन किया।

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने रविवार को स्वास्थ्य भवन सचिवालय के सामने सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार की नकली दवा बेच रही है जिसको पीने से चार बच्चों की मौत हो गई। राज्य सरकार को भ्रष्टाचार की नकली दवा के कारण हो रही मौत की जांच के लिए न्यायिक आयोग बिठाना चाहिए।

खाचरियावास ने कहा कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्वास्थ्य मंत्री बार-बार बयान बदल रहे हैं। पहले कहा था कंपनी जिम्मेदार है, अधिकारी जिम्मेदार है। अब कह रहे हैं कोई भी जिम्मेदार नहीं है। इन पौने दो वर्षों में भाजपा सरकार में नकली दवा पीने से कितने लोगों की मौत हुई है। वह न्यायिक जांच से ही सामने आ सकता है। नकली दवा से हुई मौत को छुपाने का भाजपा सरकार का कोई भी काम सफल नहीं होने दिया जाएगा। नकली दवा से हुई मौत से पूरे राजस्थान में आक्रोश व्याप्त है। नकली दवा के नाम पर जहर नहीं बांटा जा सकता। खाचरियावास ने कहा कि इस मामले में राज्य सरकार के खिलाफ पूरे राजस्थान में कांग्रेस सड़कों पर संघर्ष करेगी। जयपुर में अगला कदम मुख्यमंत्री निवास के घेराव का होगा। इस मामले में जब तक सरकार अपनी गलती स्वीकार करके दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करेगी और जिन लोगों की मौत हुई। उनको मुआवजा नहीं देगी तब तक कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा।

इस विरोध प्रदर्शन में विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, पूर्व विधायक गंगा देवी तथा विधायक प्रत्याशी रहे पुष्पेंद्र भारद्वाज जयपुर के पार्षद कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष वार्ड अध्यक्ष और बड़ी तादाद में उपस्थित लोगों के साथ पैदल शासन सचिवालय के सामने स्थित स्वास्थ्य भवन पहुंचे और नकली दवा के कारण हो रही मौत के विरोध में प्रदर्शन किया।

स्पीकर पेपर बनाने वाली फैक्ट्री में आग

जयपुर। मालपुरा गेट थाना इलाके में स्थित एक स्पीकर पेपर बनाने वाली फैक्ट्री में रविवार सुबह आग लग गई। आग लगने पर काम कर रहे लोगों ने शोर कर दिया। जिससे पहली और दूसरी मंजिल पर बैठे मजदूर और लोग बाहर निकल गए। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। सूचना पर छह दमकलें मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू किया। जानकारी के अनुसार आग बोर्ड में शॉर्ट सर्किट होने से पहली और दूसरी मंजिल तक भी फैल गई थी। जिससे मौके पर रखे हुए स्पीकर पेपर जल कर राख हो गए।पुलिस के अनुसार फैक्ट्री मालिक आबिद अली ने बताया कि चमन कॉलोनी कागजी का मोहल्ले में उनकी फैक्ट्री में फॉर्म (स्पीकर पेपर) बनाने का काम होता है। रविवार सुबह इलेक्ट्रिक बोर्ड में शॉर्ट सर्किट हुआ। जिससे आग तीन मंजिल तक पहुंच गई। मौके पर रखे हुए स्पीकर पेपर जल कर राख हो गए।

देवनानी ने लंदन में डॉ. अंबेडकर को किया नमन

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को लंदन स्थित ऐतिहासिक अंबेडकर हाउस संग्रहालय का दौरा किया। उन्होंने वहां डॉ. भीमराव अंबेडकर की कांस्य प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके विचारों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अध्यक्ष देवनानी ने संग्रहालय में लगभग एक घंटे का समय बिताया और डॉ. अंबेडकर द्वारा उपयोग किए गए दुर्लभ साहित्य और दस्तावेजों का अध्ययन किया।

उन्होंने बताया कि यह वही ऐतिहासिक भवन है जहां बाबा साहेब लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अध्ययन के दौरान ठहरे थे और यहीं पर उन्होंने सामाजिक न्याय, आर्थिक नीति और भारतीय समाज की जटिलताओं पर गहन शोध कार्य किया। विज़िटर बुक में अपने विचार साझा करते हुए देवनानी ने लिखा कि, "बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को समर्पित यह स्मारक स्थल भारतवासियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और महत्वपूर्ण है। यह स्थान हमें उनके संघर्ष, विचारधारा और समाज सुधार के प्रति उनके समर्पण की याद दिलाता है।" देवनानी के इस दौरे को भारत और विशेष रूप से राजस्थान के लिए एक गर्व का क्षण बताया जा रहा है, जिससे युवा पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर के विचारों को समझने और आत्मसात करने की प्रेरणा मिलेगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को लंदन स्थित ऐतिहासिक अंबेडकर हाउस संग्रहालय का दौरा किया। जहां उन्होंने डॉ. अंबेडकर की मूर्ति को नमन कर पुष्प अर्पित किए।

विवाहिता से दुष्कर्म करने का प्रयास

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में एक विवाहिता से दुष्कर्म करने का प्रयास का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मिलने के बहाने परिचित युवक घर आया था और घर में अकेला पाकर आरोपित परिचित ने जबरदस्ती का प्रयास किया। इस संबंध में पीडिता ने थाने में आरोपित परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि करणी विहार इलाके की रहने वाली 34 वर्षीय विवाहिता ने मामला दर्ज करवाया है कि वह परिवार के साथ रहती है। परिचित होने के कारण आरोपित का घर पर आना-जाना था। इसके चलते ही आपस में बातचीत होती रहती थी। आरोप है कि मिलने के बहाने आरोपित परिचित रात के समय घर आया था।

घर में अकेला पाकर आरोपित ने अंदर घुसकर उसके साथ अश्लील हरकतें की। विरोध करने पर जबरदस्ती दुष्कर्म करने का प्रयास किया। शोर-मचाने पर पकडे जाने के डर से आरोपित परिचित भाग निकला। डरी-सहमी पीड़िता ने हिम्मत कर परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद थाने में पीड़ित विवाहिता ने आरोपित परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

जयपुर में संघ का विजयादशमी उत्सव मनाया

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जयपुर महानगर द्वारा इस वर्ष विजयादशमी उत्सव को विशेष रूप से व्यापक रूप में मनाया गया।

28 सितंबर से 5 अक्टूबर तक चले इस उत्सव के अंतर्गत महानगर की सभी 291 बस्तियों में समानांतर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 58 हजार 200 से अधिक स्वयंसेवकों और समाजबंधुओं ने भाग लिया।

पूर्व सांसद अश्क अली टांक का निधन

जयपुर। पूर्व राज्यसभा सांसद और शिवचरण माथुर सरकार में मंत्री रहे अश्क अली टांक का रविवार शाम को निधन हो गया। वे काफी दिनों से बीमार थे। अश्क अली टांक को सोमवार सुबह 10 बजे विद्याधर नगर स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। टांक के निधन पर कांग्रेस में शोक की लहर है। ए.आई.सी.सी. महासचिव और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कई अन्य नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। ज्ञात रहे कि अश्क अली टांक अपनी राजनीतिक शुरुआत एनएसयूआई से की थी वे एनएसयूआई के अध्यक्ष रहे। उसके बाद में युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1985 में सीकर की फतेहपुर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक चुने जाने पर शिवचरण माथुर सरकार में राज्य मंत्री रहे। टांक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने चूरू और जयपुर की किशनपोल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद में यूपीए सरकार 2 में राजस्थान से राज्यसभा सांसद भी रहे थे। टांक राजस्थान कांग्रेस में अकेले ऐसे नेता थे जो युवक कांग्रेस और एनएसयूआई दोनों अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष रहे है।

■ **टांक राजस्थान कांग्रेस में अकेले ऐसे नेता थे जो युवक कांग्रेस और एनएसयूआई दोनों अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष रहे है।**

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस के अनुसार शव खातीपुरा रेलवे स्टेशन के पास मिला है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला है कि युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसके शरीर पर रगड़ के निशान मिले हैं और उसके दोनों पैर घुटनों से और बायां हाथ कोहनी से कट गए हैं। युवक का सिर और चेहरा भी बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो गया है। जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और उसकी पहचान करने की कोशिश कर रही है।

शरद पूर्णिमा पर आज अमृत बरसाएगा चांद

जयपुर। आश्विन शुक्ल पूर्णिमा छह अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के रूप में मनाई जाएगी। घरों और मंदिरों में खीर बनाकर चंद्रमा की चांदनी में रखी जाएगी। मंदिरों में ठाकुरजी का धवल श्रृंगार किया जाएगा और चांदी के पात्र में खीर का भोग लगाया जाएगा।

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि शरद पूर्णिमा को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र, वृद्धि और ध्रुव योग का संयोग रहेगा। चंद्रमा मीन राशि में शनि के साथ रहेगा जिससे उसकी किरणों का प्रभाव विशेष रूप से बढ़ जाएगा।

पूर्णिमा तिथि 6 अक्टूबर को दोपहर 12:24 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन सुबह 9:18 बजे तक रहेगी। चंद्रमा का उदय शाम 5:34 बजे और अस्त 7 अक्टूबर की सुबह 6:19 बजे होगा। इस वर्ष चंद्रमा 16 कलाओं से युक्त संपूर्ण गोलाकार होगा। मान्यता है कि इस दिन चंद्र किरणों से अमृत बरसता है और खुले आसमान में चांद देखने से नेत्र ज्योति बढ़ती है।

■ **शहर के विभिन्न मंदिरों में होगा धवल श्रृंगार, लगेगा खीर का भोग**

आराध्य गोविंद देवजी मंदिर में शरद पूर्णिमा महोत्सव बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। सुबह महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सानिध्य में वेद मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक होगा। ठाकुर श्रीजी को सफेद पोशाक धारण कराई जाएगी।

विशेष अलंकार और पुष्प श्रृंगार किया जाएगा। शाम 7:15 से 7:30 बजे तक शरदोत्सव की विशेष झांकी दर्शनार्थ सजाई जाएगी। सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि ठाकुर श्रीजी को खीर व खीरसा का भोग लगाया जाएगा। विशेष खाट पर शतरंज, चौसर की बाजी, गाय दान, धूप दान, इत्र दान और पान दान से सजावट होगी।

श्री प्रेमभाया मंडल समिति की ओर से जयलाल मुंशी का रास्ता चांदपोल में श्री प्रेमभाया सरकार का शरद चांदनी उत्सव मनाया जाएगा। अध्यक्ष दुर्गा चौधरी ने बताया कि ठाकुरजी को धवल पोशाक पहनाई जाएगी और पुष्प श्रृंगार किया जाएगा। प्रवक्ता लोकेश शर्मा ने बताया कि खीर का भोग लगेगा। रात 8 से 11 बजे तक भक्ति संगीत रहेगा और भक्त रास रचनाएं गाकर हाजिरी लगाएंगे।

म्यांमार में 600 विकलांगों को जयपुर फुट व अन्य उपकरण लगाए जाएंगे

मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ, वेस्टइण्डीज के त्रिनिडाड और टोबैगो तथा म्यानमार (बर्मा) के लगभग 2 हजार विकलांगों को चलने-फिरने योग्य बनायेगी संस्था

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की सहायता से मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ, वेस्टइण्डीज के त्रिनिडाड और टोबैगो तथा म्यानमार (बर्मा) के लगभग 2 हजार विकलांग चलने फिरने योग्य हो जाएगें। भारत सरकार, जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संयुक्त तत्वावधान में इन तीनों देशों में विशेष शिविर का आयोजन किया गया है।

इसी शृंखला में म्यानमार की राजधानी यांगान में महात्मा गांधी की वर्षगांठ पर बी.एम.वी.एस.एस. और भारत सरकार द्वारा शिविर का उद्घाटन हुआ, जिसमें 600 विकलांगों के पुर्नवास का लक्ष्य है। यह म्यानमार में लगाया गया चौथा शिविर है। पूर्व में लगाए गए शिविरों के द्वारा 1500 विकलांगों का पुर्नवास किया जा चुका है।

यांगान के पिताकत थॉनबॉन निकाया मोनास्ट्री में आयोजित इस शिविर में तत्कालीन बर्मा के प्रथम निर्वाचित प्रधानमंत्री स्वर्गीय यू.नू. की स्मृति में स्थापित यू.नू. दाव म्या यी फाउण्डेशन का विशेष सहयोग मिल रहा है। बी.एम.वी.एस.एस. के अध्यक्ष सतीश मेहता जो यांगान शिविर के दलनायक हैं, ने बताया कि शिविर का उद्घाटन महात्मा गांधी के जन्म दिवस पर आयोजित किया गया। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ पर विभिन्न देशों में विकलांगों के पुर्नवास के लिए "इण्डिया आफर ह्यूमैनिटीज" कार्यक्रम की शुरूआत की थी।

सतीश मेहता ने उद्घाटन अवसर पर बताया कि भारत और म्यानमार के आपसी सहयोग और मित्रता का ही फल है कि इस तरह का चौथा शिविर आयोजित हुआ है। अब तक ऐसे 47 देशों में 120 शिविर लगाए जा चुके है।

यांगान शिविर में म्यानमार में भारत के राजदूत अभय ठाकुर ने भारत-म्यानमार मैत्री संघ के चेयरमैन यू. विन मिन्ट और म्यानमार सरकार के समाज कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ मिनथीन तथा बौद्ध मठ के प्रमुख मिच्छु सायादाव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

यू.नू. फाउण्डेशन की प्रमुख और स्वर्गीय यू.नू. की पुत्री दाव थान थान नू जो भारत में लम्बे समय तक आकाशवाणी से जुड़ी रही थी, ने कहा कि म्यानमार में बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता की प्रेरणा से ही म्यानमार के विकलांगों के पुर्नवास का सिलसिला शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। बी.एम.वी.एस.एस. अध्यक्ष सतीश मेहता ने जयपुर फुट की निर्माण विधि की जानकारी शिविर में आए लोगों को दी। उन्होंने कहा कि शिविर में 600 विकलांगों को निःशुल्क जयपुर फुट, बैसाखी और अन्य उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

म्यानमार की राजधानी यांगान में 600 विकलांगों को जयपुर फुट व अन्य उपकरण लगाने के लिए भारत सरकार और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने शिविर लगाया।

गांजा सप्लायर पुलिस के हत्थे चढा

जयपुर। प्रतापनगर थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की सप्लाई करने वाले सप्लायर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 2.00 ग्राम ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा और गांजा ब्रिकी राशि के 940 रुपये भी बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। एसआई रामकेश ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की सप्लाई करने वाले सप्लायर सुल्तान सांसी (50) निवासी निवासी मेहन्दवास जिला टोंक हाल प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 2.00 ग्राम ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा और गांजा ब्रिकी राशि के 940 रुपये बरामद की है। पुलिस आरोपित तस्कर से अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

जयपुर सेंट्रल जेल में फिर मिले मोबाइल और सिम

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके में सेंट्रल जेल में जेल प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे आकस्मिक तलाशी अभियान के दौरान फिर मोबाइल और सिम मिला है। इसे लेकर जेल प्रशासन ने थाने में मामला दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी प्रकाश राम ने बताया कि महिला प्रहरी लाली मीणा ने थाने में मामला दर्ज करवाया है कि सेंट्रल जेल में जेल प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे आकस्मिक तलाशी अभियान के दौरान केंद्रीय कारागार के वार्ड नंबर 9 में मोबाइल और सिम लावारिस हालत में मिले।

उन्हें जब्त कर जेल प्रशासन को सूचित किया गया। इसके बाद जेल प्रशासन की ओर से मामला दर्ज करवाया गया है।

थानाधिकारी ने बताया कि यह मोबाइल और सिम जेल में कैसे पहुंची और कौन इसका उपयोग कर रहा था। इसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

गौरतलब है कि सितंबर 2025 में जेल में मोबाइल मिलने की 16-17 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बाद भी तलाशी अभियान में वार्ड और बैरकों से मोबाइल मिलने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कमिश्नर ने गांधीनगर एसीपी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया है। जो पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। इधर जेल अधिकारियों के अनुसार जेल में मोबाइल आने की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री की राजस्थान के युवाओं को बड़ी सौगात

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर स्थित आईटीआई को हब के रूप में उन्नत बनाने की सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के इस महत्वपूर्ण निर्णय से युवाओं को कौशल विकास के अवसर प्राप्त होंगे।

शर्मा ने कहा कि पीएम-सेतु योजना के प्रथम चरण में भरतपुर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को हब के रूप में विकसित करने के साथ ही आईटीआई धौलपुर, आईटीआई करौली, आईटीआई कामां और आईटीआई बयाना को स्पोक संस्थानों के रूप में उन्नत बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस नवीन पहल से युवाओं को उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्राप्त होगा, साथ ही रोजगार के और अधिक अवसर भी सृजित होंगे।

सुखाड़िया वि.वि. में नया विवाद : इतिहास के पेपर में ''मराठा'' को ''पराठा'' लिखा

मामला सामने आने के बाद एबीवीपी ने विरोध किया तो परीक्षा नियंत्रक को इस्तीफा देना पड़ा

- बीए फोर्थ सेमेस्टर प्राइवेट के इतिहास के पेपर में कई तरह की गड़बड़ियां सामने आई, टाइपिंग एरर देखने को मिला, मराठा की जगह पेपर में पराठा लिखा था
- शनिवार को हिस्ट्री ऑफ इंडिया फ्रॉम 1885 से 1964 के पेपर में 1857 की क्रांति के सवाल तक पूछे गए, कई सवाल इंडियन काउंसिल एक्ट से जुड़े थे, जबकि इस पेपर के कोर्स में ये विषय नहीं है
- परीक्षा नियंत्रक ने पद से लिखित में इस्तीफा दिया है, इनके पास अतिरिक्त कार्यभार था, इसे आगे विश्वविद्यालय स्तर पर प्रोसेस किया जाएगा, पेपर की गड़बड़ी पर जल्द जांच कर इसका समाधान किया जाएगा : विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीए फोर्थ सेमेस्टर प्राइवेट के इतिहास के पेपर में कई तरह की गड़बड़ियां सामने आई है। सभी सवाल आउट ऑफ सिलेबस आए। यही नहीं कई तरह की टाइपिंग एरर देखने को मिला। मराठा की जगह पेपर में पराठा लिखा था। मामला सामने आने के बाद एबीवीपी ने विरोध किया तो परीक्षा नियंत्रक को इस्तीफा देना पड़ा।

सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में बीते दिनों कुलपति के विवादित बयान का मामला थमा ही था कि बीए फोर्थ सेमेस्टर के एग्जाम पेपर (प्राइवेट) ने फिर मामले को गरमा दिया। शनिवार को हिस्ट्री ऑफ इंडिया फ्रॉम 1885 से 1964 के पेपर में 1857 की क्रांति के सवाल तक पूछे गए। कई सवाल इंडियन काउंसिल एक्ट से जुड़े थे, जबकि इस पेपर के कोर्स में ये विषय नहीं है।

विद्यार्थी परिषद के महानगर मंत्री पुष्पेंन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय में पेपर की लापरवाही को लेकर एबीवीपी के कार्यकर्ता रजिस्ट्रार से मिलने पहुंचे थे, लेकिन उनके पास इसका कोई जवाब नहीं था। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक पीएस राजपूत को भी बुलवाया गया। उन्होंने जानकारी होने से इनकार कर दिया और सिर्फ जांच करवाने की बात कही। राठौड़ ने बताया कि विवादित बयान के बाद विश्वविद्यालय में विवादित पेपर भी छापे जा रहे हैं। न सिलेबस का ध्यान रखा जा रहा है और न ही जिम्मेदारों के पास कोई जवाब है। ज्यादा सवाल पूछे तो परीक्षा नियंत्रक ने हाथों-हाथ पद से इस्तीफा दे दिया। इस मामले पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्टूडेंट्स से दो दिन का समय मांगा और जांच के बाद निर्णय की बात कही। उन्होंने कहा कि संभाग भर से स्टूडेंट्स इस परीक्षा के लिए आए थे।

विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार वृद्धिचंद गर्ग के अनुसार राजपूत ने परीक्षा नियंत्रक के पद से लिखित में इस्तीफा दिया है। राजपूत के पास अतिरिक्त कार्यभार था। इसे आगे विश्वविद्यालय स्तर पर प्रोसेस किया जाएगा। पेपर की गड़बड़ी पर जल्द जांच कर इसका समाधान किया जाएगा।

गौरतलब है कि उदयपुर संभाग में सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स वाली मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में शनिवार से प्राइवेट स्टूडेंट्स के पेपर शुरू हुए थे। करीब 60 सेंटर पर एग्जाम हुए। पांच हजार से ज्यादा छात्रों ने एग्जाम दिया। बीए प्राइवेट के अभी 4 पेपर बाकी हैं। परीक्षा नियंत्रक के रूप में लाइब्रेरी साइंस के सहायक आचार्य पी.एस. राजपूत के पास यह चार्ज (प्रभार) था।

हैड कांस्टेबल ने युवती की गुमशुदगी मामले में रिश्वत मांगी

तीन हजार रुपए लिए, हेड कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज, एसीबी जांच करेगी

- कोलायत तहसील में गंगापुरा निवासी परिवादी की ओर से 26 जुलाई को एसीबी की बीकानेर चौकी में रिपोर्ट दी गई थी
- हेड कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

बीकानेर, (निसं)। दो माह पूर्व गजनेर पुलिस थाने में दर्ज युवती की गुमशुदगी के मामले में हेड कांस्टेबल की ओर से रिश्वत मांगने और तीन हजार रुपए लेने का मामला सामने आया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मांग सत्यापित होने पर हेड कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, जिसकी जांच की जाएगी।

जानकारी के अनुसार कोलायत तहसील में गंगापुरा निवासी परिवादी कानसिंह की ओर से 26 जुलाई को एसीबी की बीकानेर चौकी में रिपोर्ट दी गई थी कि गजनेर पुलिस थाने में दर्ज युवती की गुमशुदगी मामले में हेड कांस्टेबल सुरेश मीणा ने अवैध रूप से बाइक, मोबाइल जब्त कर रखा है जिसे छोड़ने के बदले 30,000 रुपए रिश्वत मांग रहा है। युवती उसके भाई के साथ लिव इन रिलेशनशिप में है। हेड कांस्टेबल ने युवती के पांव में पहनी चांदी की पायल भी मांगी है।

एसीबी ने शिकायत का सत्यापन कराया जिसमें आरोपी हेड कांस्टेबल ने परिवादी से कहा कि मोबाइल लौटने के 'तीन तो दे' और 3000 रुपए ले लिए। अलमारी की चाबी नहीं मिलने के कारण मोबाइल नहीं लौटाया। इसके अलावा चांदी की पायल मांगने और बाइक लौटाने के लिए भी चालान-जुर्माना देने के लिए कहा गया। लेकिन, बाद में हेड कांस्टेबल को शक हो गया और उसने फोन बंद कर लिया। दूसरे नंबर से परिवादी के जीजा स्वरूपसिंह को बुलाकर बाइक और मोबाइल सौंप दिया। पूरे मामले की इंस्पेक्टर आनंद मिश्रा ने रिपोर्ट तैयार की और जयपुर मुख्यालय को रिश्वत मांगने का मुकदमा दर्ज करने के लिए रिपोर्ट भेजी।

एसीबी की बीकानेर चौकी के प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि मुख्यालय ने मुकदमा दर्ज कर लिया है जिसकी जांच इंसपेक्टर जयकुमार को सौंपी गई है।

गजनेर पुलिस थाने में युवती की गुमशुदगी दर्ज की गई थी, जिसकी जांच हेड कांस्टेबल सुरेश मीणा के पास थी। युवती और परिवादी का भाई गणेशसिंह रिलेशनशिप में रह रहे थे। हेड कांस्टेबल ने गुमशुदगी की जांच में गणेशसिंह और उसके परिवार के लोगों को परेशान करना शुरू किया। जांच के नाम पर बाइक और मोबाइल जब्त कर लिया। आरोप है कि सामान वापस लेने के लिए परिवादी मिला तो उससे रिश्वत मांगी गई।

दीपावली से पहले प्रदेश में बीस हजार से ज्यादा स्कूलों का रंग बदलेगा

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने आदेश जारी किये

- आदेश में कहा है कि जिन स्कूलों के पास विद्यार्थी विकास कोष (स्टूडेंट डेवलपमेंट फंड) में धनराशि उपलब्ध है, वे 15 हजार से 2 लाख तक की राशि खर्च कर इन कार्यों को तत्काल पूरा करें

बीकानेर, (निसं)। दीपावली से पहले प्रदेश के सभी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में रंग-रोगन, पेंटिंग और मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश जारी किए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने आदेश जारी कर कहा है कि जिन स्कूलों के पास विद्यार्थी विकास कोष (स्टूडेंट डेवलपमेंट फंड) में धनराशि उपलब्ध है, वे 15 हजार से 2 लाख तक की राशि खर्च कर इन कार्यों को तत्काल पूरा करें। यह आदेश 4 अक्टूबर को शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में हुई बैठक के निर्देशों के क्रम में जारी किया गया है। दीपावली से पहले यह आदेश केवल उन्हीं 20,250 सीनियर सेकेंडरी स्कूलों पर लागू होगा, जिनके पास विद्यार्थी विकास कोष में पर्याप्त राशि उपलब्ध है। आमतौर पर स्कूलों में मरम्मत का काम समय-समय पर होता रहता है, लेकिन दीपावली से पहले सफाई, रंग-रोगन और गेट पेंटिंग का आदेश पहली बार जारी किया गया है। शिक्षा विभाग का उद्देश्य है कि त्योहारी सीजन में सरकारी स्कूल भी घरों की तरह स्वच्छ और आकर्षक दिखें।

शिक्षा निदेशालय ने निर्देश दिया है कि यह कार्य राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता अधिनियम 2012 और नियम 2013 तथा सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियमों के तहत करवाया जाए। स्कूलों की दीवारें, नाम पट्ट, गेट और मुखमंडल (फ्रंट फसाड) एक समान रंग संयोजन में पेंट किए जाएंगे। इसके लिए कलर कोड और डिजाइन पैटर्न सभी स्कूलों को भेजा गया है।

आदेश में इसे सर्वोच्च प्राथमिकता से लागू करने को कहा गया है, ताकि दीपावली से पहले सभी स्कूलों में यह कार्य पूरा हो सके। हर सरकारी स्कूल में छात्रों से ली जाने वाली विभिन्न फीस (जैसे प्रवेश शुल्क, ट्रांसफर सर्टिफिकेट शुल्क, परीक्षा शुल्क आदि) विद्यार्थी विकास कोष में जमा की जाती है। इसी कोष से स्कूल की साफ-सफाई, मरम्मत, पेंटिंग और अन्य छोटे विकास कार्य करवाए जाते हैं। दीपावली से पहले यह आदेश केवल उन्हीं 20,250 सीनियर सेकंडरी स्कूलों पर लागू होगा, जिनके पास विद्यार्थी विकास कोष में पर्याप्त राशि उपलब्ध है।

नवजात को छत की दीवार पर छोड़ा

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के लाल पोल के अंदर रविवार को एक मकान की छत पर एक मासूम को छोड़कर चला गया।

पुलिस के अनुसार जावेद खां के मकान के छत पर कोई अज्ञात एक नवजात को तेज गर्मी में छत की दीवार पर रखकर चला गया। मकान मालिक के पुत्र छत के ऊपर गया जहां नवजात बच्ची के चीखने की आवाज आने पर जा कर देखा तो नवजात बच्ची तेज गर्मी में चीख रही थी जिस पर इसकी सूचना पुलिस को देने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नवजात को शहर के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। छत के ऊपर नवजात को छोड़ने को लेकर लोगों द्वारा अलग-अलग कयास लगाये जा रहे है।

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा से पहले शुरू होगी बीएड अभ्यर्थियों की इंटर्नशिप

- राज्य सरकार ने अभ्यर्थियों के इंटर्नशिप का शेड्यूल घोषित किया

बीकानेर, (निसं)। राज्य के बीएड कॉलेज में अध्यनरत द्वितीय वर्ष के अभ्यर्थियों की इंटर्नशिप अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पहले शुरू होगी।

बीएड और डीएलएड कॉलेजों में नया शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ ही राज्य सरकार ने अभ्यर्थियों के इंटर्नशिप का शेड्यूल घोषित कर दिया है। इंटर्नशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन दो चरणों में होंगे। प्रथम चरण की इंटर्नशिप के लिए स्कूल चॉइस के आवेदन 6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक होंगे। प्रथम चरण में बीएड द्वितीय वर्ष सहित बीएड - एमएड द्वितीय वर्ष और बीए-बीएड, बीएससी-बीएड चतुर्थ वर्ष के अभ्यर्थियों को इंटर्नशिप के लिए 15 से 25 अक्टूबर तक स्कूलों का आवंटन होगा। इन अभ्यर्थियों को 10 दिन के अंदर संबंधित स्कूलों में कार्य ग्रहण करना होगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इंटरशिप के लिए बीएड अभ्यर्थियों को वे सरकारी स्कूल आवंटित किए जाएंगे, जहां शिक्षकों के पद रिक्त हैं। प्रथम चरण में शेष रहे अभ्यर्थियों के तहत बीएड प्रथम वर्ष और डीएलएड सेकंड ईयर सहित बीएड- एमएड प्रथम वर्ष सहित बीए-बीएड, बीएससी-बीएड तृतीय वर्ष के अभ्यर्थियों की इंटर्नशिप के लिए आवेदन 1 जनवरी से 10 जनवरी तक होंगे। इन्हें स्कूल आवंटन 15 से 20 जनवरी तक किया जाएगा। बीएड सेकंड ईयर के अभ्यर्थियों के लिए 16 सप्ताह की यह इंटर्नशिप काफी महत्वपूर्ण है। 96 दिन की यह इंटर्नशिप पूरी होने के बाद ही अभ्यर्थियों को बीएड की डिग्री प्राप्त हो सकेगी। बीएड और डीएलएड कॉलेजों के प्रथम वर्ष के अभ्यर्थियों को 4 सप्ताह तथा द्वितीय वर्ष के अभ्यर्थियों को 16 सप्ताह की इंटर्नशिप करनी होगी।

484 किलो अवैध डोडा पोस्त व ईनोवा कार जब्त

कार में सवार दो व्यक्ति झाड़ियों और फसलों की आड लेकर फरार हो गए

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस ने नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण और उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ''ऑपरेशन विषभंजन'' के तहत मादक पदार्थ तस्करी के विरूद्ध एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 484.455 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त तथा तस्करी में प्रयुक्त एक ईनोवा कार को जब्त किया है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 55 लाख रूपए आंकी गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक बालोतरा रमेश आईपीएस ने बताया कि पुलिस मुख्यालय की मंशा अनुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम एवं तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई हेतु यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गोपालसिंह भाटी आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बालोतरा एवं अशोक जोशी आरपीएस, वृताधिकारी पचपदरा के निकटतम सुपरविजन में बुद्धाराम निरीक्षक पुलिस, थानाधिकारी कल्याणपुर एवं प्रभारी डीएसटी बालोतरा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पांच अक्टूबर आईदानराम हैड कानि. प्रभारी डीएसटी को एक सूचना मिली कि एक ईनोवा कार अवैध मादक पदार्थ लेकर बालोतरा की तरफ जाएगी। इस सूचना पर बुद्धाराम निपु. मय जाब्ता और डीएसटी टीम द्वारा सरहद उमरलाई में नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान जब यह ईनोवा कार आती हुई दिखाई दी, तो उसे रुकवाने का ईशारा किया गया, लेकिन कार चालक ने नाकाबंदी तोड़कर गाड़ी भगाने की कोशिश की और रोड की साइड में खड़ा कर दिया। कार में सवार दो व्यक्ति पास के खेतों में बबूल की झाड़ियों और फसलों की आड लेकर मौके से भागने में सफल हो गए।

पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली, जिसमें 28 कट्टों में 484.455 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। मादक पदार्थों की तस्करी में प्रयुक्त ईनोवा कार को जब्त कर लिया गया है तथा संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

सीढ़ियों से गिरकर कोचिंग छात्रा घायल

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर क्षेत्र के कोरल पार्क में स्थित एक हॉस्टल की छठीं मंजिल की सीढ़ियों से गिरकर कोचिंग छात्रा के घायल होने का मामला सामने आया है, जिसें गंभीर घायलावस्था में कोटा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। छात्रा कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रही है। छात्रा उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर जिले के रसूलपुर गांव की निवासी है। उद्योग नगर थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि बुलंदशहर जिले की निवासी प्राची हॉस्टल की छठीं मंजिल से सीढ़ियों से उतरते समय सीढ़ियों से गिरकर बीच में खाली जगह होने के कारण सीधे नीचे फर्स्ट फ्लोर पर गिर गई। थानाधिकारी ने बताया कि छात्रा का उपचार कोटा के निजी अस्पताल में चल रहा है। छात्रा के होश में आने के बाद बयान में स्पष्ट हो पायेगा कि छात्रा कैसे नीचे गिरी थी, पूछताछ में मामले में सामने आया है कि छात्रा सीढ़ियों से उतरते समय पैर फिसलने से सीधे नीचे गिर गई, मामले में जांच की जा रही है।

सूने मकान से 17 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी समेत नगदी चोरी

चोरी के दौरान खटपट से पड़ोसी जागे और घर के बाहर एकत्र हुए तो चोर भाग गये, आसपास लगे सीसीटीवी में तीन चोर भागते हुए कैद हुए

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी थाना इलाके के बापू कॉलोनी में सूने पड़े मकान से अज्ञात चोरों द्वारा लाखों रूपये व सोने चांदी के जेवरात चूरा ले जाने का मामला सामने आया है। चोरी के दौरान खटपट से पड़ोसी जागे और घर के बाहर एकत्र हुए तो चोर भागने लगे। पड़ोसियों ने चोरों को पकड़ने की कोशिश भी की, लेकिन नाकाम रहे। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में अज्ञात तीन चोर भागते हुए भी कैद हुए हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि मामले में बसंती देवी ने मकान में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बसंती देवी ने बताया कि वह कोटा से बाहर गई हुई थी, घर पर कोई नहीं था। थानाधिकारी ने बताया कि चोरी की घटना शनिवार रात्रि की है, सूने पड़े मकान में चोरी के दौरान पड़ौसी के जागने पर अज्ञात तीन चोर मकान से भाग गये। थानाधिकारी ने बताया कि बसंती देवी ने 17 तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी सहित एक लाख रूपये नकद चोरी होने की रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले है जिसमे तीन अज्ञात चोर सड़क पर भागते हुए नजर आ रहे है, उन्होने कहा कि सीसीटीवी फुटेज व तकनिकी आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं। थानाधिकारी ने कहा कि पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

हादसे में भाई-बहन घायल

निवाई, (निसं)। रविवार की शाम को लोक परिवहन की बस ने एक मोटरसाइकिल के टक्कर मार दी। जिससे भाई-बहन घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को राजकीय अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से भाई को जयपुर रैफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि रविवार की शाम अंकित पुत्र कमलेश मीणा व उसकी बहन अंकिता पुत्री कमलेश मीणा ट्यूशन पढ़कर मोटरसाइकिल से अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान बायपास पर बरथल तिराहे पर लोक परिवहन की बस जयपुर की ओर जा रही थी। बस ने बाइक के टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से अंकित का प्राथमिक उपचार करके जयपुर रैफर कर दिया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया।

121 किलो डोडा-चूरा सहित दो तस्कर गिरफ्तार, कार जब्त

आरोपियों ने बताया कि यह डोडा-चूरा मंदसौर से जोधपुर ले जा रहे थे

- पुलिस ने तलाशी ली तो कार में कट्टों में भरा हुआ 121.350 किलो डोडा-चूरा बरामद हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की रायला थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 121.350 किलो डोडा-चूरा सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी बच्छराज चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम सुबह करीब पांच बजे हाइवे पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान भीलवाड़ा की ओर से आ रही स्विफ्ट कार पुलिस को देखकर तेज गति से भागने लगी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बैरिकेड्स लगाकर कार को रोक लिया। पूछताछ में कार सवार संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए, इसके बाद संदेह के आधार पर पुलिस ने तलाशी ली तो कार में कट्टों में भरा हुआ 121.350 किलो डोडा-चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने कार सवार मांगीलाल विश्नोई (42) पुत्र कोजाराम, निवासी खिलेरी थाना कापराड़ा (जोधपुर), अशोक विश्नोई (27) पुत्र प्रेमाराम निवासी कांजीबा की ढाणी, थाना कापराड़ा (जोधपुर) को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की। आरोपियों ने बताया कि वे यह डोडा-चूरा मंदसौर से जोधपुर ले जा रहे थे। थानाधिकारी चौधरी ने बताया कि कार और मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस कार्रवाई में कांस्टेबल नारायण सालवी की तत्परता और साहसिक भूमिका अहम रही, जबकि नाकाबंदी टीम में कांस्टेबल पुखराज, कांस्टेबल ओमप्रकाश और कांस्टेबल बनवारी लाल भी शामिल थे।

कार से 360 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद

वाहन चालक रात और बारिश का फायदा उठाकर भाग गया, तलाश जारी

- टीम को तलाशी के दौरान जंगल में पिकअप मिली, जिसमें बहुत सारी नंबर प्लेटें मिली

कोटा, (निसं)। नारकोटिक्स टीम ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान जारी रखते हुए मुखबिर की सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) चित्तौड़गढ़ डिवीजन-2 की टीम ने कार्रवाई करते हुए कार से 360.540 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया। यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक कार से अवैध डोडा-चूरा ले जाया जा रहा है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) चित्तौड़गढ़ डिवीजन-2 के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और सीबीएन अधिकारियों द्वारा वाहन की पहचान करने के बाद वाहन को रुकने का संकेत दिया गया, लेकिन वाहन चालक ने वाहन को भागने कोशिश की। निवारक दल ने उक्त वाहन को रोकने के लिए टॉयर किलर का इस्तेमाल किया। वाहन चालक ने वाहन को तेज गति से चलाने की कोशिश की और एक किमी दूर निवारक दल को पंचर वाहन मिला। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि वाहन चालक रात और बारिश का फायदा उठाकर भाग गया, टीम ने उक्त वाहन चालक को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया गया, टीम को तलाशी अभियान के दौरान जंगल में एक महेंद्रा पिकअप मिली, जिसमें बहुत सारी नंबर प्लेटें मिली एवं पंचर वाहन टाटा हैरियर की तलाशी में 360.540 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया। अवैध डोडा-चूरा, टाटा हैरियर वाहन और महेंद्र पिकअप को जब्त कर लिया गया है। मामाले में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

टीचर के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। फाईनेंस कंपनी प्रबंधन को धमकाने वाले टीचर व उसकी पत्नी के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जैन मंदिर परिसर तहसील रोड़ खेरवाडा स्थित एस एस के फाईनेंस प्रा.लि. की ओर से अध्यापक मोहनलाल रेगर व उसकी पत्नी संतोष देवी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी पेशे से जासमा चित्तौड़गढ का रहने वाला होकर पास ही गांव में सरकारी विद्यालय में अध्यापक पद पर काम करता है। आरोपी ने कंपनी से ऋण लिया था जिसे पूरा जमा करवा दिया। गत दिनों से आरोपी कंपनी मैनेजर को फोन कर वाट्सएप पर मैसेज डालकर धमका रहे हैं तथा जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच थानाधिकारी दलपतसिंह राठौड़ को सौंपी है।

दुष्कर्म का मामला दर्ज : उदयपुर में नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित ने आरोपी विनेश कुमार के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि मेरी नाबालिग पुत्री से आरोपी का स्कूल में पढ़ाई करने के दौरान परिचय था। पांच माह पूर्व आरोपी मेरी नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर अपने साथ ले गया, जहां उसने पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच पानरवा थानाधिकारी भागीरथ को सौंपी है।

छेड़छाड़ मामले में दो अन्य आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। वृताधिकारी राजेश विद्यार्थी के सुपरविजन में थानाधिकारी कोतवाली द्वारा गठित विशेष टीम ने गत दिनों हुई कोचिंग क्लासेज में पड़ने वाली नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ व कोचिंग संचालक के साथ मारपीट के मामले में रविवार को दो आरोपी गिरफ्तार किये गये तथा उनके कब्जे से प्रयुक्त तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त की गयी है। मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कोतवाली थानाधिकारी ने बताया कि डी.ओ. ऑफिस के पास लड़की के साथ छेड़छाड़ कर कोचिंग संचालक के साथ मारपीट करने वाले मामले की घटना में कार्यवाही करते हुये मामले लिप्त और अन्य दो आरोपी राहिद पुत्र वहीद मेवाती व बबलु पुत्र उलफत मेवाती को गिरफ्तार किया है।

डंपर पलटा

बांसवाड़ा, (निसं)। झुपेल केनाल पुलिया के समीप गिट्टी से भरा डंपर पलट गया। राजेंद्र चरपोटा ने बताया कि झुपेल के जाबूडीपाड़ा से लिमथान तक सड़क क्षतिग्रस्त है एवं जाम्बूडीपाडा में एलएमसी का प्लांट लगा हुआ है। जहां से ओवरलोड वाहनों से माल लाने-ले जाने और बारिश के चलते 3 से 4 फिट के बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। यह सड़क दाहोद रोड वाया देवगढ़ आंबापुरा रतलाम रोड को जोड़ता है एवं यहां बायपास से गुजरने वाले सवारी टेंपो, मिल श्रमिक वाहन और छोटे-बड़े वाहनों से राहगीरों की आवाजाही रहती है जिससे बड़ी घटना होने का डर बना रहता है।

नोखा : 40 हजार लीटर अवैध पेट्रोलियम जब्त, चार जने गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। पुलिस ने अवैध पेट्रोलियम की खरीद-फरोख्त और भंडारण के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। नोखा थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 40 हजार लीटर अवैध पेट्रोलियम द्रव, दो पिकअप और एक ट्रक टैंकर जब्त किया है। जानकारी के अनुसार नोखा थाना की गठित टीम ने सूचना के आधार पर कस्बा नोखा के रोही रोड़ा स्थित खारा रोड पर एक खेत में छापा मारा। यहीं से अवैध पेट्रोलियम की खरीद-फरोख्त और भंडारण करते हुए चार आरोपियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयसिंहदेसर मगरा निवासी शिवराज (32), खारा निवासी मोहनराम (53), भुकां भगत सिंह (बालोतरा) निवासी अब्बास खान (34) और माडिया निवासी रामनिवास (27) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से लगभग 40 हजार लीटर अवैध पेट्रोलियम के साथ-साथ दो पिकअप वाहन और एक ट्रक टैंकर भी जब्त किया है।

राजस्थान में एमडी ड्रग्स सप्लाई करने वाला तस्कर कमलेश बिश्नोई गिरफ्तार

ए.टी.एस. और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने जैसलमेर-बाड़मेर में 3 दिन तक कैंप कर आरोपी को दबोचा

जयपुर (कासं)। आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की संयुक्त टीमों ने ऑपरेशन ''मदमुरुगन'' अभियान के तहत पूरे राजस्थान को एमडी ड्रग्स सप्लाई करने वाले शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। टीम ने तस्कर कमलेश बिश्नोई उर्फ कार्तिक निवासी धोरीमन्ना जिला बाड़मेर को जैसलमेर और बाड़मेर में 3 दिन तक कैंप करके पकड़ा है। फिलहाल एटीएस और एएनटीएफ की टीम पूछताछ करने में जुटी है।

एटीएस पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बताया कि एमडी का तस्कर कमलेश उर्फ कार्तिक की गिरफ्तारी पाक सीमा पर स्थित जैसलमेर जिले के सांकड़ थाना क्षेत्र से की है। तस्कर कमलेश की गिरफ्तारी पर पच्चीस हजार रुपए का इनाम रखा हुआ था। इसके खिलाफ करीब आधा दर्जन आपराधिक मुकदमे तीन अलग अलग राज्यों में चल रहे हैं।

आरोपित तस्कर कमलेश ने पहले अवैध हथियारों का काम शुरू किया था। इसी दौरान एमडी की लत लग गई और फायदा देखकर ड्रग्स तस्करी का काम करने लगा। देखते देखते सीमावर्ती इलाके में एमडी के धंधे का सरगना बन गया। आरोपित कमलेश का सगा भाई सुरेश भी इस काम में साझेदार रहा है। काम को और बढ़ाने और पूरे राजस्थान में चलाने के लिए कार्तिक ने अपने पुराने सहयोगियों और जेल के साथियों को लेकर गैंग बना डाली थी। आरोपित तीन राज्यों में अपराध की जड़े जमा कर जेल जा चुका है। एमडी तस्कर कमलेश अपने आपराधिक करियर के प्रारंभिक दौर में अवैध हथियारों का काम करता था।

आतंकवाद निरोधक दस्ते और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शातिर मॉर्डन ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया।

- **पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि, आरोपित तस्कर कमलेश ने पहले अवैध हथियारों का काम शुरू किया था। इसी दौरान एम.डी. की लत लग गई और फायदा देखकर ड्रग्स तस्करी करने लगा।**

मध्यप्रदेश के खरगोन इलाके से अवैध हथियार लेकर राजस्थान में बेचा करता था। इसी सिलसिले में वह मध्यप्रदेश में हथियारों के साथ पकड़ा गया था। महाराष्ट्र के पुणे इलाके में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप के साथ पूर्व में कमलेश पकड़ा जा चुका है।

पुणे की ही जेल में उसका संपर्क एमडी का काम करने वालों से हुआ था। साझेदारी में एमडी का बड़ा काम कॉर्पोरेट स्टाइल में पूरे राजस्थान में चलाने की योजना आरोपी ने जेल में बनाई थी। एटीएस और एएनटीएफ की टीम पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

'स्वर्णकार समाज है कला, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महाराजा अजमीढ़ जयंती महोत्सव में किया स्वर्णकार समाज के योगदान का सम्मान

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ केवल एक महान शासक ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के कलाकार भी थे, जिन्होंने आभूषण निर्माण को एक गौरवशाली परंपरा में बदला। उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए स्वर्णकार समाज आज देश की कला, संस्कृति व अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है। मुख्यमंत्री रविवार को जयपुर स्थित अग्रवाल कॉलेज में श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार सभा द्वारा आयोजित महाराजा अजमीढ़ जयंती महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि स्वर्णकार समाज की आभूषण निर्माण कला विश्व में अद्वितीय है और इसी परंपरा ने जयपुर को रत्न एवं आभूषणों का वैश्विक केंद्र बना दिया है। यहां के कारीगरों के हुनर ने न केवल भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दी है और लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हस्तशिल्प और परंपरागत कारीगरी को प्रोत्साहित करने के साथ ही, उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। बीते 22 महीनों में सरकार ने निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने, आर्थिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में कई अहम कदम उठाए हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय राजस्थान अपराध के मामलों में शीर्ष पर था, लेकिन वर्तमान सरकार के सख्त और पारदर्शी कदमों के चलते अब अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। व्यापारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सरकार ने सशक्त कानून व्यवस्था स्थापित की है, जिससे व्यापारी अब बेफिक्र होकर व्यवसाय कर पा रहे हैं।कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा, महापौर कुसुम यादव, सभा अध्यक्ष विजेन्द्र जोड़ा मौजूद थे।

महाराजा अजमीढ़ जयंती महोत्सव में रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वर्णकार समाज की ओर से भव्य स्वागत किया गया।

सड़क पर युवती से मारपीट करने वाला युवक गिरफ्तार

जयपुर । चाकसू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए में सड़क पर युवती से मारपीट करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी को पकडा है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था। इसमें एक बाइक सवार युवक राह चलती युवतियों से अभद्रता कर रहा था। युवतियों के विरोध करने पर उसने एक के साथ मारपीट की थी। यह वीडियो चाकसू थाना क्षेत्र का होने पर संबंधित मनचले युवक पर त्वरित कार्रवाई करने के आदेश दिए गए। टीम ने तत्काल मनचले युवक की पहचान की। आरोपी युवक की पहचान चाकसू थाना इलाके के रूपवास गांव के रहने वाले विकास चौधरी (26) के रूप में हुई। इसको तुरन्त गिरफ्तार किया। पीड़ित युवतियों की तलाश की गई लेकिन उन युवतियों के बारे मे कोई पता नहीं चला। गिरफ्तार युवक से पूछताछ में सामने आया कि वह 1 अक्टूबर को दिन चाकसू में पुराना टोंक रोड होकर बाइक से जा रहा था। उसे सड़क पर तीन युवतियां जाती नजर आई। इनके साथ उसने आपत्तिजनक टिप्पणी की। फिर भाग गया था। लेकिन फिर अपनी बाइक लेकर लड़कियों के पास आकर छेड़छाड़ करने लगा। उन युवतियों ने उसे पकड़ लिया। चप्पल से मारपीट करने लग गई। इस दौरान लोगों ने वीडियो बना लिए।

जलमहल की पाल पर युवक की लाश तैरती मिली

जयपुर (कासं)। ब्रह्मपुरी इलाके में रविवार सुबह जलमहल की पाल के पास लाश तैरती मिली। वहां मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस फोन करके पानी में शव होने की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की पहचान करने का पुलिस टीम प्रयास कर रही है। वहीं मृतक की शव से पुलिस को कुछ कागज मिले हैं, जिनसे भी मृतक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह जलमहल की पाल के पास लाश तैरती मिलने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर एसएमएस मोर्चरी में रखवाया।

चलती स्कॉर्पियो में आग, तीन युवकों ने कूदकर जान बचाई

जयपुर (कासं)। दौलतपुरा थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि को चलती स्कॉर्पियो में आग लगने से दहशत फैल गई। स्कॉर्पियो सवार तीनों युवकों ने बाहर की ओर कूदकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी की मदद से आग पर काबू पाया। पुलिस जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

थानाधिकारी सुनील गोदारा ने बताया कि दौलतपुरा में बिलोची पुलिया पर स्कॉर्पियो गाड़ी में आग लगी थी। स्कॉर्पियो में ऑनर सहित सवार तीन युवक जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहे थे। इस दौरान बिलोची पुलिया पर चलती स्कॉर्पियो से धुआं उठने लगा। कुछ ही देर में स्कॉर्पियो से आग की लपटे उठने लगी। स्कॉर्पियो चला रहे व्यक्ति ने आग की लपटों को उठता देखकर तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। उसमें सवार तीनों युवकों ने बाहर की ओर छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। गाड़ीइ मालिक ही कार चला रहा था। देखते ही देखते आग की भीषण लपटों ने पूरी स्कॉर्पियो को अपनी चपेट में ले लिया। गाड़ी में आग लगने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

- **दौलतपुरा इलाके में शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि की घटना**

पुलिस ने फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी की मदद से आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार स्कॉर्पियो में आग शॉर्ट सर्किट से लगी है।

सार-समाचार

मैं अपना वज़न हरगिज़ नहीं बढ़ने देती : राजे

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने मोटापे को वैश्विक महामारी बताते हुए इसे हर स्तर पर रोकने की ज़रूरत पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि मोटापा केवल एक शारीरिक समस्या नहीं, बल्कि यह कैंसर जैसी घातक बीमारियों का जनक भी है। होटल आईटीसी राजपूताना में मशहूर इंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. अंबरीश मित्तल की पुस्तक ''द वेट लॉस रिवोल्यूशन'' के विमोचन समारोह में राजे ने कहा कि ''कई लोग बाहर से पतले दिखते हैं, लेकिन उनके शरीर में अंदरूनी चर्बी होती है, जो सबसे ज़्यादा खतरनाक होती है।'' राजे ने बताया कि ''वे खुद भी इस खतरे को गंभीरता से लेती हैं और अपना वजन हरगिज़ नहीं बढ़ने देती।'' इसके लिए वे नियमित व्यायाम और कीटो, एटकिंस, डैश, इंटरमिटेंट फास्टिंग, जूस क्लेंज़ जैसी आधुनिक विधियों को अपनाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि जैसे जापान में बच्चों को स्कूलों में पोषण और खानपान की शिक्षा दी जाती है, वैसी पहल भारत में भी ज़रूरी है।

कलाकारों ने सजाई सुरीली जाजम

जयपुर । कलाकार वत्सल अनुपम के संग अनेक कलाकारों की विभिन्न वाद्ययंत्रों की राग हंसध्वनि पर पिरोयी सुरीली सिंफनी ने मौजूद दानिशमंद श्रोताओं के दिलों को छू लिया। इस ठ़ुप आर्केस्ट्रा में गिटार, सितार, वॉयलिन जैसे साजों ने तकरीबन 20 मिनट तक सुरीले सुरों के इन्द्रधनुषी रंग बिखेरे। कार्यक्रम में राग पहाड़ी पर आधारित 35 बॉलीवुड नगमों को अनेक कलाकारों ने अपनी आवाज में दिलकश अंदाज में पेश कर मेलॉडी का शिद्दत से तिलिस्मी अहसास कराया। मौका था संगीत आश्रम संस्थान की ओर से शास्त्रीनगर स्थित खंडेलवाल वैश्य महासभा भवन के एआरजी ऑडिटोरियम में संजोए सांस्कृतिक कार्यक्रम इंद्रधनुष का। कार्यक्रम में सुरताल एकेडमी ऑफ परफोर्मिंग आर्ट्स की हांगकांग ब्रांच समेत सप्तक कला एकेडमी मुंबई व नटराज संस्थान वैशाली नगर जयपुर ब्रांच के कलाकारों ने भी गायन व कथक नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति देकर अपने गुरु के सबक को साकार किया। हांगकांग ब्रांच के कलाकारों ने गुरु श्वेता राजपूत के निर्देशन में जयपुर घराने के शुद्ध्ध पारंपरिक कथक की सलोनी प्रस्तुति दी। कलाकारों ने आंगिक-भाव व भंगिमाओं समेत आकर्षक फुटवर्क के बेहतरीन संयोजन के साथ कथक का लावण्य छलकाया। नटराज वैशाली नगर ब्रांच के कलाकारों ने कथक की नयनाभिराम प्रस्तुति दी। मुंबई ब्रांच के कलाकारों ने गणेश वंदना और कथक की प्रस्तुति दी। संचालन वीना अनुपम ने किया। अंत में संस्थान सचिव अमित अनुपम ने सभी आगन्तुकों का आभार जताया।

स्वास्थ्य जांच व परामर्श शिविर आयोजित

जयपुर। सेन्टवेव ऑर्गनाइजेशन और महात्मा गांधी अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित हुआ। यह शिविर अस्पताल के सिटी सेंटर राजापार्क शाखा पर रखा गया था, जिसका उद्देश्य जनता को विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श और निदान सेवाएं प्रदान करना था। सेंटवेव आर्गेनाइजेशन की संस्थापक अध्यक्ष शिवाली गुप्ता ने बताया कि इस तरीके के जांच शिविरों का आयोजन निरंतर ही संस्था के द्वारा किया जाता रहा है। शिविर में सामान्य चिकित्सा, त्वचा रोग, ईएनटी, दंत रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेत्र रोग और फिजियोथेरेपी जैसे विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराए गए। डॉ. अशुतोष चतुर्वेदी, डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. तरुण ओझा, डॉ. अर्दिति शर्मा, डॉ. मीता शर्मा, डॉ. कृतिका सेठी और डॉ. पुरवा पाठक सहित कई प्रसिद्ध चिकित्सकों ने अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। शिविर दोनों दिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला। नि:शुल्क निदान सेवाओं में सोनोग्राफी, 2 ईको, ईसीजी, ब्लड टेस्ट, टीएमटी, एक्स-रे और यूरिन टेस्ट शामिल थे, साथ ही बीपी, ब्लड शुगर और बीएमआई की निशुल्क जांच भी की गई। दवाइयों पर छूट और दंत, फिजियोथेरेपी संबंधित उपचार पर अतिरिक्त छूट प्रदान की गई। शिविर में भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया और विशेषज्ञ सलाह तथा कॉर्पोरेट हेल्थ चेकअप पैकेजों का लाभ उठाया। शिविर में कमलनयन खंडेलवाल श्याम मोहन व्यास लवजीत पारीक नीरू शर्मा संदीप वर्मा ने सभी प्रतिभागियों और चिकित्सा पेशेवरों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दोस्त को शराब पिलाकर लूटने वाला गिरफ्तार

जयपुर । जवाहर नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोस्त को शराब पिलाकर लूट करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने दोस्ती कर पीड़ित को पहले शराब पिलाई उसके बाद अपने अन्य दोस्तों को बुलाकर उस के साथ मारपीट और लूट की वारदात को अंजाम दिया। जिस पर पुलिस ने वारदात में शामिल मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व आशाराम चौधरी ने बताया कि जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोस्त को शराब पिलाकर लूट करने वाले सन्नी डलेत (23) निवासी टीला नम्बर 3 कच्ची बस्ती जवाहर नगर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया गया हैं। थानाधिकारी महेश चंद्र गुर्जर ने बताया कि 3 अक्टूबर को सौरभ शाक्य उर्फ छोटू (23) निवासी जोरा जिला मुरैना ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया था कि वह और राहुल कुमार दोनों ठेके से शराब ली तथा राहुल उसे मोटरसाइकिल पर बिठा कर टीला नंबर 5 के पीछे जंगलों में ले गया। जहां पर राहुल और अन्य ने पहले शराब पी उसके बाद मारपीट की तथा फोन पे से 3 हजार 124 रुपए ट्रांसफर कर लिये तथा चांदी की चैन व चांदी की अंगूठी उन्होंने ले ली। राहुल उस लड़के का नाम सन्नी बोल रहा था। पता किया तो ये दोनों लड़के टीला नम्बर 04 के रहने वाले है। जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपित की तलाश करते हुए पकड़ा है।

''सुमंगल दीपावली मेला'' महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को विक्रय करने का उन्नत मंच है : श्रेया गुहा

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा ने रविवार को ''दीपावली सुमंगल मेले'' में जाकर स्टॉल्स का अवलोकन किया।

जयपुर । राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा सुमंगल-दीपावली मेले का आयोजन इंदिरा गांधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान परिसर, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर में आयोजित किया जा रहा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास विभाग श्रेया गुहा ने रविवार को सुमंगल-दीपावली मेले का दौरा कर कहा कि ऐसे मेले महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को विक्रय करने के लिए उन्नत मंच उपलब्ध करवाते है जहाँ ये महिलाए अपने द्वारा बनाये गये उत्पादों का उचित मूल्य प्राप्त करती है। प्रदेश के स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्य, अपने उत्पादों को मेले में प्रदर्शित एवं विक्रय कर रही हैं एवं हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम, खाद्य एवं उन्नत तकनीक से बने हुए उत्पादों को प्रदर्शित भी किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि लोगों द्वारा इस मेले में ग्रामीण उत्पादों के लिए खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। सौंदर्यता से ओतप्रोत सभी जिलों की संस्कृति, परिधान, भाषा एवं पारंपरिक उत्पादों के बेजोड़ नमूने इस मेले में देखने को मिल रहे है। मेले में राजस्थान की ब्लू पोटरी, कोटा डोरिया, लोहे के सामान, रोज प्रोडक्ट्स, लाख की चूड़ियां, आचार, नमकीन , मंगोड़ी, पापड, टेरा कोटा, जूट के उत्पाद, बाजरे के उत्पाद, सांगानेरी प्रिंट, कैर सांगरी, कसूरी मेथी, पेपर प्रोडक्ट्स, तीर कमान , सॉफ्ट टॉयज और राजस्थानी जूतियाँ मुख्य रूप से आकर्षण का केंद्र है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग ने कहा कि राजीविका द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित कर उनको प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्रदान कर उनकी आजीविका संवर्धन का कार्य किया जा रहा है। राजीविका स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों के द्वारा गैर कृषि कार्यों में मुख्यत: हैंडलूम, हेंडीक्राफ्ट एवं खाद्य गतिविधियों में पारंपरिक विधियों से कार्य किया जाता है। उल्लेखनीय है कि आयोजन के लिए इंदिरा गांधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर का परिसर अत्यंत सौंदर्य भरा है। यहाँ आयोजित किये जाने वाले मेले में फ़ूड कोर्ट के अंतर्गत खाद्य सामग्री जिसका लाजवाब स्वाद कभी भूलना आसान नहीं होता है। अक्टूबर माह में दीपावली पर्व होने के कारण हर्षोल्लाष के समय मेला आयोजित करना अत्यंत लाभकारी होता है। इस मेले में वर्षा ऋतु एवं शरद ऋतु का सामंजस भरा वातावरण देखने को मिलता है।

खांसी की दवा का गुणवत्ता प्रकरण : केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों के साथ की चर्चा

राजस्थान में उठाए गए कदमों का किया उल्लेख, ''अन्य राज्यों को भी ऐसे उपाय अपनाने की नसीहत''

जयपुर (कासं)। देश के विभिन्न राज्यों में खांसी की सीरप की गुणवत्ता का मामला सामने आने के बाद भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव द्वारा रविवार को विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य सचिवगण के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार की सचिव ने राजस्थान द्वारा इस संबंध में उठाए गए कदमों का विशेष रूप से उल्लेखन करते हुए अन्य राज्यों में इन उपायों को अपनाए जाने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव ने कहा कि बारिश का दौर थमने के बाद सामान्य रूप से हर बार खांसी-जुकाम-बुखार आदि के रोगियों की संख्या बढ़ जाती है। देशभर में इस तरह के मामले अभी ज्यादा सामने आ रहे हैं। इस स्थिति में आमजन में चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाओं के उपयोग के संबंध में व्यापक जागरूकता होना जरूरी है, ताकि किसी के जीवन को खतरा नहीं हो। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने खांसी की दवा की गुणवत्ता का प्रकरण सामने आने के बाद तत्परता के साथ बचाव के जरूरी कदम उठाए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि अन्य राज्यों में राजस्थान की तरह आमजन को जागरूक करने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित किये जाएं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आशा, एएनएम एवं सीएचओ के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे करते हुए आमजन को विभिन्न बीमारियों से बचाव एवं दवाओं के उपयोग को लेकर जागरूक करना, खांसी की दवाओं के उपयोग को नियंत्रित करना, दवा के नमूने लेकर जांच करवाना, टेक्निकल कमेटी का गठन कर मामले की जांच करना, विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी इस प्रकरण में आवश्यक सलाह प्राप्त कर आवश्यक उपाय अपनाने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार की सचिव ने ऐसी दवाएं जिनसे बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को खतरा हो सकता है, उन पर विशेष रूप से चेतावनी अंकित करने के राजस्थान सरकार के निर्णय को सराहा और अन्य राज्यों में भी ऐसे कदम उठाने पर जोर दिया।

एडवाइजरी जारी, दवाओं के उपयोग पर काउंसलिंग शुरू

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि खांसी की दवा की गुणवत्ता का प्रकरण सामने आते ही विभाग द्वारा इस दवा के सभी बैचों के उपयोग एवं वितरण पर रोक लगा दी थी। साथ ही, दवाओं के उपयोग को लेकर एडवाइजरी जारी कर व्यापक स्तर पर जागरूकता के लिए कदम भी उठाए जा रहे हैं। दवाएं लिखने एवं उपयोग को लेकर चिकित्सक, फार्मासिस्ट एवं आमजन की वृहद स्तर पर काउंसलिंग की जा रही है। खांसी की सीरप के उपयोग के स्थान पर अन्य वैकल्पिक उपायों से उपचार पर जोर दिया जा रहा है।

सीएचओ, एएनएन एवं आशा कर रहे डोर-टू-डोर सर्वे

राठौड़ ने बताया कि मौसमी बीमारियों के दृष्टिगत प्रदेश में सीएचओ, एएनएम एवं आशा के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे के दौरान खांसी, जुकाम एवं बुखार के लक्षण वाले रोगियों को चिन्हित करने के साथ ही आमजन को आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है कि वे किसी भी तरह की बीमारी के मामले में घर पर रखी किसी दवा का उपयोग नहीं करें। नजदीकी चिकित्सा संस्थान जाकर चिकित्सक से परामर्श लें एवं चिकित्सकीय सलाह के अनुसार ही दवाओं का सेवन करें। विशेषरूप से बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को बिना चिकित्सक के परामर्श के कोई दवा नहीं दें। घर में रखी दवाओं को बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

तकनीकी समिति कर रही है विस्तृत अध्ययन

राठौड़ ने बताया कि दवाओं के उपयोग, बच्चों में सामने आ रहे लक्षणों एवं विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जांच करने के लिए तकनीकी समिति भी गठित कर दी है। यह समिति बच्चों में सामने आ रहे लक्षणों, उन्हें दिए जा रहे उपचार सहित विभिन्न पक्षों पर जांच एवं अनुसंधान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के नामी शिशु रोग विशेषज्ञों एवं अन्य विशेषज्ञों से भी इस प्रकरण को लेकर चर्चा की जा रही है। कई विशेषज्ञों ने अवगत भी कराया है कि इस मौसम में बच्चों में कई बार दिमागी बुखार, निमोनिया, सांस में तकलीफ जैसे मामले सामने आते हैं, जिनसे बच्चों की मौत हो जाती है। हमारा प्रयास है कि बच्चों की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं हो और बचाव के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव, राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पुखराज सेन, आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी शुभमंगला मौजूद थे।

641 पैक्स में शिविर आयोजित

जयपुर । राज्य सरकार द्वारा 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे 'सहकार सदस्यता अभियान' के तीसरे दिन शनिवार को प्रदेश भर में 641 पैक्स के स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में आमजन और सहकारबंधुओं की बड़ी संख्या में भागीदारी हो रही है और सहकारिता विभाग से संबंधित कार्य अभियान के माध्यम से तीव्र गति से सम्पन्न हो रहे हैं।

अभियान के अंतर्गत प्रारम्भिक तीन दिवसों में 1682 पैक्स में शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में 'ग्रामीण सेवा शिविरों' के अंतर्गत अभियान से संबंधित गतिविधियां संपादित की जा रही हैं। प्रस्तावित नवीन सहकारी कानून के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी जनसाधारण को उपलब्ध करवाना 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत एक प्रमुख गतिविधि है। शिविरों में आमजन को पम्फलेट वितरण तथा विचार-विमर्श सत्रों के माध्यम से नवीन कानून के प्रावधानों से अवगत करवाया जा रहा है। शनिवार को आयोजित शिविरों में 20 हजार से अधिक लोगों को प्रस्तावित नवीन सहकारी कानून की जानकारी प्रदान की गई। अब तक 1.90 लाख से अधिक लोगों को प्रस्तावित कानून के प्रावधानों से अवगत करवाया जा चुका है।

#WELLNESS

Home Remedies

Ginger Lemon Milk with Salt, A Warming Digestive Tonic

In many traditional wellness systems, combining milk with spices and natural acids is a time-honoured way to support digestion, boost immunity, and soothe the body. This recipe brings together the sharpness of fresh ginger, the tang of lemon juice, and a touch of salt, all blended into a comforting cup of warm milk.

While the ingredients may sound unusual together, the result is a surprisingly refreshing and therapeutic drink that's both simple and powerful.

Why This Combination Works

- Ginger is well-known for its digestive, anti-inflammatory, and warming properties.
- Salt, especially rock or Himalayan pink salt, helps balance electrolytes and can enhance digestion.
- Lemon juice provides vitamin C and natural acidity, which, when carefully added, can subtly curdle the milk, creating a texture similar to traditional buttermilk or curd-based tonics.

This drink can be enjoyed as a mild detoxifier, a soothing remedy for colds, or simply as a unique alternative to sugary beverages.

Ginger Lemon Milk Recipe (with Salt) Ingredients

- 1 cup whole milk (or preferred dairy/plant-based milk)
- 1 teaspoon fresh ginger, finely grated
- A pinch of salt (rock salt or sea salt is best)
- 1-2 teaspoons fresh lemon juice
- (Optional) A pinch of black pepper or turmeric for added health benefits

Instructions

1. Warm the Milk

- Pour the milk into a small saucepan.
- Add the grated ginger and salt.
- Simmer gently over low heat for about 3-5 minutes, stirring occasionally. Avoid bringing it to a boil.

2. Strain the Ginger (Optional)

- If you prefer a smooth texture, strain out the ginger pieces before serving.

3. Let It Cool Slightly

- Allow the milk to cool to a warm, drinkable temperature. This step is important, adding lemon to hot milk can cause it to curdle too aggressively.

4. Add the Lemon Juice

- Stir in the lemon juice gradually. A light curdling or thickening is natural and even desirable in this kind of drink.

5. Serve Immediately

- Enjoy it warm for the best experience.

Tips and Variations

- For a cooler version, let the drink cool fully and serve it chilled, like a savory, spiced lassi.
- To prevent curdling altogether, try substituting dairy milk with almond or oat milk, which don't react the same way with lemon.
- This recipe is adaptable, adjust the salt and lemon according to your taste preferences.

Final Thoughts

This Ginger Lemon Milk is more than just a drink, it's a wellness ritual. Whether you're sipping it to soothe a sore throat, kickstart digestion, or just warm up on a cool day, its unique balance of flavours and health benefits makes it worth trying.

Have you experimented with similar milk tonics before? If not, this might just become your new favourite evening ritual.

Too Explicit, But Not Shunned Anymore

It was in the salons of the sought-after courtesans of Madras Presidency patronised by elite men that the javali peaked as a creative form in the early 20th century. Among those men was the superb composer and Dhanammal's patron, Dharmapuri Subbaraya Iyer, a clerk in the taluk office. The stories of their abiding relationship are legend, it is said that the outstanding javali Smara sundaranguni was composed by him for her as a gift when she was in dire straits. Performed by Samson at Sabha, it speaks of a rather uniquely progressive beau, considerate and supportive of the nayika's many talents.

Samson says what makes padams and javalis creatively challenging is the effort it takes to slow down to be in step with the stillness in the music.

#MUSIC AND DANCE

● Malini Nair

Lovelorn maidens, heartless dandies and coquettes, envy, betrayal, languor and heaving passion, all amidst a profusion of moonlight and jasmine. This is the dramatic, and rather medieval, universe of padams and javalis, intensely amorous love verses set in the Carnatic mode and a legacy of the devadasi music and dance traditions of the south.

Mostly in Telugu, and written between the early 19th and early 20th century, the song texts of the javalis and padams are clearly an anachronism in our times, for the nayika is almost always long-suffering and the nayaka is invariably heartless. But these are also themes as old as the hills, of yearning, waiting and wanting, and the music remains eternally beautiful.

Largely shunned for decades on dance and music platforms for their explicit content and social history, some of these songs were brought alive on May 18 by Bharatanatyam dancer Leela Samson accompanied by Carnatic vocalist Savita Narasimhan in Bengaluru. Ee Mohamu (this desire), as the performance organised by Kishima Arts Foundation was aptly titled, showcased six songs of the genre.

"This search and happy discovery of rarer padams and javalis has been on for many years (for me)," said Samson, who embodied the callow young nayikas with moving ease and subtlety.

Though padams and javalis are often spoken of together as one, they do have subtle variations. Padams tend to be slower and more reflective with more devotional underpinnings. Javalis, on the other hand, are more lively and lilting and their lyrics could border on the risque. The dramatis personae in both narratives are one or all of these three, the nayika, nayaka, and sakhi, that critical go-between and sounding board.

Padams and javalis are set to specific ragas embellished with a lot of emotive minutiae to extract a lot of expressive rendition in both singing and dance. The one name that all musicians take with reverence for her artistry in rendering this music is T Brinda, a member of a hereditary artist clan that combined the best of the dance and music worlds. Her grandmother was the great Veena Dhanammal and she was a cousin of the legendary Balasaraswati.

That the padam and javali receded to the margins in Bharatanatyam is a commentary on many things, including our history and politics. But what makes it creatively challenging, said Samson in a post-performance discussion, is the effort it takes to slow down to be in step with the stillness and pauses in the music.

"As a young dancer, a lot of our time goes into the varnam, keertanam, thillana, the nritta (footwork) takes up so much of our heart and soul," she said. "You are young and full of vigour when that is so challenging, all that kida-thaka-thom, and you want to stretch longer and jump higher. And so you shy away from this, speaking from the heart. Then, suddenly after 10 years of everybody appreciating your nritya, you ask yourself: are we using or misusing them (padams and javalis) only as fillers? What happened to these (songs)?"

Leela Samson performs six padams and javalis at a sabha.

The challenge is equally hard for the vocalist. As Savita points out, the genre, especially padams, require tremendous breath control, malleability of voice, and the ability to hold the intensity of music without being aggressive. "This is an inward-looking music and it does not allow you to gallop and it takes years to practise," she said. "In other forms, the sahityam (text) is set to a fixed meter and but in padams, everything is offbeat and you have to internalise where the phrases fall and how to pace the talam, which are themselves often rare ones."

The musicality of padams and javalis is singularly exquisite and, when they are danced to, they make for a heady and sensuous shadow play of the visual and the aural.

Shifting mores

Samson remembers, as a child, entering the world of padams at her alma mater, Kalakshetra. "My very first padam was Kshetrayya's Bala vinave, very slow, beautiful, descriptive, such beauty of musicality and dance," she told the audience at Sabha, a small performance space in southern Bengaluru. "But to hold Tisra Triputa (taal), the gaps and space at that age was a struggle. But in the early years, you are taught a kai (hand, or set movements) and you did. It is only as you grow older that you start understanding. In fact, you are better able to play a younger nayika as a more mature dancer."

She remembers watching the great Mylapore Gowriamma in a class at Kalakshetra. She was frail and aged, one of the legends of the long-gone devadasi era. "She would sit in our class, like a little bundle, and she had a pronounced squint, but if you ask her 'Gowri patti, show us this,' her whole face would come to life and those eyes would do very beautiful things and before you could gather it, it was gone. It was as if some energy came from within her, small nuances."

With shifting views on gender and sexuality, javalis and padams, especially performed as dance, have had to deal with a lot more contentious issues. Who is all that voluptuousness intended for? Is it spiritual or carnal? Why in an age when women's agency is being celebrated should they eternally wait for a rogue lover?

At the discussion that followed the dance, some of these questions were raised. But, at this point, it might help to step back in time, more precisely two centuries ago, to when the genre grew.

Padams predate javalis, and the names most commonly associated with them are two Telugu bhakti composers, Annamacharya and Kshetrayya. In a sense, they enjoy a firmer reputation for classicism than the sprightly javalis that teeter precariously into the 'light' music field.

The origins of the javali and its meaning remain shrouded in mystery, say scholars. In his essay for the music journal *Sruti* titled *Javalis: Jewels of the Dance Repertoire*, musicologist Arudra says they were 'born in Travancore' in the early 19th-century court of Swati Thirunal, 'brought up in Mysore' and 'attained their fullness in Madras' before travelling elsewhere in the south. Others believe that its first home was the Mysore court.

The meaning of the name javali itself is contested, says Arudra: interpretations include 'lewd song' in Kannada as per an 1894 Kannada-English dictionary, 'half a song' or javadam in some other works on musicology, and javada in Telugu, meaning a colt of filly to indicate the playful nature of the style. One colonial writer disapprovingly spoke of javalis as 'songs of indelicate nature.'

In his essay *Salon to Cinema: The Distinctly Modern Life of the Telugu Javali*, dance scholar Davesh Soneji points to the different 'fields of production' that separate the two forms: padams were the domain of saint composers working in centres of devotion like Tirupati, while 'javali composers (javalikartas) worked in the civic heart of the colonial city employed as Taluk clerks or post office workers.'

The javali's journey through the modern times has been dynamic, the scholar points out, chronicling its transition: it crept into popular Parsi theatre-inspired Tamil dramas of the late 19th and early 20th century; lent itself to linguistic experiment as in the quirky My dear, come, *varuvai i vela* (come now, my dear) in a mish-mash of Tamil, Telugu, Kannada and English; and, once the devadasis were erased from our culturescape, made it to the movies such as in the song Amtalone Telavare from the Telugu film *Muddu Bidda* (1956).

It was in the salons of the sought-after courtesans of Madras Presidency patronised by elite men that the javali peaked as a creative form in the early 20th century. Among those men was the superb composer and Dhanammal's patron, Dharmapuri Subbaraya Iyer, a clerk in the taluk office. The stories of their abiding relationship are legend, it is said that the outstanding javali Smara sundaranguni was composed by him for her as a gift when she was in dire straits. Performed by Samson at Sabha, it speaks of a rather uniquely progressive beau, considerate and supportive of the nayika's many talents.

Once the devadasi tradition vanished under the combined onslaught of social outrage and legislation, javalis and padams became more or less outliers in the dance and song repertoire.

In the following, more squeamish decades, the popular narrative was that the heavily sensuous content is to be read not as carnal love but as the soul's yearning to attain a higher plane. It is quite common for the nayaka in the song to be revealed to be a deity. Samson recalls the somewhat fraught differences between gurus and scholars on the interpretation of loaded words, and the struggle to pin down the direct meanings. Should it be 'come, sit by my side' or 'come, sit here on my bed?'

But increasingly younger artists are not shying away from their literal meaning.

Among them is vocalist Aishwarya Vidya Raghunath, whose guru was Vegavahini Vijayaraghavan, T Brinda's daughter and legatee of her powerful felicity with padams and javalis. "We hear padams and javalis so rarely in concerts. But the role of sringara in them, is it something to shy away from? It is an important emotion, a transient one and it seeks representation (in the arts) in some way. The argument is that they are tough to render but we persevere with so many tough things in music, why not this?"

There is another question that exercises a lot of young dancers and scholars. In this age of gender equity, what is the relevance of this art form? As dancer Lakshmi Gopalaswamy pointed out at the end of the event, young students want to know: "Why should I dress up and wait for a guy? I dress for myself."

Samson's view on this falls uniquely between the conventional and the contemporary.

"These are metaphors, not necessarily about man or woman, though they can be," she said. "It is about the desire that lies at the root of everything in life, an aspiration, something we constantly want to achieve outside of ourselves. Dancers who say 'Oh, I am only into the abstract,' then go and show angst, pain. But that too ultimately is this."

rajeshsharma1049@gmail.com

#SITA

Courage In A Twig

When the Vanara Queens first saw Sita: A Moment of Compassion and Courage

In the heart of Lanka, where towering palaces cast long shadows and sorrow hung in the air, sat Sita, the noble queen of Ayodhya. She was held captive in Ashoka Vatika, surrounded by cruel rakshasis, her heart burdened with grief, but her soul radiant with faith in Lord Rama. This moment of suffering would soon be touched by a divine spark, Hanuman's arrival, followed by the presence of the Vanara queens, the wives of the monkey warriors who had crossed oceans to serve dharma.

Sita in Ashoka Vatika: A Portrait of Grace in Sorrow

Sita had been in captivity for months. Her body had grown weak, but her resolve was unshaken. She sat under a Shimshapa tree, refusing food and shelter, waiting for Rama.

सा तत्र शोकार्ततमाः परितप्तचित्ताः।
रामान्तरात्मा हृदि संनिविष्टः?

Translation: "There she sat, her heart scorched with sorrow, yet with Rama dwelling firmly in her innermost self."

The Vanaras Enter Lanka

Hanuman had already leapt across the ocean and found Sita. After reporting back to Rama, Sugriva, the king of the Vanaras, prepared for war. Alongside him were many Vanara warriors, and with them came their queens, brave and compassionate, ready to support the divine mission. Though many retellings differ, some regional versions and poetic narrations describe that a few Vanara queens, curious and concerned, followed the warriors towards Lanka and witnessed Sita's sorrow from afar. This moment is described in some later tellings, folklore, and retellings in regional Ramayana versions, such as Kamba Ramayanam (Tamil) and Adhyatma Ramayana (a spiritual version of Valmiki's epic).

The First Glimpse: A Noble Woman in Grief

When the Vanara queens first saw Sita, they were struck not only by her sorrow but by her serene, divine presence. Despite her tattered clothes and thin frame, she shone with an aura of purity and royalty. The queens whispered among themselves: "Can this truly be the great Sita, born of the earth, Rama's heart's beloved?" One of them, touched deeply, approached gently and said: "O Devi, we are messengers of Rama, the one whose name never leaves your lips. We are the queens of those who serve him with all their lives. Please do not fear us." Sita, her eyes wet with longing and hope, looked up.

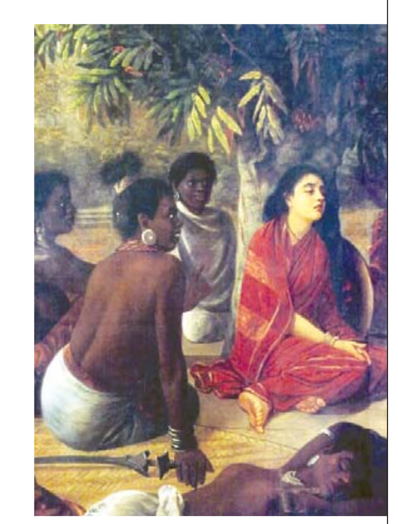

The Conversation: Words Woven with Comfort and Respect

Vanara Queen- "O Divine Lady, your glory has reached even our forested mountains. The wind itself carries your name as a sacred chant. We came not just as queens, but as sisters, mothers, daughters drawn to the sorrow of one who never stopped believing."

Sita (softly)- "Then you know… of my Rama? Of his pain? Of the path he walks to find me?"

"Tell me… does he still remember his Sita, lost among demons, trapped under Ravana's shadow?"

Vanara Queen: "O Devi, your name never leaves his heart. His eyes search the wind, the waters, and the stars for signs of you. He weeps not because he doubts, but because he knows your suffering. We, who are blessed to serve him, have seen his love-true as dharma, deep as the ocean."

Another Vanara queen, placing her hand gently on her heart, added:

"We came to see you not as soldiers, but as women who revere the strength you hold. In your sorrow, you uphold the honor of all womanhood. You are not alone. All of nature waits for the day of your reunion."

न हि धर्मेण हीनस्य पौरुषं तु न शोभते।
धर्मसारं हि स्त्रीत्वं वै सीता तेन प्रसिद्धा?

Translation: "True strength does not lie in power alone, but in righteousness. And womanhood shines brightest through dharma, Sita is its living example."

A Meeting Etched in Eternity

This meeting is a reminder that when the world turns dark, even the smallest voices of comfort can become a divine chorus, healing, strengthening, and guiding the path to victory.

THE WALL

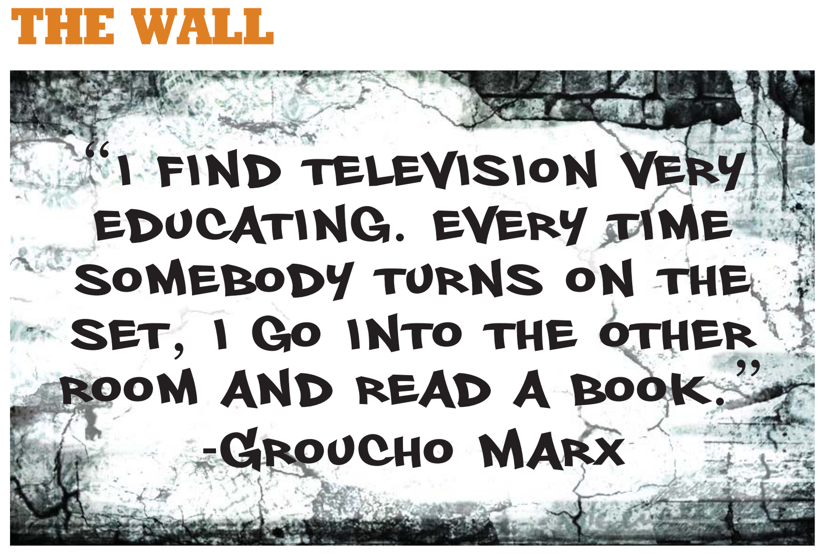

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

डॉ. जे.के. गर्ग ने अपने लेखन में सजग नागरिक का दायित्व निभाया है : डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल

कॉलेज शिक्षा के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. जेके गर्ग की पुस्तक ''राष्ट्रनायक-स्मृति दिवस'' का लोकार्पण

जयपुर। आजकल लोगों का पढ़ना बहुत कम हो गया है। अधिकांश लोग केवल उतना ही पढ़ते हैं, जितना वॉट्सएप उन्हें सुलभ कराता है। बुरी बात यह है कि इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रामाणिक ज्ञान और सूचनाओं को अप्रामाणिक और दुर्भावनापूर्ण, कूटरचित सामग्री ने पूरी तरह विस्थापित कर दिया है। राजनीतिक दलों के वेतन भोगी कार्मिक दिन-रात सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने वाली सामग्री रचते और प्रसारित करते रहते हैं। ऐसे ज्ञान विरोधी विकट समय में प्रो. जे.के. गर्ग सतत लेखनरत रहकर एक सजग और ज़िम्मेदार नागरिक का दायित्व निभा रहे हैं। यह बात हिंदी के सुपरिचित आलोचक अनुवादक और स्तंभकार डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने कही। डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने कॉलेज शिक्षा के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. जेके गर्ग की सद्य प्रकाशित पुस्तक राष्ट्र नायक-स्मृति दिवस के जयपुर में आयोजित हुए लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुये यह बातें कही।

■ **राष्ट्रपिता बापू और पण्डित नेहरु के आदर्शों की पावन स्मृतियां ही सदैव लिखने के लिए प्रेरित करती है : डॉ. जे.के. गर्ग**

कार्यक्रम में डॉ. जेके गर्ग की सद्य प्रकाशित पुस्तक ''राष्ट्रनायक-स्मृति दिवस'' का लोकार्पण किया।

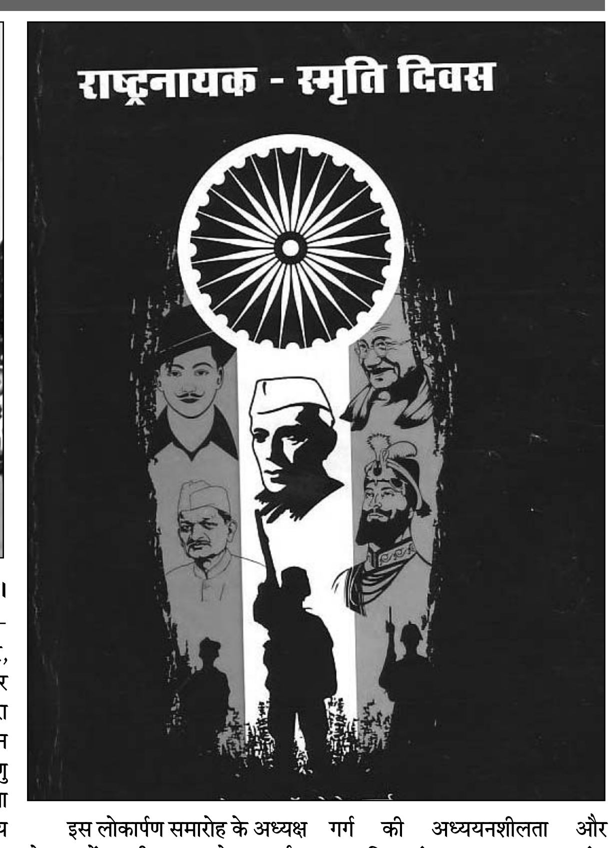

आलोचक अनुवादक और स्तंभकार डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल ने कहा कि डॉ. गर्ग ने एक ऐसे समय में जब हमारी नई पीढ़ी अपने महापुरुषों के जीवन और उनके अवदान को भूलती जा रही है, इस किताब के माध्यम से प्रामाणिक और आवश्यक जानकारियां सुलभ कराने का प्रशंसनीय काम किया है और केवल इतना ही नहीं उन्होंने संविधान, गणतंत्र और राष्ट्रीय ध्वज के साथ-साथ कुछ महत्वपूर्ण दिवसों के बारे में भी इस किताब में प्रामाणिक जानकारी दी है।

इस पुस्तक के लेखक डॉ. जेके गर्ग ने, जो राष्ट्रदूत के नियमित लेखक भी हैं, अपनी बात रखते हुए कहा कि उनमें बचपन से ही देश प्रेम की प्रबल भावना थी और भले ही वे विज्ञान के शिक्षक रहे, देश की समसामयिक हलचलों में सदा उनकी गहरी रुचि रही। डॉ. गर्ग ने कहा कि वे सदा ही राष्ट्रपिता बापू और पण्डित नेहरु के विचारों और कामों के प्रशंसक रहे हैं। उनके आदर्शों की पावन स्मृतियां ही उन्हें सदैव लिखने के लिए प्रेरित करती हैं। डॉ. गर्ग ने कहा कि आज देश का परिदृश्य उन्हें बहुत विचलित करता है और इस परिदृश्य में अपना हस्तक्षेप करने के लिए ही वे निरंतर लिखते रहते हैं. उन्होंने बताया कि आज लोकार्पित हुई इस पुस्तक में स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ. अम्बेडकर, जवाहर लाल नेहरु, लाल बहादुर शास्त्री, एपीजे अब्दुल कलाम, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह, लाला लाजपत राय, जयंत विष्णु नार्लिकर, सरदार भगत सिंह, मदर टेरेसा जैसी महान विभूतियों का जीवन परिचय देते हुए उनके योगदान को सरल भाषा में लिपिबद्ध किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इस किताब से पहले डॉ. गर्ग की एक और किताब उत्सव जीवनियां प्रकाशित हो चुकी है। डॉ. गर्ग ने कहा कि नई पीढ़ी के अंग्रेज़ी के प्रति रुझान को ध्यान में रखकर अब वे दो किताबें अंग्रेज़ी में लिख रहे हैं।

इस लोकार्पण समारोह के अध्यक्ष के रूप में अपनी बात कहते हुए कर्नल मुद्गल ने प्रो. गर्ग से अपनी आत्मीयता का भावुकतापूर्ण उल्लेख करते हुए उनके संतुलित एवं सक्रिय जीवन की सराहना की और कहा कि उनकी ये किताबें निश्चय ही समाज को आलोकित और प्रेरित करेंगी। कर्नल मुद्गल ने कहा युवा पीढ़ी के लिए डॉ. गर्ग की अध्ययनशीलता और सामाजिक संलग्नता एक प्रकाश स्तंभ की तरह है। इस अवसर पर युवा छात्रा निरीना गर्ग, तिरंगा चालीसा के रचयिता अशोक बाफ़ना और प्रमोद जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह का संयोजन गोविंद राम मित्तल ने किया। समारोह में विभिन्न पीढ़ियों के अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

ट्रांसफॉर्मर फॉल्ट से घरों में 11 केवी करंट दौड़ा

करंट से दर्जनों घरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जले

पाटन, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम करजो में शुक्रवार देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब बिजली ट्रांसफॉर्मर में फॉल्ट आने से हाई वोल्टेज (11 केवी) करंट मकानों की लाइन में दौड़ गया। इसके चलते दर्जनों घरों में पंखे, कूलर, टीवी, फ्रिज जैसे कई घरेलू उपकरण जलकर पूरी तरह खराब हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली ट्रांसफॉर्मर में तकनीकी खराबी के चलते यह हादसा हुआ।

करजो निवासी सुभाष चंद्र ने बताया कि जब गांव में करंट से उपकरण जलने लगे, तब ग्रामीणों ने तुरंत पाटन में फोन किया, लेकिन वहां तैनात कर्मचारी ने कई बार कॉल करने के बावजूद फोन नहीं उठाया। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि कोई बड़ा जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन हजारों रुपये के उपकरण खराब हो गए। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मुआवजे की मांग की है और संबंधित कर्मचारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग से गांववासियों की मांग जिसमें घटना की निष्पक्ष जांच हो, दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हो, सभी प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए, भविष्य में इस तरह की घटना न हो, इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे उपखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन करेंगे।

त्यौहारों पर विशेष ट्रेन का संचालन

कोटा, (निसं)। त्यौहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा इंदौर-हज़रत निज़ामुद्दीन-इंदौर के मध्य द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 09309 (इंदौर-हज़रत निज़ामुद्दीन) का संचालन 3 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को कुल 18 फेरों में किया जा रहा है। यह ट्रेन इंदौर स्टेशन से सायं 17.00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में 21.28 बजे रामगंजमंडी, 22.35 बजे कोटा, 23.55 बजे सवाईमाधोपुर एवं 00.43 बजे गंगापुर सिटी स्टेशनों पर ठहरते हुए अगले दिन प्रातः 5 बजे हज़रत निज़ामुद्दीन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09310 (हज़रत निज़ामुद्दीन-इंदौर) का संचालन दिनांक 04 अक्टूबर से 1 दिसम्बर तक प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को कुल 18 फेरों में किया जा रहा है। यह ट्रेन हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशन से प्रातः 08.20 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में 12.30 बजे गंगापुर सिटी, 13.20 बजे सवाईमाधोपुर, 14.35 बजे कोटा एवं 15.40 बजे रामगंज मंडी स्टेशनों पर ठहरते हुए उसी दिन रात्रि 21.00 बजे इंदौर पहुंचेगी। यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं में इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा, रामगंजमंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, मथुरा, पलवल एवं हज़रत निज़ामुद्दीन स्टेशनों पर ठहराव लेकर गंतव्य को जाएगी।

फर्जी रजिस्ट्री मामले में दो इनामी सहित तीन गिरफ्तार

आरोपियों ने असली भू-स्वामी की जगह एक फर्जी महिला को खड़ा करके कूटरचित दस्तावेज़ तैयार किए

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसींद थाना पुलिस, जिला विशेष टीम और पुलिस थाना आसींद ने एक फर्जी रजिस्ट्री के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 5-5 हजार रुपये के दो इनामी बदमाशों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा धर्मेन्द्र सिंह द्वारा वांछित और इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है।

आसींद थाना प्रभारी हंसपाल सिंह ने बताया कि 23 सितंबर 2024 को तहसील कार्यालय आसींद के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी ओमप्रकाश ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार गीता देवी, जिनकी आसींद की सरहद में विरासत में मिली कृषि भूमि थी। उसकी फर्जी रजिस्ट्री कर दी गई थी। आरोपियों ने असली भू-स्वामी गीता देवी की जगह एक फर्जी महिला गीता देवी को खड़ा करके कूट रचित दस्तावेज़ तैयार किए और ज़मीन की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली, साथ ही नामान्तरण (म्यूटेशन) भी खुलवा लिया। मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। जांच के दौरान फर्जी रजिस्ट्री के गवाह फरार हो गए थे, जिसके बाद उन पर इनाम घोषित किया गया था।

■ **आरोपियों ने जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करवा ली, साथ ही नामान्तरण (म्यूटेशन) भी खुलवा लिया था**

पुलिस अधिकारियों के निर्देशन और थानाधिकारी आसींद हंसपाल सिंह उ.नि. के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने वांछित इनामी आरोपियों का लगातार पीछा किया। कानि. ऋषिकेश डीएसटी की सूचना पर इन इनामी आरोपियों को तलाश कर हिरासत में लिया गया और थाना आसींद पर लाकर गिरफ्तार किया गया। इसके पश्चात्, पुलिस ने इस घटना में शामिल एक अन्य आरोपी राजू गुर्जर को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तारशुदा आरोपी राजू गुर्जर फिलहाल पुलिस अभिरक्षा में है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस ने बताया है कि घटना में शामिल अन्य आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस ने इनामी अभियुक्त राजेश पिता ओमप्रकाश वैष्णव निवासी आसींद, इनामी अभियुक्त सांवल पिता नाथू सिंह पंवार निवासी आसींदव राजू पिता भोमा राम गुर्जर निवासी प्रतापपुरा, थाना आसींद को गिरफ्तार किया है।

करोड़ों का कारोबार छोड़कर तीन बिजनेसमैन संत बने

उदयपुर, (कासं)। सकल दिगंबर जैन समाज उदयपुर की वर्षा योग समिति के तत्वावधान में देश के तीन व्यवसायी अपना करोड़ों रुपए का कारोबार छोड़कर दीक्षा ले रहे हैं। इस उपलक्ष्य में उदयपुर के विद्या निकेतन स्कूल प्रांगण में आचार्य कल्प पुण्य सागर के सान्निध्य में रविवार को तीन मुमुक्षुओं की जैनेश्वरी मुनि दीक्षा का कार्यक्रम शुरू हुआ। इस मौके पर गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

प्रचार-प्रसार मंत्री मुकेश पंड्या ने बताया कि सेक्टर 4 स्थित नागेन्द्र भवन से शुरू हुई शोभायात्रा विद्या निकेतन स्कूल पहुंची। जहां मंगल प्रार्थना और मुमुक्षुओं का कैश लोचन किया गया। सकल दिगबंर जैन समाज उदयपुर के अध्यक्ष और वर्षा योग समिति संरक्षक शांतिलाल वेलावत ने बताया कि यह दीक्षा महोत्सव उदयपुर के धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक क्षण के रूप में दर्ज होगा। महोत्सव में दीक्षार्थी आदर्श कुमार जैन (फरीदाबाद) अरविंद कोटड़िया (मुंबई) और देवीलाल चंपालाल भोरावत (मुंबई हाल गुडली, बंबोरा) दीक्षा ले रहे हैं। तीनों व्यापारी हैं जो अपना करोड़ों रुपए का कारोबार छोड़कर दीक्षा ले रहे हैं। इन्होंने संसारिक मोह-माया त्यागकर मोक्ष के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया है।

हादसे में महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। कुराबड़ थाना क्षैत्र में कार की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम बंबोरा से कुराबड़ सुराजी का खेड़ा रोड़ पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार भंवरी बाई पत्नी लक्ष्मीलाल पटेल (55) निवासी गुडेल थाना गीगला सलूम्बर गंभीर घायल हो गई। जिसे बंबोरा चिकित्सालय ले गए जहां से रेफर करने पर कुराबड़ चिकित्सालय ले गए। जिसकी तबीयत खराब ज्यादा होने पर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया । जहां उसकी मौत हो गई। एएसआई ईश्वर लाल ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। भंवरीबाई परिचित केवा पटेल निवासी ठाकरड़ा की बाइक पर बैठ बंबोरा से सुराजी का खेड़ा कुराबड़ की तरफ जा रही थी। जहां बीच रास्ते पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी थी।

दूध के टैंकर ने आगे चल रहे ट्रेलर को टक्कर मारी

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 से होकर पावटा कस्बे में दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहे एक दूध से भरे कंटेनर ने अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दूध से भरे ट्रेलर में सवार चालक व उसका साथी केबिन में ही फंस रह गए, जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद दोनों ही घायलों को पावटा उपजिला अस्पताल के लिए भिजवाया।

■ **केबिन में फंसा चालक व सह चालक, पुलिस व राहगीरों ने मशक्कत कर दोनों को निकाला**

हादसे में टैंकर आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के मुताबिक शनिवार देर रात दिल्ली से जयपुर की ओर तीसरी लाइन में ट्रेलर जा रहा था। जब ट्रेलर पावटा कस्बे में से होकर राष्ट्रीय राजमार्ग 48 से होकर पावटा कस्बे में दिल्ली से जयपुर की ओर गुजर रहा था। उसी समय पीछे से आ रहे दूध टैंकर के चालक ने इस ट्रेलर को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे टैंकर आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

इस हादसे में दूध टैंकर चालक अजय पुत्र राजाराम निवासी गाजीपुर यूपी व उसका साथी दोनों ही केबिन में बुरी तरह से फंस गए। सूचना मिलने पर पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंची, जहां फंसे हुए दोनों ही युवकों को बाहर निकाला और उपजिला अस्पताल पावटा भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए चालक को कोटपुतली बीडी एम जिला अस्पताल व उसके साथी को जयपुर के लिए रेफर किया गया। वहीं प्रागपुरा थाना पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को एकतरफा कर यातायात सुचारू करवाया।

श्री मसाणिया भैरव धाम : आस्था, सामाजिक सुधार और जागरूकता का अनूठा संगम

मसाणिया भैरव धाम के दर्शन करने के लिए प्रत्येक रविवार को प्रदेश सहित दूर-दूर से श्रद्धालु अपने दुख-दर्द व मन्नत लेकर आते हैं

अजमेर, (निसं)। राजस्थान में भक्तों के आस्था के केंद्र बने हुए अनेक मंदिरों में एक अनूठा स्थान है श्री मसाणिया भैरव धाम। यह धाम न केवल धार्मिक विश्वास का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक सुधार, नशा मुक्ति और अंधविश्वास से मुक्ति का भी अहम संदेश देता है। मसाणिया भैरव धाम के दर्शन करने के लिए प्रत्येक रविवार को दूर-दूर से श्रद्धालु यहां अपने दुख-दर्द व मन्नत लेकर आते हैं और यहां की ऐसी मान्यता है कि यहां से कोई भी खाली हाथ नहीं लौटता है। यहां न दानपात्र है और न ही प्रसाद की कोई दुकान, भैरवनाथ को अर्पित होता है तो सिर्फ भक्तों का शुद्ध विश्वास।

राजगढ़ का मसाणिया भैरव धाम एक ऐसा विरला स्थल है, जहां अमीर से लेकर गरीब तक अपनी आस्था के मस्तक झुकाते हैं। यह राजस्थान का संभवतः एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसके पूरे परिसर में न तो माला-प्रसाद की एक भी दुकान मिलेगी और न ही कोई दानपात्र मिलेगा। मंदिर यह स्पष्ट संदेश देता है कि ईश्वर को भक्तों के चढ़ावे की नहीं, बल्कि उनके हृदय के विश्वास की आवश्यकता है। हर रविवार को यहां भक्तों की लंबी कतारें लगती हैं, लेकिन मंदिर प्रशासन की उत्कृष्ट व्यवस्था के कारण किसी प्रकार की धक्का-मुक्की या अव्यवस्था देखने को नहीं मिलती।

श्री मसाणिया भैरव धाम पर हजारों में तादात में लोगों ने मन्नत मांगी।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए शानदार इंतजाम किए जाते हैं। यहां करीब सवा सौ लोगों की टीम निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं दे रही है और यहां की व्यवस्थाओं को बखूबी संभाल रही है, जिससे सभी श्रद्धालु शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन कर सके। यह धाम सामाजिक संदेशों को भी पूरी गंभीरता से लेता है। मंदिर की दीवारों पर ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' जैसे महत्वपूर्ण नारे अंकित हैं, जो समाज में जागरूकता फैलाने का काम करते हैं। इसके साथ ही, भक्तों को अंधविश्वास से दूर रहने की भी लगातार सलाह दी जाती है जो इस धाम को आधुनिक और प्रगतिशील सोच का प्रतीक बनाता है। यहां राजगढ़ धाम पर समय-समय पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाते हैं। धाम के उपासक चम्पालाल महाराज स्वयं भक्तों को मन से मजबूत होने और किसी भी प्रकार के अंधविश्वास में न पड़ने की अपील करते हैं। उनकी शिक्षाएं लोगों को आत्मिक शक्ति और विवेक से जीने की प्रेरणा देती हैं।

■ **यहां न दानपात्र है और न ही प्रसाद की कोई दुकान, भैरवनाथ को अर्पित होता है तो सिर्फ भक्तों का विश्वास**

■ **मसाणिया भैरव धाम की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक इसका नशामुक्ति अभियान है, यहां अब तक लाखों लोग नशा मुक्त हो चुके हैं**

मसाणिया भैरव धाम की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक इसका नशामुक्ति अभियान है। यहाँ अब तक लाखों लोग नशा मुक्त हो चुके हैं। लोग यहां अपनी मर्जी से, बिना किसी दबाव के, नशे से मुक्ति का संकल्प लेते हैं और एक नया जीवन की शुरूआत करते हैं। यह धाम वास्तव में समाज को एक नई दिशा दे रहा है। इस धाम पर सैकड़ों की संख्या में यहां आए श्रद्धालुओं ने अपनी जेब में रखी तम्बाकू, बीडी, सिगरेट व गुटखे से निकाल कर यहां से शराब न पीने का संकल्प लेते हैं, जिसे कई परिवारों के घर तबाह होने से बच रहे हैं।

मंदिर परिसर में एक मनोकामना स्तंभ भी स्थापित है। श्रद्धालु इसकी परिक्रमा कर अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं और उनका विश्वास है कि उनकी प्रार्थनाएं यहां पूरी होती हैं। कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग भी यहां आस्था के साथ मानसिक शांति और उपचार की आशा के साथ हाज़िरी लगाते हैं।

आरपीएफ कोटा ने नाबालिग बालक रेस्क्यू किया

कोटा, (निसं)। मंडल रेल प्रबंधक अनिल कालरा के मार्गदर्शन में पश्चिम-मध्य रेलवे, कोटा मंडल में यात्रियों की सुरक्षा एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु निरंतर विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में ऑपरेशन नन्हे फ़रिश्ते के तहत रेलवे सुरक्षा बल, कोटा पोस्ट की टीम ने एक बार फिर तत्परता का परिचय देते हुए सराहनीय कार्य किया है।

■ **बालक को चाइल्ड लाइन कोटा को सौंपा गया**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक संजीव तिवारी मय स्टाफ को कोटा रेलवे स्टेशन पर गश्त के दौरान सर्कुलेटिंग एरिया में एक नाबालिग बालक निराश्रित अवस्था में मिला।

पूछताछ में उसने अपना नाम प्रिंस सिंह (17) निवासी कोटा बताया। बालक ने यह भी बताया कि वह 3 अक्टूबर को अपने घर से बिना बताए निकल आया था। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए बालक को तत्काल आरपीएफ पोस्ट कोटा लाया गया, जहां उसे सुरक्षित रखा गया तथा चाइल्ड लाइन कोटा (1098) को सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होने पर चाइल्डलाइन कोटा के केस वर्कर रितेश कुमार महावर रेसुब पोस्ट कोटा पहुंचे। उपस्थित गवाहों के समक्ष बालक को पाक-साफ़ हालत में सुपुर्दगीनामे के तहत विधिवत चाइल्ड लाइन कोटा को सौंपा गया।

बाइक चोर गिरफ्तार, तीन वाहन बरामद

कोटा, (निसं)। नान्ता पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल चोरी की दर्ज रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए बाइक चोर को चोरी की गई बाइक सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपी से पूछताछ के आधार पर चोरी की गई दो अन्य बाइकें भी बरामद की है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिये समस्त थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। शहर एसपी ने बताया कि 29 अगस्त को फरियादी महेन्द्र कुमार ने नान्ता थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि वह बाइक को पत्थरमंडी स्टॉक के पास खड़ी करके मजदूरी करने गया और जब वापस आया तो बाइक वहां नहीं थी, जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया। शहर एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उप अधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में नान्ता थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी नवल किशोर शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटैज चैक किये गये। मुखबीर की सूचना पर आरोपी की तलाशी के प्रयास जारी रखे।

शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति पानी की टंकी के पास पत्थरमंडी में चोरी की बाइक बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मुखबीर द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर पत्थरमंडी पानी की टंकी के पास से आरोपी पवन योगी को डिटेन कर पूछताछ की गई एवं आरोपी के पास मिली बाइक की डिटेल चैक की गई तो बाइक चोरी के प्रकरण में दर्ज होना पाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए करणी नगर निवासी पवन योगी (19) को गिरफ्तार किया। आरोपी से पूछताछ के आधार पर अनुसंधान करते हुए कुन्हाड़ी सहित अन्य थाना क्षेत्र से चोरी की गई दो अन्य बाइकों को आरोपी की निशादेही पर 33 केवी जीएसएस के पीछे झाड़ियों से बरामद किया।

यूपी के पूर्व विधायक सोलंकी अजमेर पहुंचे : विश्व प्रसिद्ध महान सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह शरीफ में उत्तर प्रदेश के कानपुर से समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक हाजी इरफान सोलंकी 34 महीने की लंबी कैद के बाद जेल से रिहा हुए। हाजी इरफान ने सबसे पहले अपने परिवार के साथ अजमेर शरीफ पहुंचकर सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की पवित्र दरगाह में हाजिरी दी और शुक्राने की चादर पेश की। उन्हें दरगाह के ख़ादिम सैयद जहूर बाबा ने ज़ियारत कराई व दस्तारबंदी कर दरग़ाह शरीफ़ का तबर्रुक दिया। इरफान ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, कि जेल में रहते हुए मैंने बहुत कुछ सीखा। राजनीतिक साजिशों का शिकार बना, लेकिन न्याय की जीत हुई और अब मैं कानपुर लौटकर जनसेवा में जुटूंगा।

संक्षिप्त

उर्स कूल की रस्म के साथ सम्पन

मनोहरपुर। चौमू रावण गेट मोहल्ला नागोरियान में सूफी मुंशी बुर्हान उल्ला का 3 दिवसीय वार्षिक उर्स 5 अक्टूबर रविवार को कूल व लंगर के साथ विधिवत सम्पन्न होगा! मोहम्मद फिरोज़ (गद्दीनाशीन) सूफ़ी मुंशी बुरहानउल्ला साहब ने बताया कि 3 अक्टूबर शुक्रवार 2025 को सुबह कुरआन ख़्वानी के साथ मे उर्स का आगाज़ हुआ इसी के साथ मे हिन्दू मुस्लिम जायरिनों का आना प्रारम्भ हुआ रात्रि 10 बजे बाद में मिलादुन्नबी कमेटी चौमू के द्वारा मिलाद शरीफ हुई जिसमे खुदा के हुकम व मोहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चलने की बात कही गई!

दो फरार वांछित गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृत्ताधिकारी देवली रामसिंह एवं घाड थानाधिकारी के नेतृत्व मे गठित टीम ने थाने में दर्ज प्रकरण बीएनएस एवं पोक्सो एक्ट में वांछित आरोपी महावीर पुत्र घासी लाल गुर्जर उम्र 38 साल निवासी खजूरिया थाना सदर टोंक हाल चारनेट थाना घाड़ को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में आरोपी से पूछताछ के बाद आज न्यायालय में पेश किया जायेगा इसी प्रकार वृत्ताधिकारी पीपलू के सुपरविजन में थानाधिकारी झिराना द्वारा गठित टीम ने थाने में दर्ज प्रकरण में एक माह से फरार चल रहे आरोपी हरफूल पुत्र हीरालाल बैरवा उम्र 34 साल निवासी नयाटीला थाना झिराना को को गिरफ्तार कर आज न्यायालय पेश किया गया। पुलिस द्वारा प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

प्रतियोगिता में जीते सिल्वर मेडल

निवाई। बूंदी में आयोजित क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं ने रजत पदक प्राप्त करके निवाई का नाम रोशन किया है। टीम प्रभारी रामजीलाल गुर्जर व पवित्रा शर्मा ने बताया कि प्रधानाचार्य गोविंदनारायण शर्मा के कुशल निर्देशन में बहिन निशा गुर्जर ने 3000 मीटर दौड़, बहिन अंजलि गुर्जर ने 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड़ व बहिन पायल गुर्जर ने हैमर थ्रो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रजत पदक जीता है। विजेता खिलाड़ियों को विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री गोविंदकुमार व प्रांत खेल सह प्रमुख महावीरप्रसाद ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

कन्हैयालाल सिरस बने जांगिड़ समाज के अध्यक्ष

निवाई। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा तहसील निवाई के कन्हैयालाल जांगिड़ सिरस निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। तहसील शाखा के प्रेमप्रकाश खंडवा ने बताया कि अध्यक्ष पद हेतु चुनाव पर्यवेक्षक महावीर प्रसाद जांगिड़ व राजेन्द्रकुमार जांगिड़ की देख-रेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि चुनावी बैठक में समाज के लोगों ने निर्विरोध चुनाव करने पर सहमति जताई। इसके बाद पूर्व जिलाध्यक्ष बद्रीलाल बिडोली ने कन्हैयालाल जांगिड़ सिरस का नाम प्रस्तावित किया। जिसका वहां उपस्थित सभी लोगों ने समर्थन किया। इसके बाद चुनाव पर्यवेक्षकों ने कन्हैयालाल सिरस के निर्वाचन की घोषणा की।

अवैध शराब परिहवन मामले में आरोपी गिफ्तार

टोंक। अति. पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी के निर्देशन में वृत्ताधिकारी पीपलू अरविन्द कुमार एवं थानाधिकारी पीपलू के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध शराब प्रकरण में कार्यवाही करते हुए पीपलू क्षैत्र के ग्राम बावड़ी से अवैध शराब रखने व बेचने के आरोप में आरोपी रामपाल पुत्र छीतर खटीक उम्र 42 साल निवासी बावड़ी थाना पीपलू को गिरफ्तार किया जाकर व उसके कब्जे से 9 बीयर की बोतल, 78 पव्वे अवैध देशी सादा शराब व 44 पव्वे अग्रेंजी शराब के जब्त कर एक्साईज एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया।

नम्बर मिलाइए
9587884433

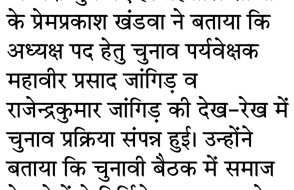

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'मोदी के नेतृत्व में हम ऐसे भारत का निर्माण करना चाहते हैं, जो आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी हो'

अलवर। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव तथा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रविवार को प्रताप ऑडिटोरियम में आयोजित लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह में शिरकत कर कुल 672 पीएचडी, स्नातकोत्तर और स्नातक विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की। इस दौरान विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले टॉपर छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल देकर भी सम्मानित किया गया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी के डिग्रीधारियों ने विभिन्न विषयों में अच्छे कार्य किए हैं, इन कार्यों को आगे बढ़ाते हुए अपने-अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में उत्तम स्वास्थ्य, चरित्र एवं शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि हमें मूल्य आधारित जीवन जीना चाहिए। उन्होंने कहा कि असफलता से सीख लेकर कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए सफलता प्राप्त करें। उन्होंने परफेक्शन से कार्य करने की सीख देते हुए कहा कि जो सोच उसको अमल में अवश्य लाएं।

अलवर में लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, राज्य मंत्री संजय शर्मा, एसपी व विधायक।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में आगे बढ़ाने के लिए कंफर्ट जोन से निकलकर कठिन मेहनत करनी चाहिए।

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उच्च संस्थान से डिग्री प्राप्त करने के बाद आप सभी अपने-अपने मुकाम को हासिल करें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर शहर सहित लोकसभा क्षेत्र को स्वच्छता में सर्वोच्च स्थान दिलाने तथा पानी की समस्या के स्थाई समाधान की तरफ कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को आधुनिक शिक्षा मिल सके, इसके लिए केंद्रीय मंत्री यादव ने जिले 106 नई ई-लाइब्रेरी खोलने का काम किया है।दीक्षांत समारोह में बहरोड़ विधायक डॉ जसवंत यादव, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, महासिंह चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, लॉर्ड्स विश्वविद्यालय के चेयरमैन मनोज चाचान, मुख्य वित्तीय अधिकारी

- **केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव तथा राज्यमंत्री संजय शर्मा ने लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह में शिरकत कर 672 पीएचडी, स्नातकोत्तर और स्नातक विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित की**

अटल चाचान, कुलपति प्रो. बी.एस. शर्मा, कुलसचिव डॉ. पंकज अरोड़ा, मिताली गोयल, डॉ नितिन मित्तल, मंजू यादव, घनश्याम गुर्जर, सतीश यादव, इंद्रजीत पाटा, राजेंद्र कसाना, पं. जेल सिंह सहित प्रबुद्ध नागरिक जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

इसके अलावा केंद्रीय मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने हसन खां मेवात नगर के सेंट्रल पार्क में प्रातः कालीन भ्रमण के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

बैठक आयोजित

टोंक। मुख्यालय के एक निजी फार्म हाउस पर प्रदेश स्तरीय धोबी समाज के प्रमुख संगठनों की संयुक्त बैठक का आयोजन प्रदेशाध्यक्ष प्रभु बाडोलियां के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस दौरान बैठक में संगठनो द्वारा मंथन कर एक संयुक्त मोर्चा बनाने एव बैठक में सभी संगठनों ने प्रदेश में एक साझा कार्यक्रम में सहमति देते हुए, संयुक्त मोर्चा धोबी समाज के नाम पर ब्लॉक जिला, राज्य स्तर पर मिलकर काम करने पर सहमति बनी। बैठक में संगठनो ने समाज के उत्थान के लिए सभी संगठन एकता से कार्य करने पर चर्चा हुई तथा सूचना एकिकरण के प्रदेश महासचिव बद्री लाल तंवर ने बताया कि सभी संगठनो के प्रदेशाध्यक्ष स्वतंत्र रूप से अपने अपने संगठनों के लिउए कार्य भी करते रहेगें।

इस अवसर पर कल्याण तितरिया, जगदीश चौहान, सूजी लाल पंवार एकिकरण व सर्व समाज से गोपाल कंडावरिया, सुनिता बाबिया, पुष्कर महासभा से पूनम बारिया, उडान से श्याम गोवर्धन, शंभु दोहडिया, विश्व रजक महासंघ से गजेंद्र अखरिया, आरडीएम से रमेश, पंकज, एवं सभी संगठनों के बैठक में 5-5 सदस्यों ने भी अपने अपने विचार रखे।

कांग्रेस का 'संगठन सजृन अभियान' बना औपचारिकता

दौसा। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी जहां एक ओर कांग्रेस संगठन को नीचले स्तर पर सक्रिय करने, सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में उचित स्थान एवं पद देने के लिए पूरे देश में मुहिम चला रहे है, वही दूसरी ओर राहुल गांधी की इस मुहिम ने दौसा जिले में दम तोड दिया है तथा संगठन सृजन अभियान के नाम पर बैठकों का आयोजन कर महज औपचारिकता की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों मे कांग्रेस को लगातार मिल रही करारी हार के बाद कार्यकर्ताओं एवं जान फूंकने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सम्पूर्ण देश में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस सगठन को नीचले स्तर पर सक्रिय करने तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में उचित स्थान एवं पद देने तथा निष्क्रिय पदाधिकारियों को संगठन से दूर करना है। ये अभियान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल के निर्देश पर चला जा रहा है। अखिल भारतीय कांग्रेस

- **कार्यकर्ताओं की अनदेखी, वरिष्ठ नेताओं को तवज्जों**

कमेटी ने दौसा जिले में भी संगठन सृजन अभियान के लिए वरिष्ठ नेता अनिल भारद्वाज को पर्यवेक्षक, आमेर विधायक प्रशांत शर्मा को सह संयोजक, देश राज मीणा तथा बेनीप्रसाद कटारिया को तैनात किया गया है।

बताया जाता है कि दौसा जिले में संगठन सृजन अभियान महज औपचारिकता बनकर रह गया है। जिला एवं ब्लॉक स्तरों पर बैठकों का आयोजन तो किया जा रहा है लेकिन इस बैठको में कार्यकर्ताओं से रायशुमारी के स्थान पर बडे नेताओ से रायशुमारी की जा रही है तथा उनके भाषण कराये जा रहे है। जबकि इस अभियान के तहत प्रत्येक ब्लॉक एवं नगर स्तर पर बैठकों का आयोजन कर कार्यकर्ताओं से जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष तथा बूथ प्रभारियों पर आम सहमति बनानी है। आम सहमति के स्थान पर बैठको में स्वागत सत्कार एवं नेताओं को भाषण कराये जा रहे है कार्यकर्ताओ से रायशुमारी तक नही की जा रही है। उधर जिला स्तरीय बैठक में पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने जिला अध्यक्ष एवं लोकसभा क्षेत्र की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा को अधिकृत किये जाने की मांग रखकर सबको चौका दिया है।

पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा के एक लाईन के इस प्रस्ताव के बाद अधिकांश कार्यकर्ताओं के चेहरे मायूस हो गये है तथा पिछले कई वर्षो से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कार्यकर्ताओं से बैठको से मुंह मोड लिया है। कार्यकर्ताओं ने दबी जबान से कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस संगठन को सक्रिय करना चाहते है, लेकिन स्थानीय नेता संगठन को अपनी कठपूतली बनाकर अपने चहेते लोगो को संगठन में जिम्मेदारी देने क मुहिम में लगे हुये है तथा बैठको के नाम पर महज खानापूर्ती की जा रही है।

घटिया सामग्री से हो रहे पीएससी निर्माण का किया विरोध

अलवर। अलवर ककराली जाट मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएससी) का निर्माण एक फर्म द्वारा किया जा रहा है ग्रामीणो नें विरोध कर घटिया सामग्री से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण रुकवाया ग्रामीणो मे सतवीर मीणा भगवान सहाय सुरेंद्र सुखराम गोपाल मोहनलाल रामजीलाल संजय पंच नें बताया कि ठेकेदार द्वारा घटिया बजरी व घटिया सीमेंट व ईंट द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जा रहा है जिसकी शिकायत ग्रामीण मिलकर अलवर जिला कलेक्टर को देंगे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जिस ठेकेदार का काम चल रहा है व ठेकेदार अपने आप को रसूखदार व बड़ी पहुंच वाला बताकर ग्रामीणों को भी धमकाता है ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार अपने आप को बड़ी पहुंच वाला बात कर कहता है काम तो ऐसे ही चलेगा जिसको जहां शिकायत करनी है कर दो मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता ग्रामीण ने बताया कि घटिया सामग्री से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण हमारे आने वाले बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

रामलीला में अहिरावण व रावण वध के प्रंसगो का रोमांचक मंचन

पावटा। कस्बे मे आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वाधान में रामलीला मैदान में चल रही रामलीला के अंतिम पडाव मे अहिरावण व रावण वध की लीला का रोमांचकारी मंचन किया गया। वही 14 वर्ष बाद वापस अयोध्या लौटाने पर नंदीग्राम में भगवान राम का

- **श्री राम बने राजा, हुआ राज्याभिषेक, लोगो ने किए भव्य राम दरबार के दर्शन**

अपने भाई भरत से मिलन, अयोध्या पहुंचकर नगरवासियों से मिलन व अपनी माताओं से भेट व गुरु वशिष्ठ से आज्ञा पाकर भगवान राम को राजा बनाकर उनका राज्याभिषेक करने जैसे दृश्यों ने दर्शकों को भावुक कर दिया व उनकी आंखों से अश्रुधारा बह निकली। इस दौरान मंचन में दिखाया गया कि

रामलीला में रावण वध की लीला का रोमांचकारी मंचन किया।

मेघनाद की मृत्यु के बाद लंका मे शोक व्याप्त हो गया। लांकाधिपति रावण ने पाताल लोक से अहिरावण को सहायता के लिये बुलाया। अहिरावण ने हनुमान जी को मुर्छित करके भगवान राम व लक्ष्मण का अपहरण कर लिया। वह दोनो भाईयो को पाताल लोक ले गया। उधर राम व लखन के गायब होने से रामादल मे कोहराम मच गया। इस विकट समस्या के समाधान के लिये विभिषण व जामंवान व सुग्रीव ने एक बार फिर हनुमान जी को आगे किया। वीर हनुमान जी ने पाताल मे पहुंचकर अहिरावण का वध कर दिया।

निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर में 112 मरीजों का सफल ऑपरेशन

शाहपुरा। स्वर्गीय रावधीर सिंह स्मृति सेवा मंडल शाहपुरा के तत्वाधान में संस्था संरक्षक जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के सानिध्य में एवं मेडिकल रीलिफ सोसायटी, राजकीय उप जिला चिकित्सालय शाहपुरा द्वारा जिला अन्धता निवारण समिति जयपुर के आर्थिक सहयोग से निःशुल्क लैन्स प्रत्यारोपण शिविर का उप जिला चिकित्सालय शाहपुरा में आयोजन हुआ। संस्था अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद योगी ने बताया कि इस दौरान शाहपुरा सहित आसपास के इलाकों से आए लगभग 270 मरीजों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया जिस पर जांच करने के उपरांत 112 मरीजों का ऑपरेशन भ्रमणशील शल्य चिकित्सा ईकाई राजस्थान जयपुर के अनुभवी वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र खाडिया, डॉ. सिद्धेश गर्ग, डॉ. परनीत जाट, डॉ. गोपेश भारद्वाज आदि चिकित्सकों द्वारा मोतियाबिन्द के ऑपरेशन एवं लैन्स

- **मोतियाबिन्द के ऑपरेशन एवं लैन्स प्रत्यारोपण निःशुल्क किये**

प्रत्यारोपण निःशुल्क किये गये।

मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह एवं भाजपा युवा मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री राजकुमार देवायुष सिंह ने भर्ती मरीजों से मुलाकात करते हुए उनकी कुशलक्षेम पूछी। इस अवसर पर रोगियों हेतु दवा, चश्में, भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था निःशुल्क की गई है। इस दौरान पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, नगर परिषद सभापति बंशीधर सैनी, वरिष्ठ कार्यकर्ता नाथूलाल शर्मा, राधेश्याम सैनी, दिनेश कुमार शर्मा, मदन लाल सैनी सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वीरों की गाथा एवं देशभक्ति भजनों में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। प्रताप स्टेडियम में नगरपालिका मण्डल के तत्वावधान में वीरों की गाथा एवं देशभक्ति भजनों का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय भजन सम्राट छोटूसिंह रावणा द्वारा वीरों की गाथा एवं देशभक्तिं भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिसको लेकर शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र से श्रोताओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

भजन गायक छोटूसिंह रावणा ने ओ गोरा धोरा री धरती रो, तीन बाण के धारी तीनों बाण चलाओ ना, जिसका मुझे था इंतजार वो घड़ी आ गई, तलवारों पर सर वार दिया, अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता, भक्तों के तुम भाग्य विधाता, श्रीराम जी के काज निहारों, तेरी मिट्टी में मिल जावा, गुल बनकर खिल जावा,सहित कई वीरों की गाथाएं एवं देशभक्ति भजनों की प्रस्तुतियां दी जिस पर

ग्रामीण क्षेत्र से श्रोताओं की भीड़ उमड़ी।

श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई व नृत्य किया।

इस अवसर पर विधायक रामसहाय वर्मा, उपखंड अधिकारी रामकरण सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, भाजपा शहर अध्यक्ष

- **भजन सम्राट छोटूसिंह रावणा द्वारा वीरों की गाथा एवं देशभक्तिं भजनों की प्रस्तुतियां दी**

नितिन छाबडा, जयपुर पार्षद अंकित वर्मा, ओपी गुप्ता, परसराम कुमावत, गिर्राज चैधरी, मंगलराम मीणा, रमेश सैनी, संजय रैगर, शंकरलाल सैनी, रामविलाश बलाई, जीतू विजय, वंशप्रदीप पारीक, घासी अग्रवाल, कैलाश नटवाडा, मोला सेन, रतनदीप गुर्जर, मदनलाल वर्मा, राजेन्द्र चैधरी, मोहित संमति, जयनारायण कुमावत, लालचन्द सैनी, अविनाश पारीक, आनन्द पारीक, पवन शर्मा गुरूजी व जीतू धारवाल सहित कई पार्षद व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

रघुवीर व्यास बने अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ के जिला अध्यक्ष

दौसा। अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ जिला दौसा के चुनाव रविवार को नेहरू गार्डन में चुनाव निर्वाचन अधिकारी मुकेश सैनी बगड़ी एवं पर्यवेक्षक अनिल शर्मा की देखरेख में सम्पन्न हुये, जिसमें सर्व सम्मति से रधुवीर व्यास को जिला अध्यक्ष एवं परमानन्द शर्मा को जिला महामंत्री चुना गया।

नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष रधुवीर व्यास ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता संगठन को सक्रिय करना एवं प्रबोधको की विभिन्न समस्याओं का समाधान कराना होगा। जिले भर के प्रबोधको ने मेरे प्रति जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करुगा। नवनिर्वाचित जिला महामंत्री परमानन्द शर्मा ने कहा कि हमारा संगठन समय समय पर प्रबोधको की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उचित प्लेटफॉर्म पर मांग करते आ रहे हैं।

सार-समाचार

विज्ञान मेला 7 से 9 अक्टूबर तक

दौसा। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद एवं आरएससीईआरटी उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत 7 से 9 अक्टूबर तक पीएमश्री श्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौसा में जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2025-26 का आयोजन किया जावेगा। आयोजक विद्यालय की प्राचार्या डॉ मनीषा शर्मा ने बताया कि इस सत्र में विज्ञान मेला ''विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी एवं गणित'' थीम पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर से मान्यता प्राप्त दौसा जिले की सरकारी एवं निजी विद्यालयों के कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थी जूनियर वर्ग में क्विज एवं मॉडल प्रतियोगिता में तथा कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी सीनियर वर्ग में सेमिनार एवं मॉडल प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विद्यालय स्तर के आयोजन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागी ही जिला स्तर पर भाग लेंगे। एक संभागी किसी एक ही प्रतियोगिता में भाग ले सकेगा।प्रतियोगिताओं में प्रस्तुति का माध्यम हिंदी/ अंग्रेजी होगा।

कल्याण धाम के लिए पदयात्रा रवाना

निवाई। श्री कल्याण पैदल यात्रा संघ के तत्वावधान में निवाई से 44वीं विशाल कल्याण धाम पदयात्रा गाजे- बाजे के साथ रवाना हुई। निवाई से श्री डिग्गी धाम के लिए विशाल पदयात्रा जुलूस के साथ रवाना हुई। पदयात्रा को जुलूस शहर के मुख्य मार्गो से होता हुआ डिग्गी के लिए रवाना हुआ। पदयात्रा में अखाडे वाले बालाजी के अखाडा कलाकार हेरतंगेज कारनामें दिखाते हुए चल रहे थे। युवा कल्याण महाराज के जयकारों के साथ डीजे के भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। पदयात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। इस अवसर पर सतीश चौधरी, राजेश चौधरी गुरुजी, कैलाशचन्द शर्मा, बाबूलाल माली, गोपाललाल पारीक, सीताराम कटारा, ग्यारसीलाल परिडवाल, सुभाष चौधरी, सत्यनारायण चौधरी एवं अशोक सेन सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। पदयात्रा संघ के कपिल खंडेलवाल ने बताया कि सोमवार को सुबह 5 बजे पदयात्रा का बोरखंडी बालाजी मंदिर में अल्पाहार होगा। 10 बजे लावा स्कूल में प्रसादी एवं शाम को डिग्गी जाट धर्मशाला में महाप्रसादी व रात्रि विश्राम होगा। 7 अक्टूबर को सुबह 7 बजे डिग्गी में विशाल ध्वज जुलूस निकाला जाएगा एवं कल्याण महाराज के दर्शन करके सुबह 10 बजे जाट धर्मशाला में महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

जिला स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन

दौसा। पीएमश्री श्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौसा में रविवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय इंस्पायर्ड अवॉर्ड मानक सत्र 2024-25 की जिला स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी अंजुल कुमार गुप्ता, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी घनश्याम स्वर्णकार, प्राचार्य डॉ. मनीषा शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया। प्राचार्य डॉ. मनीषा शर्मा ने बताया कि जिला स्तरीय प्रदर्शनी में कुल 85 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपने विज्ञान, तकनीकी एवं नवाचार आधारित मॉडलों का प्रदर्शन किया। इन मॉडलों में विद्यार्थियों ने ऊर्जा संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि नवाचार, जल संरक्षण, एवं डिजिटल तकनीक जैसे विषयों पर अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन के पश्चात् चयनित श्रेष्ठ मॉडलों को राज्य स्तरीय प्रदर्शनी हेतु अनुशंसित किया जाएगा। अतिथियों ने विद्यार्थियों के नवाचार एवं जिज्ञासा की सराहना करते हुए उन्हें विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

बालक पर बंदरों का हमला

नारायणपुर । कस्बे में बंदरों का आतंक इन दिनों इस कदर बढ़ गया है कि लोग घरों से बाहर निकलने में भी भय महसूस करने लगे हैं। शनिवार को बंदरों के झुंड ने एक बालक पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल फैल गया। जानकारी के अनुसार भगतपुरा निवासी प्रिंस पुत्र हेमराज प्रजापत शनिवार दोपहर करीब दो बजे स्कूल से आने के बाद घर के चौक में बैठकर खाना खा रहा था। तभी अचानक बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बच्चे के हाथ में खाना देखकर बंदर एकाएक आक्रामक हो गए और उसे बुरी तरह काट लिया। इस हमले में बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बालक को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल बालक का उपचार वहां चल रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कस्बे में पिछले कुछ महीनों से बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदर दिनभर गलियों, छतों और घरों में झुंड बनाकर घूमते रहते हैं। कई बार ये बंदर घरों में घुसकर खाने-पीने की चीजें उठा ले जाते हैं और बच्चों पर हमला कर देते हैं।

सत्संग महोत्सव के दूसरे दिन संत महापुरुषों ने दिए अमृतमय प्रवचन

रुदावल भरतपुर । रुदावल कस्बे के ढंढार वाले हनुमान मंदिर पर आयोजित 62 वें कार्ष्णि सत्संग महोत्सव में दूसरे दिन रविवार को दूर दराज से आए संत महापुरुषों ने अपने अमृतमय प्रवचनों से श्रद्धालुओं को सत्कर्म एवं भगवत स्मरण के लिए प्रेरित किया। दूसरे दिन की सत्संग वेला का शुभारंभ नंदराम व्यास ने गोपाल विलास के पाठ के द्वारा किया। संत महापुरुषों के अमृतमय प्रवचन सुनने के कस्बा सहित आसपास के ग्रामीण एवं दूर दराज क्षेत्र के श्रद्धालु महोत्सव में पहुंचे। महोत्सव में रमणरेती धाम के महामण्डलेश्वर स्वामी कार्ष्णि गुरु शरणानन्द महाराज ने बताया कि दुख निवृत्ति का मुख्य साधन भगवत स्मरण है। भगवत् स्मरण के पश्चात् किया गया कर्म सात्विक व सत्कर्म होता है जिससे मनुष्य का श्रेष्ठ प्रारब्ध बनता है और जीवन कल्याणकारी हो जाता है।

खोया पाया

मेरे मकान नम्बर 3MA/436, इन्दिरा गांधी नगर जगतपुरा जयपुर का डिक्लेरेशन लेटर कहीं खो गया। मिलने पर सूचित करें। निशिका लालवानी-9783222298

नाम परिवर्तन

मैं, आर्मी नम्बर 3008480M Rank HAV NARPAT SINGH S/O RAJENDER SINGH R/O VILLAGE BLCHLA (VIJAY NAGAR) TEHSIL MUNDAWAR, ALWAR-301401 मेरे आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम RAJVARDHAN SINGH CHOUHAN गलत दर्ज है सही नाम RAJVARDHAN SINGH CHAUHAN है, Vide Affidavit no. CD788141 Dated 29.09.2025

1. I, IC/Army No. 10515597L Rank Sep Name HANSRAJ ANKUR resident of Plot No. 81 Bhawan Nagar Vistar, Harmada Ghati, Ward No. I, Sikar Road, Jaipur, Rajasthan Pin No. 302013
a) That I want to change name of my spouse/dependent from. Sunita to Sunita Sonkaria

आम सूचना

मेरे अभिभाष्यगण श्री ओमप्रकाश सैन पुत्र बद्रीलाल व श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी ओमप्रकाश जाति सैन निवासीगण प्लॉट नं. 45 वार्ड नं. 20 उद्योग नगर, जोबनेर रोड, फुलेरा, जिला जयपुर (राज.) की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण का पुत्र रवि कुमार सैन व पुत्र वधु मोनिका मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नहीं है, तथा आए दिन घर में लड़ाई झगडे करते है तथा रूपयों की मांग करते है। मेरे अभिभाष्यगण की देखभाल, सेवा सुश्रषा भी नहीं करते है। इसलिए मेरे अभिभाष्यगण अपने पुत्र रवि कुमार सैन व पुत्र वधु मोनिका को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। आज के बाद रवि कुमार सैन व मोनिका का मेरे अभिभाष्यगण की चल-अचल सम्पत्तियों से किसी प्रकार का कोई संबंध व सरोकार नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति/संस्था यदि मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र रवि कुमार सैन व पुत्र वधु मोनिका से संव्यवहार/लेनदेन आदि करता हैं या कोई सम्वन्ध बनाता/रखता है तो वह उसकी स्वयं की जिम्मेदारी होगी। मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।

दिनांक-5.10.2025 शमीमुल हक, एडवोकेट
सांभरलेक, मो.नं. 9828297846

राजस्थान उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-7415 दिनांक-27.09.2025

जाहिर आम-सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 32/162 (LIG), का आवंटन श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री गणपत राम गुप्ता को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1845 दिनांक 30.04.1993 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 2702 दिनांक 04.12.1999 के द्वारा श्री तुषार आस्सर पुत्र श्री सुधीर आस्सर के पक्ष में किया गया। उनके पक्ष में पंजीयन पत्रो निष्पादन दिनांक 21.03.2000 को कर दिया गया।

आवेदक श्री तुषार आस्सर द्वारा स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के ऋण राशि का भुगतान समय पर बैंक की शर्तो के अनुसार नहीं कर पाये तथा उक्त बैंक ने उल्लेखित मकान को Securitization And Reconstruction of Financial Assets And Enforcement of Secrity Interest Act 2002 (54 of 2002) की धारा 13 सपठित नियम 12 Secrity Interest (Enforcement) Rules के अन्तर्गत अपने ऋण की पुर्न भुगतान के लिये उक्त कानून में अधिकृत होकर खुली नीलामी में विक्रय कर दिया। तत्पश्चात स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर शाखा एस.एम.एस. हाईवे, जयपुर जरिये मैनेजर श्री संदीप कुमार जैन पुत्र श्री उमराव मल जैन द्वारा उक्त आवास को दिनांक 13.06.2006 को श्रीमती सुमन हार्डी पत्नी श्री रोबिन विक्टर को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक द्वितीय जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया।

श्रीमती सुमन हार्डी द्वारा श्री जीवन कुमार जेठानी पुत्र श्री मोहन दास को दिनांक 23.03.2007 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री जीवन कुमार जेठानी द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्री जीवन कुमार जेठानी पुत्र श्री मोहन दास को दिनांक 07.12.2010 को उप पंजीयक चतुर्थ जयपुर में पंजीकृत करवाया गया।

श्री जीवन कुमार जेठानी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 22.05.2024 को श्रीमती मिथलेश बंसल पत्नी श्री ब्रजमोहन बंसल को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्रीमती मिथलेश बंसल पत्नी श्री ब्रजमोहन बंसल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है श्रीमती मिथलेश बंसल पत्नी श्री ब्रजमोहन बंसल का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्ध, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

गुर्जर समाज की महापंचायत में 11 सूत्रीय प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम पनियाला मोड़ स्थित श्री देवनारायण गौषाला में रविवार को अनुठा नजारा देखने को मिला। जहां गुर्जर समाज द्वारा समाज सुधार को लेकर आयोजित की गई विषाल वीर गुर्जर महापंचायत में राजस्थान समेत हरियाणा व दिल्ली एनसीआर आदि से हजारों की संख्या में गुर्जर समाज के पंच-पटेलों, जनप्रतिनिधियों, साधु-संतों, षिक्षाविद्ों ने शिरकत की। यह ऐतिहासिक महापंचायत गुर्जर समाज को नई दिषा देने वाली अनुकरणीय पहल साबित होती दिखाई दी। कालाकोटा धाम के महंत बलदेवदास महाराज की अध्यक्षता में आयोजित हुई महापंचायत में विभिन्न कुरीतियों को दूर करते हुये 11 सूत्रीय प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। गुर्जर समाज के आराध्य देव भगवान श्री देवनारायण समेत गुर्जर आरक्षण आन्दोलन के प्रणेता रहे स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला व लोकप्रिय किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रिय मंत्री स्व. राजेष पायलट के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि व श्रद्धांजलि के साथ शुरू हुई महापंचायत में वक्ताओं ने दहेज, नषा, कर्ज, बाल विवाह, सोषियल मीडिया का दुरूपयोग समेत विभिन्न कुरीतियों पर विस्तार से प्रकाष डालते हुये समाज सुधार की आवष्यकता जताई।

ग्राम पनियाला मोड़ स्थित श्री देवनारायण गौशाला में महापंचायत का आयोजन हुआ।

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने कहा कि दहेज को पुरे प्रदेष के प्रत्येक गांव में बंद करवायेगें। वहीं विधायक हंसराज पटेल एवं पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने कोटपूतली की ओर से स्वागत भाषण देते हुये महापंचायत के फैसलों का स्वागत किया। महापंचायत को गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतराम तंवर, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष पुरुषोत्तम फागणा, पथिक सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुखिया गुर्जर, खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर, नांगल चौधरी विधायक मंजू चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री शकुन्तला रावत, पूर्व विधायक इन्द्राज गुर्जर, पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, पूर्व विधायक फूलचंद गुर्जर, खेतड़ी प्रधान मनीषा गुर्जर, सेवानिवृत न्यायमूर्ति विरेन्द्र कुमार सराधना आदि ने सम्बोधित करते हुये कुरीतियों को समाप्त करने, षिक्षा को बढ़ावा देने व नषा मुक्त समाज के निर्माण पर बल दिया। संचालन महंत बलरामदास महाराज व पंचायती राज माध्यमिक षिक्षक संगठन के पूर्व प्रदेषाध्यक्ष मौसम गुर्जर ने किया।

■ हजारों की संख्या में गुर्जर समाज के पंच-पटेलों, साधु-संतों, षिक्षाविद्ों ने शिरकत की

इस दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेष महामंत्री एड. हीरालाल रावत, नेता शंकर लाल कसाना, श्री देवनारायण मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष पन्नाराम कसाना, जिला पार्षद मंजू रावत, पूर्व सरपंच रामेष्वर रावत, दिनेश कमांडेंट समेत अन्य मौजूद रहें।

संक्षिप्त

सम्मान समारोह का आयोजन

निवाई। वनस्थली में महिला शिक्षण संस्थान के समाजशास्त्र विभाग द्वारा आत्मनिर्भर नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में डीन समाजविज्ञान संकाय प्रो. हितेन्द्र सिंह राठौड़ ने स्वदेशी दर्शन एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आत्मनिर्भर नारी शक्ति सम्मान समारोह में महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करना, महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यो के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने का प्रयास है। वनस्थली विद्यापीठ की छात्राओं द्वारा आत्मनिर्भर महिला माया शर्मा, सन्तोष, सूरज, सोनू व अनीता के बारे में प्रशासक रविकांत पुरोहित को बताया कि यह महिलाएँ बैक-मित्र, कृषि-सखी, आचार-मुरब्बा एवं सजावट का सामान, सिलाई, कृषि एवं पशुपालन, कृषि केन्द, स्वयं सहायता समूह आदि के द्वारा स्वयं आत्मनिर्भर बनी व अन्य महिलाओं को भी इन गतिविधियों में शामिल कर कल्याणकारी कार्य कर रही है। सम्मान समारोह में आत्मनिर्भर महिलाओं को वनस्थली विद्यापीठ की डॉ. सृष्टि शास्त्री ने शॉल ओढाकर सम्मानित किया। उन्होने सन्देश दिया कि इस समारोह में महिला शक्तिकरण के कई आयाम सामने आए है एवं आत्मनिर्भर महिलाएँ ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पुण्यतिथि पर भण्डारे का आयोजन

कोटपूतली। स्वयंसेवी संस्था आओ साथ चले द्वारा कस्बे के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में आयोजित किये जा रहे प्रसाद्य अभियान में स्व. पांची देवी पत्नी प्यारेलाल पायला निवासी मौहल्ला बड़ाबास की तृतीय पुण्यतिथि पर उनके पुत्र पार्षद एड. मनोज पायला द्वारा भण्डारे का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि संगठन के राष्ट्रीय संयोजक विष्णु मित्तल की पहल पर विगत 05 जुलाई 2019 से उक्त अभियान का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय संयोजक आनंद मित्तल ने बताया कि अभियान में लोग जन्मदिवस, पुण्यतिथि, वर्षगांठ सहित अन्य उल्लेखनीय दिवसों पर स्वयं की ओर से भण्डारे का आयोजन कर रहे हैं। उक्त अभियान को क्षेत्रवासियों की काफी सराहना मिल रही है। साथ ही बड़ी संख्या में लोग भी इससे जुड़ रहे हैं। इस दौरान एड. सतपाल कसाना, अशोक अवाना, राहुल शर्मा, दयाराम टेलर, ईश्वर सैनी, राहुल पायला आदि मौजूद रहें।

मनोहरपुर नगर पालिका में प्रशासक नियुक्त

मनोहरपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य की विभिन्न नगर पालिकाओं में नवगठित बोर्ड बनने तक प्रशासकों की नियुक्ति की है। इसी क्रम में मनोहरपुर नगर पालिका में भी प्रशासक नियुक्त किया गया है। जिसमें स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिन नगर पालिकाओं के बोर्डों का कार्यकाल सितंबर-अक्टूबर 2025 में पूरा हो चुका है, वहां अब संबंधित उपखण्ड अधिकारी (एसडीएम) को नगर पालिका का प्रशासनिक कार्यभार सौंपा गया है। सरकार के इस निर्णय के बाद मनोहरपुर में अब प्रशासनिक कार्य नए प्रशासक (एसडीएम) की देखरेख में संचालित होंगे।

कार्यक्रम आज

निवाई। नगरपालिका मंडल निवाई के तत्वावधान में दशहरा महोत्सव को लेकर प्रताप स्टेडियम में सोमवार को पन्या सेफट व योगेश रजवाड़ा का मनोरंजन व बॉलीवुड म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी व पार्षद नितिन छाबडा ने बताया कि सोमवार को प्रताप स्टेडियम में मानसिंह, गौरासिंह के सानिध्य में बॉलीवुड म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम का आयोजन होगा एवं पन्या सेपट व योगेश रजवाड़ा, बॉलीवुड डांस ग्रुप, पिहू जैन एंड डांस ग्रुप द्वारा कई सांस्कृतिक व राजस्थानी कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएगी।

दयाशंकर पोसवाल बने जयपुर संभाग का सह प्रभारी

निवाई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के निर्देशानुसार संगठन को मजबूत करने और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ की गतिविधियों को प्रभावी बनाने के लिए संभागवार जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिसको लेकर रहड़ निवासी दयाशंकर पोसवाल को जयपुर संभाग का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

पदयात्रा रवाना

निवाई। वनस्थली में कल्याण पदयात्रा संघ के तत्वावधान में बालाजी मंदिर से डिग्गी के लिए 26 वीं पदयात्रा हारे का सहारा कल्याण हमारा के जयकारो एवं मंदिर पुजारी के सानिध्य मे ध्वजपूजन के साथ रवाना हुई। पदयात्रा सयोंजक रामसिंह राजावत व महामंत्री मुकेश शर्मा ने बताया कि पदयात्रा को लेकर सभी पदयात्री पुलिया वाले बालाजी मंदिर परिसर में एकत्रित होकर यात्रा पदाधिकारियों के सानिध्य मे पदयात्रा के ध्वज का विधिवत मंत्रोचारण के साथ पूजन किया एवं कल्याण महाराज की प्रतिमा को फूलों से सजे-धजे रथ में विराजमान कर गॉव में भ्रमण करवाकर पदयात्रा का शुभारम्भ किया।

पदयात्रा में महिलाएं रंग बिरंगे वस्त्र पहन कर मगंल गीत गाती एवं माताजी के जयकारे लगाती हुई चल रही थी। इससे पूर्व पंच-पटेलो ने पदयात्रा की सफलता के लिए पथवारी माता का पूजन कर महाआरती की। पदयात्रा प्रस्थान के दौरान जगह जगह श्रद्धालुओं ने नाश्ता खान पान व्यवस्थाएं की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के तहत सप्तशक्ति संगम में मातृशक्ति सम्मेलन सम्पन्न

दौसा। विद्या भारती राजस्थान एवं आदर्श शिक्षा समिति दौसा के संयुक्त तत्वावधान में तत्वावधान में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के तहत माध्यमिक बालिका आदर्श विद्या मंदिर में सप्तशक्ति संगम-मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सप्तशक्ति संगम-मातृ सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित एवं संस्कृत वंदना के साथ किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुय समाजसेविका रश्मि मीना ने पर्यावरण जागरूकता पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि भावना शर्मा ने भारत के विकास में नारी की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य वक्ता सप्तशक्ति संगम की प्रांतीय सह संयोजिका डॉ. मनीषा शर्मा ने कुटुंब प्रबोधन के सम्बन्ध में भारतीय दृष्टि विषय पर सारगर्भित उद्बोधन दिया।

सप्तशक्ति संगम-मातृ सम्मेलन में मंचासीन अतिथि तथा उपस्थित मातृशक्ति।

जिला संयोजिका निर्मला शर्मा ने सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी और मातृशक्ति के सांस्कृतिक एवं नैतिक सशक्तिकरण पर प्रेरक विचार रखे। बालिका शिक्षा प्रमुख रामोती गुर्जर ने बालिका शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रिनर्माण की दिशा पर प्रकाश डाला एवं आभार ज्ञापित किया। वहीं कार्यक्रम संयोजिका हेमलता मिश्रा ने सफल संयोजन किया।

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी, प्रेरणादायी महिलाओं के संस्मरण, अनुभव कथन, तथा विशिष्ट माताओं का सम्मान जैसे विविध चरणों ने आयोजन को जीवन्त बना दिया। कार्यक्रम का समापन अध्यक्षीय उद्बोधन, आभार ज्ञापन और शांति पाठ के साथ हुआ। विशेष आकर्षण के रूप में परिसर में हस्तनिर्मित उत्पादों की स्टॉल भी लगाई गई, जिनमें ग्रामीण एवं स्थानीय महिलाओं के द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का संचालन गायत्री देवी ने किया। इस अवसर पर मीना शर्मा, धनवंती मीना, हेमलता सैनी सहित अनेक महिलाएँ उपस्थित रहीं।

■ समारोह की अध्यक्षता करते हुय समाजसेविका रश्मि मीना ने पर्यावरण जागरूकता पर अपने विचार साझा किए

बयाना के बांगड़ फील्ड में किसान-मजदूर रैली निकाली

भरतपुर। बयाना के बांगड़ फील्ड मैदान में राष्ट्रीय लोकदल द्वारा आयोजित किसान-मजदूर रैली में भारी जनसैलाब उमड़ा। रैली को संबोधित करते हुए आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने किसानों, मजदूरों और युवाओं के हित में अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। जयंत चौधरी ने कहा कि आरएलडी हमेशा किसानों की आवाज़ को बुलंद करता रहा है और उनके हितों को सर्वोपरि रखकर काम करता है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी किसान, मजदूर और दलित वर्ग को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। भारत सरकार में रहते हुए भी हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसानों को अधिकतम लाभ कैसे पहुँचाया जाए।

जयंत चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा 60 हजार करोड़ रुपये की एक बड़ी परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिसमें देशभर के युवाओं को रोजगार देने पर फोकस किया जाएगा। इसी के तहत आईटीआई परियोजना लॉन्च की गई है, जिसमें बयाना की सरकारी आईटीआई को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि, आज भारत सरकार युवाओं को पहचान देने और उन्हें ताकतवर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, क्योंकि युवा सशक्त होंगे तभी देश आगे बढ़ेगा। भरतपुर जिले में कई हाईवे और फ्लाईओवर परियोजनाओं को भी स्वीकृति मिल चुकी है, जिन पर जल्द ही काम शुरू होगा। आरएलडी के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष जोगेन्द्र अवाना ने कहा कि वे पूरे प्रदेश में संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा, राजस्थान में आने वाले समय में रालोद के बिना सरकार नहीं बनेगी। रालोद प्रदेश में तीसरी बड़ी ताकत के रूप में उभरेगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में रालोद से जुड़ें और पार्टी को मज़बूती दें। इस ऐतिहासिक रैली में राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी, उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री अनिल कुमार गौतम, भरतपुर विधायक सुभाष गर्ग, पूर्व सांसद मलूक नागर, सुरजीत चौधरी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधन किया।

युवाओं, किसानों ने आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी का स्वागत किया।

भरतपुर जिले के बयाना की बांगड फील्ड में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुये किसान मजदूर सम्मेलन में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुभाष गर्ग के नेतृत्व में भरतपुर विधान सभा क्षेत्र से सैकडों की संख्या में किसान मजदूर, व्यापारी, सरपंच, जिला परिषद सदस्य सहित कार्यकर्ताओं ने शिरकत की।

सांभरझील रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होना बना अभिशाप

सांभरझील। जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में लगातार 15 साल से भाजपा के सांसद जीतने के बावजूद सांभर झील रेलवे स्टेशन पर महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव करवाने में असफल सिद्ध हो रहे है। फुलेरा विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीन दफा विधायक का चुनाव जीत चुके निर्मल कुमावत के प्रयासों का अभाव भी रहा है। यह बात अलग है कि इस दफा हार का सामना जरूर करना पड़ा क्योंकि क्षेत्र में उनके खिलाफ काफी अंदरूनी नाराजगी थी। खास बात बताना जरूरी है कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विन वैष्णव जिनका खुद का ससुराल सांभर के नजदीक नरैना में है उसके बावजूद सांभर रेलवे स्टेशन की अनदेखी यहां के सैकड़ो मुसाफिरों के लिए अभिशाप बन चुकी है।

वैसे अगर देखा जाए तो यहां के स्थानीय नेताओं ने कभी भी सांभर में रेलवे मंत्री को बुलाकर उनका अभिनंदन करने की जरूरत ही महसूस नहीं की, यहां के नेताओं का आपसी ईगो इस कदर हावी है कि उनके सकारात्मक सोच पूरी तरह से धूमिल हो चुकी है। सांभर से जयपुर प्रतिदिन सैकड़ों मुसाफिर अप डाउन करते हैं और उन्हें फुलेरा जाकर यहां से 7 किलोमीटर दूर ट्रेन पकड़नी पड़ती है। इन युवाओं की जिंदगी के हालत ऐसे हो गए हैं कि इन्हें खुद परिवार के लिए समय नहीं मिलता है। सुबह अंधेरे में निकलते हैं और रात को देर तक अपने घर लौटते हैं। डेली अप डाउन करने वाले यहां के लोगों को न तो राजनीतिक का सपोर्ट है, न ही किसी का सहारा जो उनकी पीड़ा को समझ कर दूर कर सके। कई दफा दैनिक रेल यात्री संघ ने भी अपनी आवाज को उठाया लेकिन इस आवाज को आगे तक पहुंचाने के लिए एक भी राजनेता आगे नहीं आया, बल्कि उन्हें मीठी गोलियां ही देता रहा। बता दें की सांभर में जिन ट्रेनों के ठहराव का अभाव है उसमें प्रमुख रूप से 14661 / 62 बाड़मेर जम्मूतवी एक्सप्रेस, 22977 / 78 जयपुर जोधपुर हाईकोर्ट एक्सप्रेस, 20489/90 बाड़मेर-मथुरा एक्सप्रेस, 20487/88 बाड़मेर दिल्ली एक्सप्रेस, 20843/44 जोधपुर बिलासपुर एक्सप्रेस, 20845/46 बीकानेर बिलासपुर एक्सप्रेस, 14087 / 88 जैसलमेर दिल्ली रूणिचा एक्सप्रेस, 59629/30 जयपुर शामिल है।

■ सांभर रेलवे स्टेशन की अनदेखी यहां के सैकड़ो मुसाफिरों के लिए अभिशाप बन चुकी है

मिलावटी दूध के ड्रमो से भरी पिकअप पकड़ी, 4200 लीटर दूध सड़क पर बहाकर नष्ट किया

खैरथल। दिवाली त्यौहार के मद्देनज़र खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग की आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला एवं खैरथल तिजारा जिला कलेक्टर किशोर कुमार के निर्देशन में जिले में चलाए गए मिलावट के खिलाफ अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार सुबह तड़के 4 बजे दूध से बड़े ड्रम लेकर जा रही पिकअप को तिजारा के पास फिरोजपुर हरियाणा रोड पर पकड़ा और गाड़ी में रखें ड्रम में मिलावटी दूध पाने पर करीब 4200 लीटर दूध को सड़क पर ही खाली कराकर नष्ट किया। मौके पर दूध के लीगल सैंपल लेकर खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजे गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सुबह 4 बजे टीम ने फिरोजपुर रोड, तिजारा के पास सफेद पिकअप वाहन और टाटा टेंपो (आरजे 02 4671) को रोका। वाहन में बड़ी टंकियों एवं ड्रमों में भरा हुआ मिश्रित दूध बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। मौके पर मोबाइल फूड टेस्टिंग वैन से जांच की गई, जिसमें दूध में प्रारंभिक मिलावट की पुष्टि हुई।

तिजारा के फिरोजपुर रोड पर गाड़ी मे मिलावटी दूध से भरे डर्मो को खाली कराते अधिकारी।

वाहन चालक आदिल पुत्र अलीम, निवासी ग्राम पालपुर तिजारा 22 वर्ष द्वारा बताया गया कि वह यह दूध फिरोजपुर पहुंचाने जा रहा था। इसके अतिरिक्त टीम ने एक अन्य टेंपो में लगभग 200 लीटर मिलावटी दूध भी पकड़ा, जिसे सरजीत पुत्र पुरण, निवासी ग्राम तिहली चला रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि वाहन का मालिक कृष्ण निवासी ग्राम भोजराजका, कोटकासिम है, जो कोटकासिम में एक डेयरी संचालित करता है और यह दूध उसी का था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस की सहायता से कुल 4200 लीटर मिलावटी दूध को मौके पर नष्ट किया गया।

इस दौरान विभाग की टीम में महिपाल सिंह, सुभाष यादव और रमेश उपस्थित रहे। अधिकारी ने बताया है कि यह अभियान 5 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025 तक चलाया जाएगा। त्योहारी सीजन में दूध, मावा, घी, तेल, नमकीन और मसालों की बढ़ती खपत को देखते हुए विभाग ने जिले में व्यापक निरीक्षण एवं सैंपलिंग अभियान प्रारंभ किया है।

■ तिजारा के पास फिरोजपुर रोड पर टीम ने पकड़ी पिंकअप गाड़ी फिरोजपुर हरियाणा ले जाया जा रहा था मिलावटी दूध

प्रागपुरा में धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन

पावटा। प्रागपुरा कस्बे में शनिवार को एक महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसमें प्रागपुरा मोक्षधाम सेवा समिति द्वारा अपने पूर्वजों के अन्तिम संस्कार के उपरान्त श्मशान भूमि में एकत्रित भस्म को हरिद्वार में पवित्र गंगा नदी में विसर्जन के लिए भेजा गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र पारिक, प्रागपुरा जीएसएस अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह शेखावत, इन्द्राज जांगिड़ और भामाशाह बजरंग लाल बंसल के द्वारा वाहन को हरी झंडी दिखा कर कस्बे के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में विधिवत हरिद्वार के लिए रवाना किया गया।

मोक्षधाम सेवा समिति के सदस्य प्रमोद शर्मा ने बताया कि समिति सदस्यों द्वारा सर्व समाज के श्मशान भूमि की भस्म को कट्टों में भरकर पीकअप वाहन द्वारा हरिद्वार गंगा में प्रवाहित करने के लिए भेजा गया है। जहां हरिद्वार गंगा नदी में भस्म विसर्जन करने के लिए एक दल भी वाहन के साथ रवाना हुआ है।

सार-समाचार

विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

फुलेरा । जोबनेर रोड स्थित एक निजी मैरिज गार्डन पर रविवार को समाजसेवी स्व. शांतिलाल पारीक की द्वितीय पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर नरेना से श्री दादू पीठाधीश्वर औमप्रकाश दासजी महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि फुलेरा के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, एमपीएस धन्नालाल नोदल, डॉ. जीएस राठौड़, धनराज शर्मा, पूनम कुमावत, पार्षद सरदार सिंह चौधरी रहे। आयोजक औमप्रकाश पारीक, नवरतन पारीक व वेदप्रकाश पारीक ने बताया कि फुलेरा ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें कुल 127 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। कार्यक्रम के दौरान विश्वनाथ पारीक, अनिल बंसल, देवेन्द्र टांक, मुकेश पारीक, अंकित पारीक सहित अन्य युवाओं ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों व रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

अजमीढ महाराज की जयंती मनाई

नारायणपुर । कस्बे के चौगान मंदिर प्रांगण में रविवार को मैढ क्षित्रय स्वर्णकार समाज की ओर से अजमीढ महाराज की जयंती बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक उल्लास के साथ मनाई गई। समाज के सैकड़ों लोग इस अवसर पर एकत्रित हुए और श्रद्धा भाव से अपने आराध्य देव की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम की शुरुआत अजमीढ महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से की गई। इसके बाद समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से आरती कर महाराज के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि अजमीढ महाराज का जीवन समाज में एकता, परोपकार और धर्म के पालन का प्रेरणास्त्रोत रहा है। इस अवसर पर समाज के लोगों ने उनके पदचिन्हों पर चलने और समाज में एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया। आयोजन समिति की ओर से आए अतिथियों का माल्यार्पण व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मैढ क्षित्रय स्वर्णकार समाज की ओर से सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी भावनाओं के साथ भाग लिया। मंदिर परिसर में भजनो का आयोजन हुआ, जिसमें कलाकारों ने भक्ति रस से ओतप्रोत भजनों की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। इस अवसर पर समाज सुधार और एकता पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने समाज के युवाओं को शिक्षा, संस्कार और सेवा भावना से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में ओमप्रकाश सोनी, कन्नू सोनी, अशोक कुमार सोनी, राजकुमार सोनी, निहालचंद सोनी, राहुल खिप्पल, राकेश कुमार बबेलिया, गिरीश सोनी, गौतम सोनी, पुरुषोत्तम सोनी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना का द्वितीय एकदिवसीय विशेष शिविर आयोजित

फुलेरा। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को विद्यालय में प्रधानाचार्या नवीता वर्मा के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना का द्वितीय एकदिवसीय विशेष शिविर कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी मीणा के द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ एनएसएस का गीत गाकर किया गया। स्वयंसेविकाओं द्वारा विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की गई। साथ ही परिसर में लगे परिण्डे एवं पौधों की देखभाल भी की गई उसके बाद व्याख्याता अनीता कुमारी ने स्वयं सेविकाओं को गुड टच - बेड़ टच के बारे में जानकारी देकर छात्राओं को जागरूक किया गया। इसके बाद गोद ली हुई बस्ती बड़ की कोठी में स्थित सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई करवाई गई। इस दौरान विद्यालय से फुलेरा के सार्वजनिक स्थानों से गुजरते हुए स्वयंसेविकाओं ने जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें स्वच्छता सम्बन्धित नारें लगाते हुए आम जनता को संदेश दिया। इस अवसर पर अनीता पीटर, शर्मिला भाटिया, मनोहर सिंह, ललितमोहन शर्मा, गिरिराज सांभरिया, सपनादेवी कुमावत, धर्मराज खाडेकर, अर्जुनसिंह मीणा, कमला बागड़ी, शर्मिला भाटिया, बीना मौर्य, तरुणा बंसल, चन्द्रशेखर त्यागी, वर्षा शर्मा, एकता वर्मा, बन्दना सैनी, राहुल बोदल्या, सुनीता देवी सहित अन्य विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

सड़क से बाहर आए सरीए, पिकअप गाड़ी का टायर फटा

सांभरझील। यहां तेली दरवाजा जाने वाले मार्ग से होकर दाहिनी तरफ जाने वाले रास्ते के छोर पर नाले पर लगे फेरो कवर के क्षितग्रस्त होने के कारण सरिए बाहर निकल आए हैं। यह रास्ता सिंधी मोहल्ला की तरफ जाता है, जो थोड़ा ऊंचाई पर है। जिस जगह सड़क से बाहर निकल कर सरिए दिखाई दे रहे हैं, वहां के नाले का फेरो कवर उखड़ चुका है। सड़क से उखड़ कर बाहर आए सरिए किसी भी राहगीर या वाहन चालक के लिए दुर्घटना का बड़ा कारण बन सकता है। इसी मार्ग पर रहने वाले फल सब्जी थोक विक्रेता हेमंत चांदवानी बताते हैं कि कुछ दिनों पहले उनकी पिकअप गाड़ी के पहिए में सरीया अंदर तक घुस गया था और टायर दो फाड़ हो गए। पालिका की कमान संभालने वाले प्रमुख के कान पर अभी तक जूं नहीं रेंग रही है, क्योंकि खुद पीड़ित ने कई दफा इसकी शिकायत कर इसे ठीक कराने का अनुरोध किया तो, हां कराते हैं, हां कराते कहकर अभी तक ठीक नहीं कराया जा रहा है।

रास्ते की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

बौंली- बामनवास । जलदाय विभाग कार्यालय बौंली पर स्थित पानी की टंकी के ऊपर रविवार को एक युवक पेट्रोल की बोतल लेकर टंकी पर चढ़ गया। सूचना पाकर पुलिस व प्रशासन अधिकारी मौके पर पहुंचे एवं युवक को समझाइस कर करीब 4 घंटे बाद नीचे उतारा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक हरज्ञान गुर्जर निवासी गोल थाना मित्रपुरा करीब 2 वर्षों से आम रास्ता खुलवाने को लेकर प्रयासरत है, इसने अपने परिवार के साथ एसडीएम कार्यालय बौंली के बाहर भी धरना प्रदर्शन किया था। मामला पेचीदा होने के कारण प्रशासन भी कुछ नहीं कर पा रहा है, इस भूमि पर न्यायालय द्वारा यथा स्थिति का आदेश है, जिस मार्ग से युवक रास्ता चाहता है वह प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से बंधा है, इस रास्ते पर प्राकृतिक बरसाती नाला है जिस पर प्रशासन किसी भी हालत में आम रास्ता नहीं दे सकता। युवक सुरज्ञान ने टंकी पर चढ़कर पेट्रोल की बोतल अपने ऊपर डालली एवं बेसुध होकर टंकी की सीढ़िया पर लेट गया, जिससे पुलिस, प्रशासन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा एवं उससे माइक द्वारा वार्ता कर पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने उसे पूर्ण सहयोग करने का वादा कर नीचे उतारा, इस दौरान काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए, और तमाशा देखकर वीडियो बनाते रहे।

सप्तशक्ति संगम का आयोजन

चाकसू। कस्बे केउच्च माध्यमिक बालिका आदर्श विद्या मंदिर में सप्तशक्ति संगम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर दीप मंत्र व सरस्वती वंदना के साथ कि गई।प्रधानाचार्य सीमा शर्मा द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुमन कुमावत द्वारा कुटुंब प्रबोधन व पर्यावरण के संबंध में भारतीय दृष्टि विषय पर उद्बोधन तथा मुख्य वक्ता शैलजा शर्मा द्वारा भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर मुख्य उद्बोधन रहा। डॉ सुषमा अटल द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन के बाद रचना शर्मा ने समस्त मातृ शक्ति को सप्तशक्ति संगम के उद्देश्य हेतु समस्त मातृ शक्ति को संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में ज्योति यादव सेवा भारती सदस्य जयपुर तथा मंडल अध्यक्ष कृष्णा सैनी की गरिमामय उपस्थिति पस्थिति रही। मातृशक्ति के लिए प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई तथा रानी हाड़ी की प्रस्तुति द्वारा विद्यालय की बहिनों द्वारा विदुषी महिलाओं का परिचय करवाया गया। विशिष्ट माताओ का सम्मान किया गया।

बांध की मोरी तोडने से बहा पानी, किसानो ने किया प्रदर्शन

टोंक। गणेता सागर बांध की मोरी तोड़ने के विरोध में किसानो ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर अतिरिक्त कलेक्टर राम रतन सोकरिया को ज्ञापन देकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग कीइस दौरान किसानो ने बताया कि टोंक उपखण्ड क्षैत्र के गणेता ग्राम पंचायत में काफी बरसों पुराना गणेता सागर बांध बना हुआ है, इसके पूरा भरने के बाद गणेता, गणेती, गणेशगंज, गाणोली व जैकमाबाद गांवों की 2 हजार बीघा जमीन सिंचित की जाती है। लेकिन कुछ अज्ञात व्यक्तियो द्वारा बांध की मोरी तोड़ दी, जिससे बांध का काफी पानी व्यर्थ बह गया। इससे अब मवेशियों के पीने के पानी के अलावा इन गांवों के किसानों की हजारों बीघा जमीन को सिंचाई का पानी मिलना मुश्किल हो गया है।

बेटा हर फॉर्मेट के लिए तैयार है। उम्मीद है कि लगातार मेहनत से वनडे टीम में भी अपनी स्थायी जगह बना लेगा। ध्रुव को पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने गए हैं। – नेमचंद जुरेल

ध्रुव जुरेल के पिता, अपने बेटे को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हेनरी थॉर्नटन

ऑस्ट्रेलिया-ए के तेज गेंदबाज़ हेनरी थॉर्नटन को भारत ए के खिलाफ चल रही अनौपचारिक एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान पेट में गंभीर संक्रमण के बाद कानपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। माना जा रहा है कि यह संक्रमण फ़ूड पॉइजनिंग के कारण हुआ है। 27 वर्षीय यह तेज गेंदबाज होटल में टीम के डिनर के तुरंत बाद बीमार पड़ गया और उसे इलाज के लिए रीजेंसी अस्पताल ले जाया गया। टीम प्रबंधन ने बताया कि थॉर्नटन को कानपुर पहुंचने से पहले ही हल्के पेट दर्द के लक्षण महसूस हो रहे थे। हालांकि, टीम के पहुंचने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई।

क्या आप जानते हैं ?... साल 2009 से 2024 तक भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच कुल 16 20 मैच खेले गए हैं।

एशिया कप 2025 ट्रॉफी चोरी की शिकायत पर दुबई पुलिस ने दी त्वरित स्वीकृति

लखनऊ, 5 अक्टूबर। दुबई में 27 सितंबर 2025 को संपन्न हुए एशिया कप 2025 फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी चोरी के गंभीर मामले पर लखनऊ निवासी एक क्रिकेट प्रेमी संजय शर्मा ने दुबई पुलिस को औपचारिक शिकायत की है। बीते 30 सितम्बर को भेजी गई शिकायत में बताया गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष एवं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को कानूनी तरीके से विजेता भारतीय टीम को सौंपने के बजाय अपने कब्जे में ले लिया। शिकायत में इस ग़ैरकानूनी कृत्य को क्रिकेट समुदाय के लिए गहरा आघात बताया गया है, जिससे भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में व्यापक रोष व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने दुबई पुलिस विभाग से मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच करने, दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा ट्रॉफी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इस शिकायत की सूचना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और संबंधित अन्य क्रिकेट संस्थाओं को भी दी गई है। दुबई पुलिस ने प्राप्त शिकायत का शीघ्र उत्तर देते हुए 48 कार्यघंटों में वापसी का भरोसा भेजा है । यह मामला न केवल खेल के नैतिक आदर्शों के उल्लंघन का प्रश्न है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट की प्रतिष्ठा और खेलों में पारदर्शिता व जवाबदेही के सिद्धांतों की भी परीक्षा है। भारतीय क्रिकेट समर्थक संजय शर्मा के प्रयास और दुबई पुलिस की इस कार्रवाई से खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही न्याय होगा।

अनिसिमोवा ने नोस्कोवो को हराकर चाइना ओपन महिला एकल खिताब जीता

बीजिंग, 5 अक्टूबर। अमांडा अनिसिमोवा ने रविवार को यहां महिला एकल फाइनल में चेक गणराज्य की उभरती हुई स्टार लिंडा नोस्कोवा को 6-0, 2-6, 6-2 से हराकर अपना पहला चाइना ओपन खिताब जीता। सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त और हमवतन कोको गॉफ को 6-1, 6-2 से हराने के एक दिन बाद, 24 वर्षीय तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अपनी लय बरकरार रखी और बिना कोई गेम गंवाए पहला सेट जीत लिया। 20 वर्षीय नोस्कोवा ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की और अपनी लय हासिल करते हुए मैच को एक-एक सेट से बराबर कर दिया। हालाँकि, अनिसिमोवा ने निर्णायक सेट में जल्दी ही ब्रेक लिया और नियंत्रण बनाए रखते हुए 6-2 से जीत हासिल की। मैच के बाद अनिसिमोवा ने कहा, ''ये हफ़्ते अविश्वसनीय रहे हैं। लिंडा बहुत छोटी है। मुझे यकीन है कि हमें और भी फ़ाइनल खेलने को मिलेंगे।मैं सभी प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ, और मेरा मानना है कि हर खिलाड़ी इस समर्थन को महसूस कर सकता है। मैंने यहां सबसे अच्छा समय बिताया।'' नोस्कोवा का फ़ाइनल तक का सफ़र डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, क्योंकि उन्होंने घरेलू पसंदीदा झेंग किनवेन और पांचवीं वरीयता प्राप्त संयुक्त राज्य अमेरिका की जेसिका पेगुला सहित कई शीर्ष खिलाड़ियों को हराया। पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 फ़ाइनल में पहुंचने वाली नोस्कोवा ने कहा, ''फ़ाइनल में पहुंचना मेरे लिए एक सुखद आश्चर्य और अविस्मरणीय अनुभव था।'' महिला युगल फ़ाइनल में, दूसरी वरीयता प्राप्त इटली की जैस्मीन पाओलिनी और सारा एरानी ने जापान की मियू काटो और हंगरी की फैनी स्टोलर को 6-7(1), 6-3, 10-2 से हराकर चाइना ओपन महिला युगल ख़िताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली जोड़ी बन गईं।

श्रीलंका ने कोचिंग पैनल में फेरबदल किया

कोलंबो, 5 अक्टूबर। श्रीलंका क्रिकेट ने पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के लिए कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव करते हुए तहत जूलियन वुड को नया बल्लेबाजी कोच और रेन फर्डिनेंड्स को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। वुड टीम के साथ एक साल के अनुबंध पर नए बल्लेबाजी कोच के रूप में शामिल होंगे, जबकि फर्डिनेंड्स, विशेषज्ञ स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महेश थीक्षाना के साथ मिलकर नए स्पिन गेंदबाजी कोच की भूमिका निभाएंगे। यह जोड़ी थिलिना कंदाम्बी और पियाल विजेतुंगे की जगह लेगी। दोनों कोच अनुभवी हैं और उन्होंने श्रीलंकाई टीम को मजबूत बनाने का भरोसा दिया है। श्रीलंका क्रिकट ने विज्ञिप्त में कहा, वह (वुड) अपने साथ अपार अनुभव लेकर आए हैं, उन्होंने पहले इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी), ग्लूस्टरशायर सीसीसी, हैम्पशायर सीसीसी, मिडलसेक्स सीसीसी और आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स सहित अन्य के साथ काम किया है। 56 वर्षीय फर्डिनेंड्स ने अपने कोचिंग करियर से पहले प्रथम श्रेणी क्रिकेट में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया था। विज्ञिप्त के अनुसार, वाइकाटो विश्वविद्यालय से बायोमैकेनिक्स में पीएचडी प्राप्त फर्डिनेंड्स क्रिकेट प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए विज्ञान के अनुप्रयोग में व्यापक विशेषज्ञता रखते हैं। उन्होंने पहले भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के साथ काम किया था, जहां उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों और कोचों के लिए बायोमैकेनिक्स-आधारित कोचिंग कार्यक्रम प्रदान किए थे। कलाई और उंगली की स्पिन दोनों के विशेषज्ञ, रेने ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए बायोमैकेनिक्स सलाहकार के रूप में भी काम किया है, जहां उन्होंने प्रमुख गेंदबाजों के प्रदर्शन का मूल्यांकन और चोट-जोखिम का आकलन किया है।

विमेंस वर्ल्ड कप में भारत ने 88 रनों से पाकिस्तान को हराया

क्रांति-दीप्ति को 3-3 विकेट

कोलंबो, 5 अक्टूबर। आठवें नंबर की बल्लेबाज ऋचा घोष की 20 गेंदों पर नाबाद 35 रन की तूफानी पारी के बाद क्रांति गौड और दीप्ति शर्मा (तीन-तीन विकेट), स्नेह राणा (दो विकेट) के बहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को महिला विश्व कप के छठे मुकाबले में पाकिस्तान को 88 रनों से हरा दिया। यह भारत की पाकिस्तान पर लगातार 12वीं जीत है। 248 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खबरा रही और उसने 26 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। मुनीबा अली (दो), सदफ शम्स (छह) और आलिया रियाज (दो) रन बनाकर आउट हुई। सिदरा आमीन और नतालिया परवेज की जोड़ी ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। गौड ने परवेज (33) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। सिदरा आमीन ने 81 रनों की पारी खेली। उन्हें स्नेह राणा ने आउट किया। 43वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने सादिया इकबाल (शून्य) को आउटकर पाकिस्तान की पारी का 159 के स्कोर पर अंत कर दिया। यह भारतीय टीम की पाकिस्तान पर लगातार 12वीं जीत है।

भारतीय महिला टीम की ओर से क्रांति गौड और दीप्ति शर्मा (तीन-तीन विकेट), स्नेह राणा (दो विकेट) लिये। इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 247 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। ऋचा घोष ने 20 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 35 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। हरलीन देओल ने 65 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 46 रन बनाये। भारत एक समय अपने छह विकेट 201 रन पर गंवाकर संघर्ष कर रहा था लेकिन ऋचा ने आने के बाद ही अपने शॉट खेले और उनकी तेज-तर्रार पारी ने भारत को 247 रनों तक पहुंचा दिया। यह कोई बड़ा स्कोर नहीं था, लेकिन धीमी दिख रही पिच पर यह निश्चित रूप से उपयोगी था।

मैच रेफरी की गलती से भारत टॉस हारा : विमेंस वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में रेफरी की गलती की वजह से भारतीय टीम टॉस हार गई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला, तो पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टेल्स कहा। सिक्का जमीन पर हेड्स गिरा। साउथ अफ्रीका की मैच रेफरी शांद्रे फ्रिट्ज गलती से सना की कॉल को हेड्स सुन लिया था। उन्होंने पाकिस्तान को टॉस की विजेता घोषित किया।

कीड़ों से प्रभावित हुआ भारत-पाकिस्तान मैच

कोलंबो, 5 अक्टूबर। भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में खेला जा रहा महिला विश्व कप का मैच 15 मिनट के लिए रुका रहा, क्योंकि मैदान पर कीड़ों के झुंड को हटाने के लिए फ़्यूमिगेशन किया गया। इससे पहले भी खेल एक बार रुका था, जब इससे हल्के तरीकों से कीड़ों को हटाने की कोशिश की गई थी।

हालांकि फ़्यूमिगेशन का असर ज़्यादा देर तक नहीं रहा। माना जा रहा है कि ये कीड़े, पंख वाले दीमक थे, जो स्टेडियम की फ़्लडलाइट्स की तरफ आकर्षित होकर फिर से मैदान पर वापस लौट आए। खेल दोबारा शुरू होने के 10 मिनट के अंदर ही कीड़े फिर से आने लगे और खेल में देरी करते रहे। पाकिस्तान की ऑफ स्पिनर रमीन शमीम को 38वें ओवर में आंख से कीड़ा निकलवाना पड़ा।

कीड़े भारत की पारी के लगभग 20वें ओवर के आसपास नजर आने लगे, जब सूरज ढल रहा था। भारत के बल्लेबाज़ों और पाकिस्तान के गेंदबाज़ों दोनों को परेशानी झेलनी पड़ी। नशरा संधू को ख़ास तौर पर इस झुंड से दिक्कत हुई। पारी के 28वें ओवर में पांच गेंदों के बाद संधू और कप्तान फ़ातिमा सना ने बग स्प्रे मंगवाया और उसे गेंदबाज़ी क्रीज और अपने कपड़ों पर लगाया। कीड़ों की वजह से जब पहली बार खेल रुका, तो उसी दौरान ड्रिंक्स ब्रेक भी जल्दी ले लिया गया, लेकिन कीड़े मैदान के बीच में ही उड़ते रहे।

34 ओवर पूरे होने के बाद खेल फिर से रोका गया और खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए। इस दौरान गैस मास्क पहने एक शख़्स फ़्यूमिगेशन मशीन (फ़ॉगिंग मशीन) लेकर मैदान पर आया। कुछ ही मिनटों में पूरा मैदान धुएं से ढक गया। धुआं साफ होने के बाद खेल दोबारा शुरू हुआ।

श्रीलंका में कीड़ों की वजह से खेल रुकना आम नहीं है, लेकिन ऐसा पहले भी हुआ है। कुछ प्रजातियों के दीमक ख़ासकर बरसाती मौसम में बारिश के बाद झुंड बनाकर निकलते हैं। इस मैदान पर शनिवार को बारिश हुई थी, जब श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया का मैच बिना गेंद फेंके रद्द करना पड़ा था।

4000 रन और 300 विकेट के डबल के बेहद करीब पहुंचे जडेजा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। अहमदाबाद में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपने आलराउंड प्रदर्शन से प्लेयर ऑफ द मैच बने दुनिया के नंबर एक आलराउंडर भारत के रवींद्र जडेजा 4000 रन और 300 विकेट के डबल के बेहद करीब पहुंच गए हैं। जडेजा को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए केवल 10 रन और चाहिए ताकि वे इस क्लब के चौथे सदस्य बन सकें। जडेजा दिल्ली में होने वाले दूसरे टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। 5000 रन और 400 विकेट वाले क्लब में वर्तमान में केवल कपिल देव हैं। अब वहां तक जडेजा भी पहुंच सकते हैं। इस उपलब्धि के बारे में पूछे जाने पर पहले टेस्ट के बाद जडेजा ने हंसते हुए कहा, ''अब आप मुझ पर दबाव डाल रहे हैं। मुझे सोचना पड़ेगा कि कैसे 1000 और रन बनाएं और 60-70 और विकेट लें। उनके खाते में 3990 रन और 334 विकेट हैं।

इस समय मैं अपनी क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं। मैं रिकॉर्ड या मील के पत्थर के बारे में नहीं सोच रहा। मैं सिर्फ़ अपनी फ़िटनेस पर काम कर रहा हूं और क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं। जब भी मैं घर में होता हूं। हमेशा फ़िटनेस पर काम करता हूं ताकि मैं वही करता रहूं जो इतने सालों से कर रहा हूं।'' 36 साल की उम्र में रवींद्र जडेजा मैदान पर अभी भी सक्रिय हैं। उन्होंने पहले टेस्ट में नाबाद 104 रन बनाये और दूसरी पारी में चार विकेट लिए। अहमदाबाद में यह शतक जडेजा के लिए 2025 में बल्ले से एक शानदार साल को और लंबा करता है। इस साल अब तक उन्होंने सात टेस्ट में 82.37 औसत के साथ 659 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। इसमें से 516 रन इंग्लैंड में आए। वहां उनके आठ पारियों में छह 50 स्कोर शामिल थे।

आयरलैंड नवंबर में बांग्लादेश का दौरा करेगा

ढाका, 5 अक्टूबर। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को घोषणा की कि आयरलैंड 6 नवंबर को दो टेस्ट और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की एक पूर्ण श्रृंखला खेलने के लिए बंगलादेश आएगा। यह दौरा दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से शुरू होगा, जिसका पहला टेस्ट 11 नवंबर से सिलहट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक ढाका के शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसके साथ टेस्ट श्रृंखला समाप्त होगी। मुशफिकुर रहीम के इस मैच के साथ 100 टेस्ट मैच खेलने का आंकड़ा छूने की उम्मीद है।

टेस्ट मैचों के बाद, दोनों टीमें 24 नवंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज़ के लिए चटगांव जाएंगी। पहला टी20 मैच 27 नवंबर को बीर श्रेष्ठ शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोतीउर रहमान क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा टी20 मैच क्रमशः 29 नवंबर और 2 दिसंबर को खेला जाएगा। बंगलादेश ने आखिरी बार जून में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेली थी, जिसमें उसे 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था।

महिला विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया

कोलंबो, 5 अक्टूबर। पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैचों में भारत के हाथ न मिलाने के रुख को जारी रखते हुए, कप्तान हरमनप्रीत कौर और फातिमा सना ने रविवार को कोलंबो में महिला विश्व कप 2025 के अपने मुकाबले में टॉस के समय एक-दूसरे से हाथ न मिलाने का रुख अपनाया।

क्रिकबज़ ने पहले बताया था कि आईसीसी मैच अधिकारी मैदान पर किसी भी अवांछित घटना से बचने के लिए मैच के दिन के प्रोटोकॉल के बारे में दोनों टीमों को पहले से ही अलग-अलग जानकारी देने वाले थे। यह फैसला दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच चल रहे तनाव के बीच आया है, जो पुरुष एशिया कप 2025 के दौरान हुए कई विवादों के बाद सामने आया है।

इसकी शुरुआत तब हुई जब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच के बाद मैच के बाद हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने प्रसारणकर्ता के साथ मैच के बाद के साक्षात्कार में हिस्सा नहीं लिया, जिसके बाद पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के साथ उनकी बैठक का फुटेज सार्वजनिक रूप से जारी किया। पाकिस्तान ने उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, लेकिन इस मामले पर उनकी अचानक हुई बैठक – जिसका एक वीडियो सामने आया – के कारण उन्हें टूर्नामेंट अधिकारियों ने आचरण उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई।

पाकिस्तान ने उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट में उनकी निरंतर भागीदारी के लिए पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, जिसके बाद एक अचानक हुई बैठक हुई, जिसके वीडियो के कारण उन्हें टूर्नामेंट अधिकारियों ने आचरण उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई। अगले सुपर फॉर मैच के दौरान यह मतभेद और गहरा गया जब कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर तीखे इशारे किए। फ़ाइनल में कड़ी टक्कर के बाद, भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से विजेता ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जो वर्तमान में एशियाई क्रिकेट परिषद और पीसीबी दोनों के अध्यक्ष हैं और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं। नकवी ट्रॉफी देने के लिए किसी और को न सौंपने के लिए तैयार नहीं थे, इसलिए भारतीय खिलाड़ियों ने 90 मिनट की लंबी देरी के बाद बिना ट्रॉफी के ही जश्न मनाया।

महिला टीमें हाथ मिलायेंगी या नहीं, यह एक बड़ा मुद्दा था, यहां तक कि क्रिकेट पर भी इसका असर पड़ा, विश्व कप मुकाबले से पहले, जिसके लिए कोलंबो पाकिस्तान का तटस्थ बेस है। भारत इस टूर्नामेंट का निर्धारित मेजबान है, लेकिन दोनों देश एक-दूसरे की धरती पर नहीं खेलते। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने मैच के दिन की अपनी दिनचर्या मैच के निर्धारित समय से लगभग 90 मिनट पहले शुरू की, जब आसमान धूप से बादलों में बदल गया। शनिवार को इसी मैदान पर शाम तक लगातार बारिश के कारण श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच रद्द हो गया था।

भारत ने मैदान के एक तरफ अपना अभ्यास सत्र आयोजित किया, उसके बाद कुछ खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेला, जबकि अरुंधति रेड्डी और राधा यादव ने अपनी निर्धारित साइड पिच पर थोड़ी देर के लिए गेंदबाजी की।

शेष भारत को हराकर विदर्भ ने तीसरी बार जीती ईरानी ट्रॉफी

नागपुर, 5 अक्टूबर। हर्ष दुबे (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने रविवार को शेष भारत को 93 रनों से हराकर तीसरी बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता। शेष भारत ने कल के दो विकेट पर 30 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में शेष भारत ने अपना तीसरा विकेट कप्तान रजत पाटीदार (10) का विकेट 28 रन जोड़कर गंवा दिया। उन्हें आदित्य ठाकरे ने अपनी ही गेंद पर आउट किया। इसके बाद दर्शन नालकंडे ने ऋतुराज गायकवाड़ (सात) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

यश ढुल ने इशान किशन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में हर्ष दुबे ने इशान किशन (35) को आउटकर शेष भारत की मैच जीतने की उम्मीद को झटका दिया। सारांश जैन और यश ढुल के बीच छठे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। पार्थ रेखड़े ने सारांश जैन (29) को पगबाधा आउटकर विदर्भ को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद यश ठाकुर ने यश ढुल को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। यश ढुल ने शेष भारत के लिए सबसे अधिक 92 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 117 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाया। अंशुल कम्बोज (तीन) और आकाश दीप (शून्य) पर आउट हुये। 74वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हर्ष दुबे ने गुरनूर बरार (सात) को आउटकर 267 के स्कोर पर शेष भारत की दूसरी पारी का अंत करते हुए 93 रनों से मुकाबला जीत लिया।

विदर्भ के लिए हर्ष दुबे ने चार विकेट लिये। आदित्य ठाकरे और यश ठाकुर को दो-दो विकेट मिले। पार्थ रेखड़े और दर्शन नलकंडे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले विदर्भ ने पहली पारी में 342 रन तथा दूसरी पारी में 232 रन का स्कोर किया। शेष भारत ने पहली पारी में 214 रन बनाये थे और उसे दूसरी में जीत के लिए 361 रनों का लक्ष्य मिला था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विदर्भ ने वर्ष 2017-18 और 2018-19 में दो बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता है।

राजस्थान के चेतन की अर्द्धशतकीय पारी

अंडर-23 चैलेंजर ट्रॉफी : प्रशांत माली का शतक, मिनाफशेख, समरजीत, राहुल गर्ग के अर्द्धशतक

जयपुर, 5 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 – 26 की अंडर 23 प्रतियोगिता की पूर्व तैयारियों के लिए जयपुर में राजस्थान –पंजाब अंडर 23 टीमों के मध्य खेले जा रहे अभ्यास मैच के दूसरे दिन स्कोर :- राजस्थान – पंजाब अंडर23 अभ्यास मैच के दूसरे दिन चेतन शर्मा के अर्धशतक की सहायता से दूसरे दिन राजस्थान मजूबत, राजस्थान पहली पारी : 322 आल आउट, टीम के लिए सर्वज्ञ पानेरी नाबाद 122, चेतन शर्मा 51 रनोका योगदान दिया। पंजाब के गेंदबाज अमनजोत सिंह 86 /5 विकेट। पंजाब पारी 138/4, टीम के लिए रिधम सत्यवान नाबाद 40 व देव नाबाद27 रन। राजस्थान के गेंदबाज गणेश सुथार 20 /2 व विश्वजीत सिंह 26/2 विकेट। अंडर 23 चैलेंजरट्रॉफी मल्टी डेज (पहले दिन का खेल) :- टीम सी – टीम बी, टीम सी पारी 285/5, टीम के लिए प्रशांत माली 103, मिनाफशेख नाबाद 71, युवराज 41 व हर्षवर्धन नाबाद 21 रनटीम ऐ – टीम डी, टीम ऐ पारी 325/6, टीम के लिए विजय कम्बोज 79, समरजीत 61, राहुल गर्ग नाबाद 53, नमन जोशी 44, यश सांखला 36 रन, टीम डी के गेंदबाज पुलकित गुप्ता 28/2 विकेट।

घरेलू मैदान पर ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए तैयार भारत

गुवाहाटी, 5 अक्टूबर। उन्नित हुड्डा और रक्षिता श्री जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी और एक मौजूदा और पूर्व जूनियर विश्व नंबर 1 खिलाड़ी सहित एक मजबूत लाइन-अप से उत्साहित, मेजबान भारत सोमवार से यहां राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए तैयार है। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 17 साल के अंतराल के बाद भारत लौटी है और 6 से 19 अक्टूबर तक दो चरणों में खेली जाएगी। पहले चरण में 36 टीमें मिश्रित टीम चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित सुहांदिनाता कप के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, उसके बाद आई-लेवल कप के लिए व्यक्तिगत चैंपियनशिप होंगी। भारत ने चैंपियनशिप के इतिहास में अब तक कुल 11 व्यक्तिगत पदक जीते हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2008 में पुणे में स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने के रूप में रहा है। मौजूदा भारतीय दल में इस संख्या को पार करने और मिश्रित टीम पदक जीतने की क्षमता है, जिसका श्रेय टीम की मजबूती को जाता है जिसने मेजबान टीम को चैंपियनशिप में दूसरी वरीयता दिलाने में मदद की है। ग्रुप एच में संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और नेपाल के साथ, भारत इस ग्रुप में शीर्ष पर रहने और नए शुरू किए गए बेस्ट-ऑफ-थ्री सेट रिले-स्कोरिंग प्रारूप में पदक के लिए चुनौती पेश करने का प्रबल दावेदार है।

सबालेंका और स्वियाटेक वुहान ओपन ड्रॉ में शीर्ष पर

वुहान, 5 अक्टूबर। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और नंबर दो खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को शनिवार को 2025 डब्ल्यूटीए वुहान ओपन के एकल वर्ग के ड्रॉ में विपरीत हिस्सों में रखा गया है। चीन के शीर्ष खिलाड़ी घरेलू मैदान पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। चीन का प्रतिनिधित्व मुख्य ड्रॉ में सीधे तौर पर झू लिन, वांग शिन्यू, युआन यू और अनुभवी झांग शुआई करेंगे। स्थानीय पसंदीदा झेंग किनवेन ने चोट से उबरने के लिए शुक्रवार को नाम वापस ले लिया। सबालेंका, स्वियाटेक और कोको गॉफ 1,000 रैंकिंग अंकों और 3.65 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कुल पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

सितंबर पोलो सीजन 2025 : भावनगर पोलो ट्रॉफी की विजेता रही टीम विमल एरियन अचीवर्स

जयपुर, 5 अक्टूबर। सितंबर पोलो सीजन 2025 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में रविवार को भावनगर पोलो ट्रॉफी (6 गोल) के लिए फाइनल मैच आयोजित हुआ। यह मुकाबला विमल एरियन अचीवर्स और मेफेयर पोलो आर्टिज टीम के बीच खेला गया।

इस फाइनल मुकाबले में विमल एरियन अचीवर्स ने 5-2 के स्कोर से मेफेयर पोलो आर्टिज टीम को शिकस्त देकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस अवसर पर कैरेसिल लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, चिराग पारेख मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस मैच के मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का खिताब डीनो धनखड़ ने जीता।

विजेती टीम विमल एरियन अचीवर्स से बाउटिस्टा अल्बर्डी ने 3 गोल और शमशीर अली ने 2 गोल किए। टीम से अन्य खिलाड़ी डॉ शिवांगी जय सिंह और साविर मेहराज गोदारा भी खेले। वहीं, मेफेयर पोलो आर्टिज टीम के लिए डीनो धनखड़ ने 2 गोल किए। टीम में अनय शाह, विश्वरूपे बजाज और डेनियल ओटामेंडी भी शामिल थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने 128 ब्लू लाइन बसें रोडवेज़ को सौंपीं

उन्होंने कहा, 357 ग्रामीण मार्गों पर नई बसें चलेंगी व 169 ग्राम पंचायतों को बस सेवा से जोड़ेंगी

जयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान में सार्वजनिक परिवहन को सशक्त और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राजधानी जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति से 128 आधुनिक ब्लू लाइन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा और वॉल्वो, स्केनिया व एसी बसों में सीट पर भोजन सेवा का भी शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि ये बसें प्रदेश के 23 आगारों में संचालित होंगी।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नई बस सेवाएं रैवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर आधारित हैं तथा यात्रियों को रोडवेज़ की निशुल्क व रियायती यात्रा योजनाओं का लाभ मिलेगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अमर जवान ज्योति से 128 आधुनिक ब्लू लाइन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बसों का उपयोग 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा में होगा।

'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' सेवा के तहत 357 ग्रामीण मार्गों पर नई बसें शुरू की गई हैं। इस सेवा से 169 ग्राम पंचायतों को जोड़ा गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं तक सीधी पहुँच मिलेगी। यह सेवा रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर आधारित है और इनमें यात्रियों को रोडवेज की नि:शुल्क एवं रियायती यात्रा योजनाओं का लाभ मिलेगा इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने नई बसों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से सभी सुविधाओं की जानकारी ली। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, और रोडवेज अध्यक्ष शुभ्रा सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

एसआईटी ने एक्टर विजय की रैली में भगदड़ की जाँच शुरु की

चेन्नई, 5 अक्टूबर। मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा गठित विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने 27 सितंबर को अभिनेता और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की रैली में मची भगदड़ के बारे में जानकारी जुटाने के लिये त्रासदी स्थल वेलुसामीपुरम से रविवार को अपनी जाँच शुरू की।

उस भगदड़ में 10 बच्चों समेत 41 लोगों की मौत हुयी थी।

- **इस भगदड़ में 10 बच्चों सहित 41 लोगों की मौत हुई थी।**

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग, आईजी (उत्तरी क्षेत्र) के नेतृत्व में जांच दल ने इलाके का निरीक्षण किया और प्रत्यक्षदर्शियों और जनता से पूछताछ की।

न्यायमूर्ति एन सेंथिलकुमार ने स्थानीय पुलिस की जाँच पर असंतोष व्यक्त करते हुए एसआईटी का गठन करने का आदेश दिया है। अदालत ने विजय के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए पुलिस की भी खिंचाई की जो हादसे के बाद घटनास्थल से भाग खड़े हुये थे और अभी भी अपनी बात पर अड़े हुए हैं।

त्रासदी के बाद से विजय अपने घर पर ही हैं और उन्होंने अपने बयान में कहा है कि सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी। विल्लुपुरम शहर में अभिनेता के समर्थन में पोस्टर लगाए गये हैं जो अपने समर्थकों और प्रशंसकों के लिए थलपति (जनरल) हैं।

पायलट एनएसयूई प्रदेश अध्यक्ष जाखड़ से मिलने सैन्ट्रल जेल गए

सचिन पायलट ने कहा, पुलिस ने खुद कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है ताकि जमानत न हो सके

पायलट....

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 5 अक्टूबर, । कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट रविवार को घाटगेट स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में बंद एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ से मिलने पहुंचे। जहां उन्हें जेल प्रशासन ने बाहर ही रोक दिया। पायलट ने जाखड़ पर कठोर धाराओं में मुकदमे दर्ज करने को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल उठाए। इस दौरान आमेर विधायक प्रशांत शर्मा, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा और जयपुर ग्रामीण लोकसभा प्रत्याशी अनिल चौपड़ा भी मौजूद थे।

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री पालयट ने कहा कि कफ सिरप मौतों की न्यायिक जाँच होनी चाहिए।**

पायलट ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, विनोद जाखड़ एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष हैं। उन्हें कई दिन से जेल में बंद किया हुआ है। आज मिलने आए, लेकिन जेल प्रशासन ने मिलने नहीं दिया। राजस्थान विश्वविद्यालय में शस्त्र पूजन के कार्यक्रम का विरोध करने पर इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पुलिस ने खुद कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है, ताकि जमानत नहीं मिल सके। पायलट ने आशंका जताई कि एक मामले में जमानत मिलने पर विनोद जाखड़ को दूसरे मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट रविवार को जयपुर सेंट्रल जेल में बंद एन.एस.यू.आई. के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ से मिलने गये। उन्हें जेल प्रशासन ने बाहर ही रोक दिया।

सचिन पायलट ने कहा कि, राजस्थान में "कफ सिरप" से बच्चों की मौत का मामला गंभीर है, इस पर सरकार खुद जांच करेगी तो हकीकत सामने नहीं आएगी, इसलिए इस पूरे मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए, ताकि सामने आए कि गलती किसकी है।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी और उन्हें जेल में रखने से जुड़े सवाल पर सचिन पायलट ने कहा कि, जब भी कोई धरना-प्रदर्शन करता है तो भाजपा सरकार उनकी मांगों पर गौर नहीं करती है।

काफी नि:शक्त सी है, नि:शक्त सर्टिफिकेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सवाई मानसिंह अस्पताल में भी "श्रवण और वाणी विकलांगता" वाले मरीजों (मूक-बधिर) की मेडिकल जांच और उन्हें सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया पर ही सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि यहां अभ्यर्थियों और मरीजों की जांच नियमानुसार "ऑडियोलॉजिस्ट" द्वारा की जानी चाहिए। परंतु सवाई मानसिंह अस्पताल व मेडिकल कॉलेज में यह जांच ई.एन.टी. सर्जन द्वारा की जा रही है। हैरानी की बात है कि मरीजों को दिव्यांगता सर्टिफिकेट जारी करने वाले बोर्ड में भी एक भी सदस्य ऑडियोलॉजिस्ट नहीं है। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में भी सिर्फ दो टैस्ट, "बेरा व पी.टी.ए." के आधार पर ही दिव्यांगता प्रतिशत तय किया जा रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यहां भी जांच व सर्टिफिकेट जारी करने की प्रक्रिया गलत और अधूरी है। इस कारण कई ऐसे मरीजों को सर्टिफिकेट नहीं मिल रहे हैं, जो वाकई पीड़ित है। कई ऐसे मरीजों को सर्टिफिकेट मिले हैं, जिन्हें "श्रवण एवं वाणी विकलांगता" है ही नहीं।

राजस्थान के सरकारी विभागों में खुद को मूक-बधिर बताकर नौकरी पाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की दिव्यांगता जांचने के आदेश कार्मिक विभाग ने गत अगस्त माह में जारी किए थे। इस दौरान सामने आया कि, एस.एम.एस. अस्पताल में ई.एन.टी. सर्जन के निर्देशों पर ही जांच की जा रही है और संविदा पर लिए गए ऑडियोलॉजिस्ट को 2 ही टेस्ट करने के आदेश दिए जाते हैं, इस कारण मरीज की विकलांगता प्रतिशत का सटीक अनुमान ही नहीं लग पाता।

दरअसल भारत सरकार द्वारा लागू "राइट टु पर्सन विथ डिसेबिलिटीज़ एक्ट 2016" की धारा 56 व 57 के मुताबिक विशिष्ट विकलांगता का आंकलन करने वाली अथॉरिटी में विशेषज्ञ के रूप में "रीहैबिलिटेशन काउन्सिल" से पंजीकृत मास्टर डिग्रीधारी ऑडियोलॉजिस्ट अथवा स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट को शामिल करना अनिवार्य है। इन्हीं विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर ही दिव्यांग अभ्यर्थी का विकलांगता प्रमाण पत्र बनाया जा सकता है। परंतु इसके विपरीत राजस्थान के सवाई मानसिंह अस्पताल में ई.एन.टी. सर्जन द्वारा ही जांच करके दिव्यांगों को सर्टिफिकेट बांटे जा रहे हैं।

इस मामले को जानने वाले एक वरिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट ने बताया कि, सवाई मानसिंह अस्पताल में ही मूक-बधिर लोगों को दिव्यांगता सर्टिफिकेट जारी करने के लिए अपनाई जा रही प्रक्रिया नियमों के विपरीत और पूरी तरह अवैध है। मरीज की प्राथमिक व मुख्य जांच ऑडियोलॉजिस्ट को करनी होती है, परंतु यह काम ई.एन.टी. विभाग कर रहा है। विकलांगता सर्टिफिकेट यह नहीं बताता कि मरीज दिव्यांग है, बल्कि यह बताता है कि उसे सुनने और बोलने में कितनी प्रतिशत कठिनाई है, जिससे उसका जीवन कितना प्रभावित है। इस सर्टिफिकेट के आधार पर ही यह तय किया जाता है कि किसी व्यक्ति को सरकारी नियुक्ति में कितना प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

उन्होंने बताया कि सवाई मानसिंह अस्पताल में ऑडियोलॉजिस्ट के पद ही सृजित नहीं हैं, इस कारण ई.एन.टी.विशेषज्ञों द्वारा गलत मापदंडों के आधार पर दिव्यांगता प्रतिशत तय किया जा रहा है। इसका अर्थ यह भी हुआ कि, जिस मरीज को अधिक परेशानी है, उसे सर्टिफिकेट जारी नहीं हो रहा। तो कहीं किसी व्यक्ति को मामूली दिक्कत पर ही दिव्यांगता का प्रमाण पत्र मिल रहा है।

जबकि, नियमानुसार, सर्टिफिकेट जारी करने से पूर्व चिकित्सकीय बोर्ड की मंजूरी आवश्यक होती है। जिसमें अस्पताल अधीक्षक, ई.एन.टी. सर्जन और ऑडियोलॉजिस्ट या स्पीच पैथलॉजिस्ट शामिल होते हैं। इन तीनों की सहमति ही तय करती है कि कोई व्यक्ति श्रवण एवं वाणी विकलांगता से प्रभावित है और उसका विकलांगता प्रतिशत कितना है। इस बोर्ड में शामिल तीनों डॉक्टर्स व विशेषज्ञों द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेज की सिफारिश पर ही सर्टिफिकेट जारी होता है।

नियमानुसार, "रीहैबिलिटेशन काउन्सिल ऑफ इंडिया" के मुताबिक सुनाई देने में कठिनाई की समस्या 23 प्रकार की होती है, जिनके निर्धारण के लिए अलग-अलग मेडिकल जांच होती हैं। अलग-अलग प्रकार की समस्याओं के लिए अलग-अलग ही टैस्ट के समूह करवाए जाते हैं, जो कि पूर्व निर्धारित है। जरूरी नहीं कि, एक मरीज की एक प्रकार की स्थिति के लिए जो टैस्ट अपनाए जाएं, वह किसी दूसरे मरीज के लिए उपयुक्त हों। परंतु जयपुर के एस.एम.एस. अस्पताल में मरीज की मेडिकल जांच और सर्टिफिकेट जारी करने में ई.एन.टी. डॉक्टर्स की भूमिका प्राय: सामने आ रही है। यहां सभी केसों में केवल "बेरा" (ब्रेनस्टेम इवॉक रेस्पॉन्स ऑडियोमीट्री) और "पी.टी.ए." (प्योर टोन ऑडियोमीट्री) टेस्ट करवाकर धड़ल्ले से प्रमाण पत्र बांटे जा रहे हैं। जबकि यह टेस्ट करवाने भी है अथवा नहीं, यह फैसला ऑडियोलॉजिस्ट का होता है। क्योंकि, नियमानुसार सिर्फ ऑडियोलॉजिस्ट ही ऐसा विशेषज्ञ है, जो यह स्पष्ट करता है कि, मरीज की दिव्यांगता किस प्रकार की है और उसे किस प्रकार जांचा जाए। जांच के बाद यह निर्धारित करता है कि दिव्यांगता का प्रतिशत क्या है। वहीं नियमानुसार ई.एन.टी. डॉक्टर की भूमिका सिर्फ इतनी है कि वह, मरीज को जांचकर केवल यह पता करे कि उसकी दिव्यांगता स्थायी है अथवा नहीं। अगर स्थायी समस्या है तो उसे ऑडियोलॉजिस्ट की राय पर ही सर्जरी करनी होती है और जरूरत पड़े तो ऑडियोलॉजिस्ट "कॉकलेयर इम्प्लांट" सर्जरी प्रस्तावित करता है।

पाठकों को यह जानना जरूरी है कि, इस पूरी प्रक्रिया में ऑडियोलॉजिस्ट की अहम भूमिका इससे भी पता चलती है कि, किसी भी दिव्यांगता सर्टिफिकेट की वैद्यता के सिलसिले में अदालत में केवल ऑडियोलॉजिस्ट ही बतौर विशेषज्ञ राय दे सकते हैं, कोई अन्य डॉक्टर नहीं। परंतु हैरानी की बात है कि एस.एम.एस. अस्पताल में सर्टिफिकेट जारी करने वाले बोर्ड में एक भी सदस्य ऑडियोलॉजिस्ट नहीं है। ताज्जुब की बात है कि, इस दिव्यांगता का प्रतिशत और उसका ग्राफ बनाने में "ऑडियोलॉजिस्ट" की भूमिका एक विशेषज्ञ की है, इसके बावजूद प्रदेश की मेडिकल शिक्षा में यह कोर्स ही नहीं पढ़ाया जा रहा है। इस कारण सवाई मानसिंह अस्पताल जैसे बड़े अस्पताल में भी इनके पद नहीं है। वर्ष 2019 में सवाई मानसिंह अस्पताल के ई.एन.टी. विभाग से जब राज्य सरकार की ओर से पूछा गया कि, ऑडियोलॉजिस्ट की कितनी पोस्ट बनायी जानी चाहिए, तब ई.एन.टी. शाखा ने इन पदों की जरूरत नहीं होने की बात कहकर यह मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया।

क्रमश :

कप सिरप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए स्वास्थ्य मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए, अन्यथा कांग्रेस सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी। कांग्रेस नेता प्रकाश चौकसे ने कहा कि भाजपा सरकार में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमराई हुई हैं और बच्चों की मौत इसकी पुष्टि है। उन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने चेतावनी दी कि यदि दोषी अधिकारियों के निलंबन की कार्रवाई नहीं हुई, तो एनएसयूआई प्रदेश के सभी जिलों में शासकीय अस्पतालों के बाहर जनआंदोलन करेगी।

आप पार्टी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के मानद चेयरमैन गुप्ता ने हाल में राज्य आर्थिक नीति एवं योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष और काली देवी मंदिर सलाहकार समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इससे इस बात को लेकर अटकलें तेज हो गईं कि आप उन्हें उपचुनाव में उतार सकती है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में गुप्ता को आप उम्मीदवार घोषित किए जाने पर बधाई दी। आप को 117 सदस्यीय राज्य विधानसभा में भारी बहुमत प्राप्त है। इस बहुमत के साथ आप को गुप्ता को राज्यसभा भेजने में कोई बाधा नहीं आएगी। जून में अरविंद केजरीवाल ने पंजाब से राज्यसभा जाने की अटकलों पर विराम लगा दिया था।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार में 12 सीटें मांगीं

रांची, 05अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव में हिस्सेदारी को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुदीव्य कुमार सोनू और विनोद पांडे कल छह अक्टूबर को पटना में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव से मुलाकात करेंगे।

पार्टी अध्यक्ष और सीएम हेमंत सोरेन ने दोनों को बातचीत करने के लिए इसकी कमान सौंपी है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भी अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। पार्टी राज्य की सीमावर्ती 12 विधानसभा सीटों पर दावेदारी के साथ महागठबंधन में सम्मानजनक भागीदारी की तैयारी में जुट गई है।(झामुमो की नजर बिहार के तारापुर, कटोरिया, मनिहारी, झाझा, बांका, ठाकुरगंज, रूपौली, रामपुर, बनमनखी, जमालपुर, पीरपैंती और चकाई सीटों पर है। इन जिलों की सीमा झारखंड से लगती है और यहां झामुमो का वोटबैंक मजबूत माना जाता है। पार्टी का दावा है कि इन इलाकों में संगठन की जमीनी पकड़ अच्छी है और अतीत में उसके विधायक भी यहां से चुने जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि सितंबर महीने में झामुमो अध्यक्ष और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पटना में हुई वोटर अधिकार रैली के दौरान राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की थी, लेकिन तब सीट शेयरिंग पर कोई चर्चा नहीं हो सकी थी। इस बार बैठक को लेकर झामुमो काफी गंभीर है और पार्टी नेताओं को मजबूत तर्कों के साथ सीट शेयरिंग की बातचीत की जिम्मेदारी दी गई है।

- **मुख्यमंत्री सोरेन के प्रतिनिधियों ने तेजस्वी यादव से सीमावर्ती 12 सीटों पर दावा किया है**
- **झामुमो ने झारखंड में राजद को 9 सीटें दी थीं। इसी आधार पर वह बिहार में 12 सीटों की मांग कर रहा है।**

नेपाल में वर्षा, बाढ़ व भूस्खलन से 51 की मौत

काठमांडू, 05 अक्टूबर। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन की वजह से हालात गंभीर हो गए हैं। फ्लैश फ्लड और बाढ़ की वजह से अब तक नेपाल में 51 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में अभी भारी बारिश का दौर जारी है। आपदा प्रबंधन से जुड़े एक अधिकारी की तरफ से रविवार को इस बात की जानकारी दी गई है। शुक्रवार से ही देश के कई हिस्सों में बाढ़ की स्थिति है। लगातार बारिश के बीच ही आपदा अधिकारियों ने कई नदियों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

नेपाल के नेशनल डिज़ास्टर रिस्क रीडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी की प्रवक्ता शांति महत ने बताया, अब तक बारिश की वजह से पैदा होने वाली आपदाओं में 51लोगों की मौत हो चुकी है और पांच लापता हैं। देश के पूर्वी इलाम जिले में भूस्खलन से कम से कम 37 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय जिला अधिकारी सुनीता नेपाल ने कहा, रात भर हुई भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ।

उन्होंने बताया कि सड़कें बंद होने की वजह से कुछ इलाकों तक पहुंचना ही मुश्किल है। ऐसे में बचावकर्मी पैदल ही वहां जा रहे हैं। राजधानी काठमांडू में भी नदियां उफान पर हैं। इसकी वजह से उनके किनारे बसी बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। बचाव कार्यों में सहायता के लिए हेलीकॉप्टरों और मोटरबोटों के साथ सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। भूस्खलन की वजह से कई हाइवे भी ब्लॉक हो गए हैं और फ्लाइट् पर भी असर पड़ा है। इससे सैकड़ों यात्री फंस गए हैं। ये यात्री दशई त्यौहार मनाकर लौट रहे थे। नेपाल में भारी बारिश के बाद सप्तकोशी नदी के जलस्तर में तेज वृद्धि हुई है। ऐसे में भारत से सटे कोशी बैराज के सभी 56 गेट खोल दिए गए हैं।

- **सड़कें बंद हो जाने के कारण बचावकर्मी पैदल राहत कार्य के लिए जा रहे हैं**
- **नेपाल के पूर्वी इलाम जिले में भूस्खलन से 37 से अधिक लोगों की मौत हुई। बचाव कार्यों में सहायता के लिए हैलीकॉप्टरों और मोटरबोटों के साथ सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया।**

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908